THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 116 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.12/13 2082 मंगलवार, 22 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हरियाणा के नए गवर्नर ने अंग्रेजी में शपथ ली

प्रदेश के 19वें राज्यपाल बने अशीम घोष; पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके

चंडीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। प्रो. अशीम घोष ने सोमवार को हरियाणा के 19वें राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। चंडीगढ़ स्थित राजभवन में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू ने उन्हें शपथ दिलाई। घोष ने अपनी शपथ का भाषण अंग्रेजी में पढ़ा।

शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और पंजाब के गवर्नर व चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद रहे। घोष को बंडारू दत्तात्रेय की जगह राज्यपाल बनाया गया है। 14 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके नाम की घोषणा की थी।

कृषि मंत्री के वीडियो पर विवाद गहराया

लातूर में झड़प के बाद अजित पवार सख्त, एनसीपी युवा अध्यक्ष से मांगा इस्तीफा

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के विधान भवन में गेम खेलने वाले वायरल वीडियो पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में अब महाराष्ट्र के लातूर जिले में रविवार को छावा संगठन और एनसीपी (अजित पवार गुट) के कार्यकर्ताओं के बीच हुई मारपीट के मामले को लेकर डिप्टी सीएम अजित पवार ने सख्त रुख अपनाया है। पवार ने इस हरकत को पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ बताते गुए एनसीपी युवा मोर्चा के अध्यक्ष सूरज चव्हाण से तुरंत इस्तीफा देने को कहा है। बता दें कि ये पूरा मामला तब खड़ा हुआ जब रविवार को लातूर में एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान छावा संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सफल : पीएम

> दुनिया ने हमारा सैन्य सामर्थ्य देखा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी ने कहा कि यह मानसून सत्र देश के लिए बेहद गौरवपूर्ण है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के कदम रखने और ऑपरेशन सिंदूर में उसके पराक्रम का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा कि इस दशक में शांति और प्रगति देखी गई, लाल गलियारा अब हरित विकास क्षेत्र में बदल रहा है। 2014 से पहले मुद्रास्फीति दर दहाई अंक में हुआ करती थी, अब यह लगभग दो प्रतिशत है। मुद्रास्फीति कम है और विकास दर ऊंची है। प्रधानमंत्री मोदी ने बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के सांसदों और उनकी पार्टियों के विदेश दौरे की सराहना की और कहा कि उन्होंने सकारात्मक माहौल बनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों के पराक्रम का बखान करते हुए सांसदों और विभिन्न राजनीतिक दलों से एकता का संदेश देने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मानसून नवाचार और नव सृजन का प्रतीक है। अब तक मिली खबरों के अनुसार, देश में यह मौसम बहुत अच्छा चल रहा है। कृषि के लिए लाभकारी मौसम की खबरें आ रही हैं। बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है। पिछले 10 वर्ष के मुकाबले इस बार का पानी भंडार तीन गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'संसद का यह मानसून सत्र विजय उत्सव जैसा है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत का झंडा फहराया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। सभी सांसद और देशवासी एक स्वर में इस उपलब्धि का गुणगान करेंगे।

यह हमारे भविष्य के अभियानों के लिए प्रेरणादायी होगा।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'यह मानसून सत्र विजय उत्सव है। पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति का पराक्रम देखा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना द्वारा निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के आकाओं के घरों को 22 मिनट के भीतर जमींदोज कर दिया गया।

बांग्लादेश वायुसेना का प्रशिक्षण विमान कॉलेज परिसर में गिरा

19 लोगों की मौत, 164 घायल

ढाका, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 160 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट के अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद सईदुर रहमान ने बताया कि वायुसेना का विमान माइलस्टोन कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसमें विमान के पायलट सहित कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी घटना की पुष्टि की है। सूचना मिलने पर बांग्लादेशी सेना के सदस्य, अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा की आठ गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। बांग्लादेश सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने बताया कि वायुसेना का प्रशिक्षण विमान F-7 बीजीआई ढाका के उत्तरा क्षेत्र के दियाबारी इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिर गया।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक

अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत कई मंत्री रहे मौजूद

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का पहला दिन काफी हंगामेदार रहा। सरकार और विपक्ष एक दूसरे पर तमाम मुद्दों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आए। वहीं, संसद भवन में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई मंत्री शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक संसद सत्र को लेकर आयोजित की गई थी, जिसमें सत्र की रूपरेखा, विधायी एजेंडा और विपक्ष से संभावित रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। माना जा रहा है कि सरकार इस सत्र में कुछ अहम विधेयकों को पेश करने और पारित कराने की तैयारी में है। इस बैठक में संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने और कई मंत्रालयों के समन्वय को लेकर भी विचार किया गया। हालांकि, सरकार की ओर से बैठक के एजेंडे पर आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं आया है।

'अपनी राजनीतिक लड़ाई कहीं और लड़िए'

> सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि न्यायिक कार्यवाही का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। याचिका में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ अदालत की अवमानना के मामले में आपराधिक कार्रवाई करने की मांग की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 'कृप्या अपनी राजनीतिक लड़ाई को अदालत के बाहर लड़ें'। याचिका एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट आत्मदीप ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मुख्यमंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद उसके खिलाफ टिप्पणी की और न्यायपालिका के अधिकार को कमजोर करने वाला आपत्तिजनक बयान दिया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने पीठ से सुनवाई स्थगित करने का आग्रह किया और कहा कि आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए अटॉर्नी जनरल से उनकी सहमति के लिए अनुरोध भेजा गया है। इस पर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई ने कहा कि 'क्या आप इतने आश्वस्त हैं कि आपको सहमति मिल जाएगी? अदालत का राजनीतिकरण करने की कोशिश न करें; आपकी राजनीतिक लड़ाई है और आपको अपनी लड़ाई कहीं और लड़नी चाहिए।' इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की है। उल्लेखनीय है कि याचिका इस साल अप्रैल में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से संबंधित है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए 2016 में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा की गई लगभग 25,000 नियुक्तियों को अमान्य करार दिया था। शीर्ष अदालत ने माना था कि अध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया में धोखाधड़ी हुई थी और नियुक्तियों को रद्द करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। इस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फैसले की आलोचना की थी और आलोचनात्मक टिप्पणियां की थीं। इसके खिलाफ ही आत्मदीप ट्रस्ट द्वारा सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ अवमानना याचिका दायर कराई गई थी।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री अच्युतानंदन का निधन, 101 की उम्र में ली अंतिम सांस

तिरुवनंतपुरम, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता वी. एस. अच्युतानंदन का निधन हो गया है। उनकी उम्र 101 वर्ष थी। माकपा के राज्य सचिव एम. वी. गोविंदन ने यह जानकारी दी। गोविंदन ने पत्रकारों को बताया कि अच्युतानंदन का निधन यहां एक निजी अस्पताल में हुआ, जहां वह करीब एक महीने पहले दिल का दौरा पड़ने के बाद से उपचार करा रहे थे। अच्युतानंदन माकपा के संस्थापक सदस्यों में से थे और जीवनभर मजदूरों के अधिकारों, भूमि सुधार और सामाजिक न्याय की वकालत करते रहे। उन्होंने 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दी और सात बार राज्य विधानसभा के लिए चुने गए। वह तीन बार विपक्ष के नेता भी रहे।

'मैं विपक्ष का नेता, फिर भी मुझे बोलने नहीं दे रहे'

> राहुल गांधी ने लगाया पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हंगामे और स्थगन के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष का नेता होने के बावजूद उन्हें लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया।

सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'रक्षा मंत्री और सरकार के अन्य लोगों को बोलने की इजाजत है, लेकिन विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं, बोलना मेरा अधिकार है, मुद्दे उठाना मेरा काम है, लेकिन वे मुझे बोलने नहीं दे रहे।'

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक नया तरीका अपना रही है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन से चले गए। अगर वे अनुमति दें तो चर्चा हो सकती है, लेकिन मुद्दा यह है कि परंपरा कहती है कि अगर सरकार के नेताओं को बोलने की अनुमति है, तो हमें भी जगह दी जानी चाहिए। हम बोलना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई।' इससे पहले लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्य ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए खड़े हो गए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वह प्रश्नकाल के बाद सदस्यों को ऑपरेशन सिंदूर सहित सभी मुद्दे उठाने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं। प्रश्नकाल दिन का पहला घंटा होता है, जिसमें सदस्य विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से संबंधित प्रश्न उठाते हैं।

'प्रश्नकाल के बाद सभी मुद्दे उठाने की अनुमति दूंगा'

उन्होंने कहा, 'मैं आपको प्रश्नकाल के बाद सभी मुद्दे उठाने की अनुमति दूंगा। सदन केवल नियमों के अनुसार ही चलेगा। इसमें नारेबाजी और तख्तियां लहराने की अनुमति नहीं दी जा सकती।' बिरला ने कहा कि यदि सदस्य नोटिस देते हैं, तो वह उन्हें सभी मुद्दे उठाने की अनुमति देंगे और प्रत्येक सांसद को पर्याप्त समय देंगे।

चुनाव से पहले अन्नाद्रमुक को झटका

पूर्व सांसद अनवर राजा द्रमुक में शामिल-भाजपा से थे नाराज

चेन्नई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की सियासत में हलचल बढ़ गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच एआईएडीएमके को एक बड़ा झटका लगा है।

कारण है कि चुनावी तैयारियों के बीच पार्टी के संगठन सचिव और पूर्व सांसद अनवर राजा ने सोमवार को डीएमके का दामन थाम लिया। वह लंबे समय से विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके में अल्पसंख्यक समुदाय का चेहरा रहे हैं, खासकर रामनाथपुरम जिले में। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में डीएमके की सदस्यता ली।

'विपक्ष के मुद्दों पर चर्चा को तैयार हूं'

> सदन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा के मानसून सत्र में सोमवार को बार-बार व्यवधान देखने को मिला। विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर तत्काल चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी की।

इसके चलते लोकसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे तक। हंगामे के बावजूद, केंद्र सरकार ने कहा कि वह विपक्ष की ओर से उठाए गए सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन को आश्वासन दिया कि सरकार पहलगाम हमले सहित राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर विस्तृत बहस के लिए पूरी तरह तैयार है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं सांसदों को भरोसा दिलाता हूं कि सुरक्षा से जुड़े किसी भी मुद्दे पर, चाहे चर्चा कितनी भी लंबी क्यों न हो, हम पूरी तरह से चर्चा के लिए तैयार हैं। जब भी स्पीकर समय देंगे, हम चर्चा में भाग लेंगे। यह बात उन्होंने उस समय कही जब विपक्षी सांसदों ने पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संसद में गैरहाजिरी पर सवाल उठाए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि दोपहर 2:30 बजे बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक होगी, जिसमें चर्चा के लिए मुद्दों की लिस्ट तय की जाएगी। रिजिजू ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में यह तय हुआ था कि इस सत्र में ज्यादा से ज्यादा चर्चा होनी चाहिए। सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष के सांसद सदन के वेल में आकर विरोध कर रहे हैं। सत्र के पहले ही दिन इस तरह का विरोध करना ठीक नहीं है।

अगर किसी को कोई मुद्दा उठाना है तो उसे नियमों के तहत चर्चा करनी चाहिए। इससे पहले, स्पीकर ओम बिरला ने शुरुआती व्यवधान के बाद लोकसभा की कार्यवाही दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी। कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा, तो ओम बिरला की गैरमौजूदगी में पीठासीन जगदंबिका पाल को सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए फिर से स्थगित करनी पड़ी।

पहलगाम आतंकी हमले पर खरगे ने पूछे कड़े सवाल तो नड्डा बोले

> आजादी के बाद ऐसा ऑपरेशन नहीं हुआ

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही और पहले ही दिन जमकर हंगामा देखने को मिला। विपक्ष ऑपरशन सिंदूर पर चर्चा की मांग कर रहा है। राज्यसभा में इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की, जिस पर भाजपा अध्यक्ष और सदन के नेता जेपी नड्डा ने भी जोरदार जवाब दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर राज्यसभा में सवाल उठाते हुए कहा कि 'पहलगाम आतंकी हमले के आरोपी अभी तक न पकड़े गए हैं और न ही मारे गए हैं। सभी पार्टियों ने एकजुट होकर सरकार को इस मुद्दे पर समर्थन दिया, ऐसे सरकार की तरफ से हमें पहलगाम हमले पर और उसके बाद के घटनाक्रम पर हमें जानकारी दी जानी चाहिए।'

सरकार पर सुरक्षा में लापरवाही का लगाया आरोप

खरगे ने कहा कि 'पहलगाम हमले में सरकार से सुरक्षा लापरवाही हुई और ये खुद एलजी ने स्वीकार किया है। साथ ही कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भी कई खुलासे किए। ऐसे में सरकार को हमें जानकारी दी जानी चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 24 बार कहा कि मेरी मध्यस्थता से समझौता हुआ, तब भारत-पाकिस्तान का संघर्ष थमा। ये देश के लिए अपमानजनक है कि एक बाहर का आदमी ऐसा दावा कर रहा है।' इस पर सदन के नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'इस सदन के माध्यम से देश में ये संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं चाहते, हम चर्चा करेंगे और इस मुद्दे पर हर बात को सदन के पटल पर रखा जाएगा। मैं ये भी कहना चाहूंगा कि देश की आजादी के बाद देश में आज तक ऐसा ऑपरेशन नहीं हुआ, जैसा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर में हुआ। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए नोटिस दिया गया है और जो भी समय तय किया जाएगा।

'भाषा पर हमला नहीं सहेंगे, 2026 में बीजेपी को बंगाल से बाहर करेंगे'

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में गर्माहट तेज है। राजनीतिक पार्टियों की तैयारी और उनके मुद्दे को लेकर आरोप-प्रत्यारोप भी अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को टीएमसी शहीद दिवस रैली में भाजपा के खिलाफ जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगालियों पर भाषाई आतंकवाद थोप रही है और अगर यह नहीं रुका तो यह विरोध आंदोलन दिल्ली तक पहुंचेगा।

कोलकाता में भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराना जरूरी है, और इसके बाद केंद्र से भी भाजपा को हटाना होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे बंगाली अस्मिता (गौरव) के लिए एकजुट होकर लड़ें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने एलान किया कि 27 जुलाई से राज्य में भाषा आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा बंगाली भाषा और पहचान पर हो रहे हमलों के खिलाफ हमें आवाज उठानी होगी।

'हमें मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें'

> सुप्रीम कोर्ट की ईडी को लताड़ > कर्नाटक सीएम की पत्नी को दी राहत

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जमकर लताड़ लगाई और ईडी के कथित राजनीतिक रूप से इस्तेमाल होने को लेकर तीखी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सीएम की पत्नी के खिलाफ दायर ईडी की याचिका को खारिज कर दिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। इस पर खुशी जताते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि आखिरकार न्याय हुआ और मुडा मामले का भी अंत हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी पर की तीखी टिप्पणी

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने ईडी की याचिका पर सुनवाई की। ईडी ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उच्च न्यायालय ने कर्नाटक सीएम की पत्नी पार्वती के खिलाफ एमयूडीए घोटाले में कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी। ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 'श्रीमान राजू, कृप्या हमें अपना मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें। वर्ना हमें ईडी के खिलाफ कुछ कड़े शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ेगा। दुर्भाग्य से, मुझे महाराष्ट्र में इसे लेकर कुछ अनुभव है। इसे पूरे देश में मत फैलाइए। राजनीतिक लड़ाई को मतदाताओं के सामने लड़ने देना चाहिए, उसमें आप क्यों इस्तेमाल हो रहे हैं।' अदालत ने ईडी की याचिका खारिज कर दी और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताई और एक बयान जारी कर कहा कि आखिरकार न्याय हुआ। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि 'सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय का आदेश बरकरार रखा और ईडी की याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने ईडी के खिलाफ टिप्पणी करने में सावधानी बरती और उन्होंने कहा कि मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट को उच्च न्यायालय के फैसले में कोई गलती नहीं लगी। न्याय हुआ और मुडा घोटाले में ईडी का दखल अब बंद हो जाएगा।'

एमयूडीए (मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी) मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती सिद्धारमैया को जमीन आवंटन में अनियमितता के आरोप लगे थे। आरोप है कि सीएम की पत्नी को मुडा ने एक जमीन अधिग्रहण के बदले में मैसूर में पॉश इलाके में ज्यादा महंगी जमीन आवंटित की। इस मामले में करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप लगे।

एअर इंडिया हादसे की जांच शुरू

पांच उल्लंघनों पर नौ नोटिस जारी, राज्यसभा में सरकार ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। एअर इंडिया की उड़ान एआई-171 के अहमदाबाद में हुए हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। यह जानकारी नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में दी। उन्होंने बताया कि यह जांच एअरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक की तरफ से 'एअरक्राफ्ट (हादसों और घटनाओं की जांच) नियम, 2017' के नियम 11 के तहत शुरू की गई है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि इस हादसे के पीछे क्या कारण रहे। 12 जून 2025 को एअर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस भीषण हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक शामिल था। जबकि हादसे वाली जगह पर मौजूद 19 अन्य स्थानीय लोग भी इस हादसे में मारे गए हैं। वहीं इस हादसे पर एएआईबी की तरफ से प्रारंभिक रिपोर्ट 12 जुलाई 2025 को जारी की गई थी। हालांकि, अभी जांच पूरी नहीं हुई है और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट का सभी को इंतजार है।

जस्टिस वर्मा को सम्मान न देने पर सुप्रीम कोर्ट ने वकील को जमकर लगाई फटकार

बताया-वे अब भी न्यायाधीश हैं

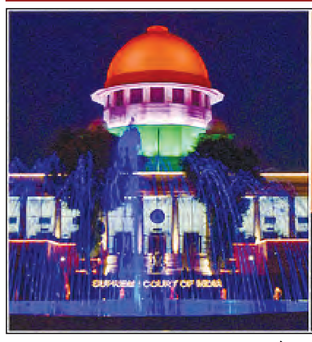

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को सम्मान न देने पर एक वकील को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि वकील शिष्टाचार रखें, यशवंत वर्मा अभी भी न्यायाधीश हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ से वकील मैथ्यूज नेदुम्परा ने कहा था कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली यह उनकी तीसरी याचिका है। इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या आप चाहते हैं कि इसे अभी खारिज कर दिया जाए? इसे उचित समय पर सूचीबद्ध किया जाएगा। सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि इसे खारिज करना असंभव है। एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। अब ऐसा लगता है कि वर्मा यही मांग कर रहे हैं। एफआईआर होनी चाहिए, जांच होनी चाहिए। इस पर पीठ ने कड़ा संज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि क्या वह आपके मित्र हैं? वह अब भी न्यायमूर्ति वर्मा हैं। आप उन्हें कैसे संबोधित कर सकते हैं? कुछ शिष्टाचार रखें। आप एक विद्वान न्यायाधीश के बारे में बात कर रहे हैं। वह अब भी न्यायाधीश हैं। वकील ने जोर देकर कहा कि मुझे नहीं लगता कि महानता उन पर लागू हो सकती है। मामले को सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आप कोर्ट को निर्देश न दें।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस

उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। इसमें यह घोषित करने की मांग की गई है कि उपभोक्ताओं को अनुचित प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं के खिलाफ निवारण के लिए वितरकों और विक्रेताओं के विवरण के अलावा उत्पादों की गुणवत्ता, शुद्धता और प्रमाणीकरण के बारे में जानने का अधिकार है।

क्या है मामला?

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच पैनल की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में दोषी पाया गया था। जस्टिस वर्मा ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से 8 मई को संसद से उनके खिलाफ महाभियोग चलाने का आग्रह करने वाली सिफारिश को रद्द करने की मांग की है। सरकार 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की योजना बना रही है।

जान गंवाने वाले बस चालक के परिवार को मिलेंगे 44.15 लाख

एमएसीटी ने एमएसआरटीसी को ठहराया जिम्मेदार

ठाणे, 21 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में 2019 में सड़क दुर्घटना में मारे गए एक बस चालक के परिवार को 44.15 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगी। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने मृतक के परिवार की अपील पर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) को दोषी मानते हुए मुआवजे का भुगतान करने का आदेश दिया।

क्या था मामला?

5 अक्टूबर, 2019 को 54 वर्ष सदाशिव कोरगा मूल्या अपने स्कूटर पर सवार थे, तभी शहर में खोपट सिग्नल के पास एमएसआरटीसी बस ने उन्हें टक्कर मार दी। मृतक सदाशिव ठाणे नगर परिवहन (टीएमटी) में ड्राइवर थे।

मृतक के परिवार का आरोप

मृतक की पत्नी और बेटी ने आरोप लगाया कि खोपट एसटी बस डिपो के मुख्य गेट से तेज रफ्तार में बस निकालते हुए सड़क पर आया। उसने अन्य वाहनों की परवाह किए बिना लापरवाह ढंग से वाहन चलाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि बस चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, ब्रेक भी नहीं लगाए और स्कूटर के पिछले बाएं हिस्से में टक्कर मार दी, जिससे मूल्या गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज के दौरान 15 नवंबर, 2019 को उनकी मृत्यु हो गई। रबोडी पुलिस ने एमएसआरटीसी बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। दावेदारों की ओर से वकील पीएम टिल्लू ने कहा कि मृतक का वेतन 35,925 रुपये प्रति माह था। दावेदार उसकी आय पर निर्भर थे। दावेदारों ने शुरू में 80 लाख रुपये तक की मांग की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी मांग को एक लाख रुपये तक सीमित कर दिया।

खबरें जरा हटके

सुपरमार्केट के बीच मौजूद है चट्टान, जिसे देखने के लिए जुटती है लोगों की भीड़

एक शॉपिंग मॉल में हर तरह का सामान देखने को मिल जाता है क्योंकि बहुत से शॉपिंग मॉल यह दावा करते हैं कि उनके मॉल हर तरह का सामान खरीदने के लिए मिल सकता है. पर क्या हर तरह के सामन सामान का मतलब ये तो नहीं कि मॉल में कुछ भी रख दिया जाए? आमतौर पर मॉल में विक्री के अलावा कुछ अद्भुत चीजें शो के लिए रखी जाती हैं जिससे लोगों को मॉल में आने के बाद बहुत अच्छा और सुकून सा महसूस हो सके. तो क्या किसी मॉल में एक बड़ी सी चट्टान ही रख दी जाएगी? वो भी ऐसी कि जिसका कोई खास या आकर्षक आकार भी ना हो? पर यूरोपीय देश एस्टोनिया के एक शॉपिंग मॉल में एक बड़ी सी चट्टान को रखा गया है. एस्टोनिया के हाबनेमे शहर कावीम्सी शॉपिंग सेंटर इस बड़ी सी चट्टान के कारण मशहूर है. जो इसकी इमारत के ठीक बीचोंबीच स्थित है और वो भी सुपरमार्केट में रखी गई है जहां आमतौर पर लोग सब्जी, फल, ग्रॉसरी या कपड़े खरीदने जाते हैं. इस एस्टोनियाई सुपरमार्केट की यह चट्टान, जिसकी परिधि लगभग 22 मीटर और ऊँचाई लगभग 6 मीटर है, जिसमें ज़मीन में दबा हुआ हिस्सा भी शामिल है. यह पत्थर लोगों की खरीदारी यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है. यह चट्टान शॉपिंग सेंटर के बनने से हज़ारों साल पहले से वहां मौजूद थी. एक्सपर्ट्स बताते हैं कि यह लगभग 10,000 साल पुरानी है. इसके बारे में तब पता चला जब सितंबर 2014 में इमारत की नींव खोदी जा रही थी. पहले मजदूरों ने इसे डायनामाइट से उड़ाने की योजना बनाई थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया. बाद में यह सामने आया कि यह विशाल पत्थर वास्तव में एक "इर्रैटिक बोल्डर" है. यह ऐसी दुर्लभ चट्टान है, जिसे संरक्षण (संरक्षित धरोहर) का दर्जा मिल सकता है. ये चट्टान असल में ग्लेशियर काट कर बनाते हैं और अपने साथ बहा कर धीरे धीरे लम्बे समय में दूर तक ले जाते हैं और पिघलने पर वहीं छोड़ देते हैं.

दिल्ली हाईकोर्ट में छह नए जजों ने ली शपथ, मुख्य न्यायाधीश रहे मौजूद

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में छह नए जजों ने शपथ ली है। जिसके बाद कुल संख्या 40 हो गई है। इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय मौजूद रहे। हाईकोर्ट में छह न्यायाधीशों न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव, न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे, न्यायमूर्ति विवेक चौधरी, न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल, न्यायमूर्ति अरुण कुमार मोंगा और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला ने शपथ ली। इसके साथ ही न्यायालय की क्षमता बढ़कर 40 हो गई। न्यायमूर्ति सांब्रे पहले बॉम्बे उच्च न्यायालय में थे, जबकि न्यायमूर्ति चौधरी और शुक्ला इलाहाबाद उच्च न्यायालय से हैं। न्यायमूर्ति क्षेत्रपाल पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में कार्यरत थे और न्यायमूर्ति मोंगा राजस्थान उच्च न्यायालय से आए हैं। न्यायमूर्ति राव को कर्नाटक उच्च न्यायालय से दिल्ली वापस स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा 16 जुलाई को दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश, न्यायमूर्ति विभु बाखरू को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति पर विदाई दी गई थी। इस पुनर्गठन के परिणामस्वरूप उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय कॉलेजियम का भी पुनर्गठन होगा।

एनएसयूआई की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष गिरफ्तार

महिला से दुष्कर्म का आरोप-पार्टी से निलंबित

भुवनेश्वर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की शाखा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि भुवनेश्वर के एक होटल में 19 वर्षीय एक महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। इस बीच एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने अपनी ओडिशा इकाई के अध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की छात्र शाखा लैंगिक भेदभाव के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति रखती है।

घटना कब की है?

घटना 18 मार्च की है। हालांकि, मामला रविवार को तब सामने आया, जब छात्रा ने मंचेश्वर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि आरोपी उदित प्रधान ने उसके पेय पदार्थों में नशीला पदार्थ मिलाकर होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस ने क्या कहा?

भुवनेश्वर-कटक पुलिस आयुक्तालय के अतिरिक्त आयुक्त (जोन-V) विश्वरंजन सेनापति ने कहा, 'छात्रा की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर मंचेश्वर पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग की छात्रा ने प्रधान पर यह भी आरोप लगाया कि उसने उसे कथित घटना का खुलासा करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

'प्रधान के प्रभाव के कारण मैं चुप रही'

छात्रा ने अपनी शिकायत में कहा, 'प्रधान के प्रभाव के कारण मैं चुप रही। हालांकि, अब जब महिला अधिकारों पर ध्यान दिया जा रहा है, तो मैंने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने का साहस किया।' एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। धाराओं में दुष्कर्म और आपराधिक धमकी भी शामिल है।

प्रधान के समर्थकों ने पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन किया

इस बीच प्रधान के समर्थकों ने गिरफ्तारी के विरोध में मंचेश्वर पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन किया। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने सोमवार को प्रधान के खिलाफ आरोपों की जांच करने और छात्रा से मिलने के लिए उपाध्यक्ष सस्मिता बेहरा के नेतृत्व में छह सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग समिति का गठन किया। यह समिति जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट राज्य कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी।

केवल 100 रुपये में मिल रहे हैं बड़े घर, बस कुछ शर्तें करनी होंगी पूरी-इन्हें सुनकर लग जाएगा झटका!

घर अगर खरीदना हो तो बहुत सी बातों का ख्याल रखना होता है. अगर घर नया नहीं है तो घर की कीमत लगने में कई पहलू लागू होते हैं. घर में कहां है, उसके आसपास कैसी जगह है, ये सब तो बातें मायने रखती ही हैं. पर घर कितना पुराना है और उस पर कितना काम करने की जरूरत पड़ेगी यह भी काफी कुछ पुराने घर की कीमत तय करने में भूमिका निभाता है. यही कारण है कि कई घर उम्मीद से ज्यादा सस्ते होते हैं. फ्रांस के अंबर्ट में सिर्फ 1 यूरो, यानी केवल करीब 100 रुपये में ही घर खरीदने का मौका है. यह सपने जैसा लगता है. लेकिन 100 रुपये के घर के साथ कुछ शर्तें हैं. ये घर पुराने हैं. इन्हें ठीक करने में बहुत खर्चा होगा. यह योजना अंबर्ट की घटती आबादी को बढ़ाने के लिए है. अब देखने वाली बात ये है कि कितने लोग इन शर्तों के साथ इस घर को खरीदना चाहते हैं. फिलहाल अंबर्ट में केवल 6,500 लोग रहते हैं. ये घर केवल पहली बार खरीदने वालों के लिए हैं.

जो लोग पहले ही एक बार घर खरीद चुके हैं. वे इसे नहीं खरीद सकते. दूसरी बार कोई घर खरीदने वाले इस योजना में हिस्सा नहीं ले सकते. दूसरी अहम बात खरीदारों को घर को रहने लायक बनाने के बाद कम से कम 3 साल तक वहां रहना होगा. अगर आप घर खरीद कर उसे किराए से चढ़ाने के मूड में हो तो ये ऑफर आपके लिए नहीं है. अगर आपने ये शर्त पूरी ना की तो आपसे सरकारी अनुदान वापस लिया जा सकता है. जुर्माना भी देना पड़ सकता है.

'फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं'

ब्रह्मपुत्र पर चीन के सबसे बड़े डैम को लेकर बोले सीएम सरमा

गुवाहाटी, 21 जुलाई (एजेंसियां)। चीन की तरफ से ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा डैम बनाने की शुरुआत होने पर भारत में चिंता जाहिर की जा रही है। इसी बीच इस मामले में सोमवार को असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल डरने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि ब्रह्मपुत्र नदी का जल मुख्य रूप से भूटान, अरुणाचल प्रदेश और असम से आता है, न कि केवल चीन से। उन्होंने यह बयान गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया।

बता दें कि मामले में चिंता का दौर तब शुरू हुआ जब चीन ने बीते शनिवार को तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर करीब 167.8 अरब डॉलर की लागत से दुनिया के सबसे बड़े डैम का निर्माण शुरू कर दिया है। यह जगह भारत के अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास स्थित है, जिससे निचले स्तर के राज्यों में इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताई जा रही है।

डैम को लेकर क्या बोले सीएम सरमा?

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि मैं फिलहाल ज्यादा चिंतित नहीं हूं, क्योंकि ब्रह्मपुत्र एक विशाल नदी है और यह केवल एक स्रोत से पानी नहीं लेती। उन्होंने कहा कि इसका अधिकतर पानी भूटान, अरुणाचल और असम में बारिश से आता है। जब उनसे डैम के निचले स्तर में बसे गांव पर असर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इसका असर अच्छा होगा या बुरा।

सरमा ने वैज्ञानिकों मतों पर दिया जोर

इसके साथ ही सरमा ने बताया कि इस विषय पर दो वैज्ञानिक मत सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें पहला है कि अगर चीन द्वारा नदी के प्रवाह में बदलाव किया गया, तो पानी की मात्रा कम हो सकती है और जैव विविधता पर असर पड़ेगा। लेकिन दूसरी राय यह है कि अगर पानी कम आया, तो बाढ़ की स्थिति में राहत मिल सकती है। वहीं इस मामले में केंद्र सरकार के स्टैंड को लेकर भी सीएम बिस्व सरमा ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस विषय में ज्यादा सक्षम है और वो जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत सरकार पहले से ही इस मुद्दे पर चीन से बातचीत कर रही होगी या जल्द ही करेगी।

अमरनाथ यात्रा-16 दिन में 3 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

पहलगाम, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के 16वें दिन 16,886 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इन 16 दिनों 3 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा- सालाना अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों की संख्या रविवार को तीन लाख के आंकड़े को पार कर गई। यह पवित्र यात्रा एक अत्यंत समृद्ध अनुभव है। यात्रा के पहले दिन गुरुवार को 12,348 , शुक्रवार को 14,515, शनिवार को 21,109, रविवार को 21,512 तीर्थयात्री, सोमवार को 23,857 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे थे।

भूतिया डॉल के साथ दौरे पर गया शख्स, रहस्यमय हालात में हुई मौत, फिर गायब हुई गुड़िया

अगर आपको को लगता है कि भूत प्रेत की कहानियाँ और असली

बताए जाने वाले किस्से केवल भारत में ही होते हैं तो आप गलत हैं. पश्चिमी देशों में भी भूतों का अपना संसार है. यहां भी आत्माएं और भूत लोगों के शरीर में प्रवेश करने के किस्से सामने आते रहते हैं. यहां बहुत से लोग इस तरह की भुतहा जगहों पर घूमने और इनकी पड़ताल करने के भी शौकीन होते हैं. तो वहीं कई लोगों को भुतहा गुड़िया पालने का भी शौक होता है. एनाबेल डॉल ऐसी ही एक शापित गुड़िया है. हाल ही में इसके मालिक डैन रिवेरा की असामान्य मौत ने पूरी दुनिया को चौंका दिया था. अब यही डॉल के गायब होना लोगों को हैरान कर रहा है. इसी महीने की 13 तरीख को डैन रिवेरा पेन्सिलवेनिया के गेटिसबर्ग में पैरानॉर्मल खोजकर्ता डैन रिवेरा अपने होटल के कमरे में असामान्य रूप से मृत पाए गए. वहीं अधिकारियों का कहना है कि रिवेरा की मौत संदिग्ध नहीं थी, और वो अपने होटल के कमरे में अकेले पाए गए थे. चार बच्चों के पिता रिवेरा भूतों के संसार से जुड़े शोधकरने वालों के बीच बहुत प्रसिद्ध हस्ती माने जाते थे. 54 साल के रिवेरा ने 13 जुलाई को सोल्जर्स नेशनल ऑर्फनेज में "डेविल्स ऑन द रन" नाम एक भुतिया टूर की अगुआई की थी. इस कार्यक्रम में उन्होंने अपनी एनाबेल डॉल को भी प्रदर्शित किया था. न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, डैन रिवेरा न्यू इंग्लैंड सोसाइटी फॉर साइंटिफिक रसर्च (एनईएसपीआर) के अहम सदस्य थे और वे इसी संस्था के दौरे के तहत एनाबेल को अमेरिका में घुमा रहे थे. रिवेरा की मौत ने सभी तो स्तब्ध कर दिया है. वे पहले सेना में थे और बाद में एक खोजकर्ता के रूप में एनईएसपीआर से जुड़े थे. लेकिन उनकी मौत के बाद किसी ने भी एनाबेल डॉल को नहीं देखा है. ना ही एनाबेल उनके कमरे में पाई गई. लेकिन संगठन फिलहाल रिवेरा की इच्छाके अनुसार यह दौरा जारी रखना चाहती है.

लेकिन एनाबेल नहीं मिली तो इसे रद्द भी करना पड़ सकता है.

भारतीय नौसेना को मिली नई ताकत

जीआरएसई ने लॉन्च किया पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज 'अजय'

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। समुद्र में दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए भारतीय नौसेना लगातार अपनी ताकतों में और इजाफा कर रही है। इसी बीच रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने सोमवार को भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर (एएसडब्ल्यू) शैलो वॉटर क्राफ्ट्स में से आखिरी जहाज 'अजय' को लॉन्च किया।

यह जहाज कोलकाता में नौसेना के चीफ ऑफ मेटेरियल वाइस एडमिरल किरण देशमुख की पत्नी प्रिया देशमुख ने लॉन्च किया। बता दें कि जहाज 'अजय' के लॉन्च के साथ ही इस परियोजना के सभी आठ शिप्स का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर वाइस एडमिरल देशमुख मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। जहाज के लॉन्चिंग पर जीआरएसई के एक अधिकारी ने बताया कि इन आठ जहाजों को खासतौर पर तटीय इलाकों में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है।

ये जहाज छोटे पानी के इलाकों (शैलो वॉटर) में भी आसानी से ऑपरेशन कर सकते हैं। इनकी लंबाई 77.6 मीटर और चौड़ाई 10.5 मीटर है। ये पोत तटीय इलाकों में पनडुब्बियों की निगरानी करने में पूरी तरह सक्षम हैं। अधिकारी ने बताया कि इन जहाजों में हल्के टॉरपीडो, एएसडब्ल्यू (एएसडब्ल्यू) रॉकेट और माइन्स जैसे घातक हथियार लगे हैं।

इसके अलावा ये विमान के साथ मिलकर समन्वित एंटी-सबमरीन ऑपरेशन भी कर सकते हैं। ये जहाज सिर्फ निगरानी नहीं, बल्कि सतह पर मौजूद दुश्मन के जहाजों पर हमला करने की भी क्षमता रखते हैं। साथ ही ये कम तीव्रता वाले समुद्री ऑपरेशनों और माइंस बिछाने के कार्यों में भी उपयोगी हैं।

कांग्रेस नेता मुरलीधरन बोले-थरूर अब हमारे साथ नहीं

जब तक वे अपना रुख नहीं बदलते, उन्हें पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा

तिरुवनंतपुरम, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केरल कांग्रेस के सीनियर नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि शशि थरूर को तिरुवनंतपुरम में तब तक किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा, जब तक वह राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपना रुख नहीं बदलते। मुरलीधरन ने रविवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि थरूर अब हमारे साथ नहीं हैं। इसलिए उनके द्वारा किसी कार्यक्रम का बहिष्कार करने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर थरूर को अब हम में से एक नहीं माना जाता। पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए।

थरूर ने रविवार यानी 19 जुलाई को कहा था कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं। पार्टियां सिर्फ देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए, जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की तारीफ की थी और ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार व सेना का समर्थन किया था। इसके बाद कांग्रेस पार्टी में उनके बयान को लेकर नाराजगी दिखी थी।

मुरलीधरन ने पहले भी थरूर पर निशाना साधा था

इससे पहले भी मुरलीधरन थरूर पर निशाना साध चुके हैं, हाल ही में जब कांग्रेस सांसद ने एक सर्वे सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें उन्हें केरल में कांग्रेस गठबंधन का सबसे पॉपुलर सीएम चेहरा बताया था, इस पर मुरलीधरन ने कहा था कि थरूर को पहले यह तय करना चाहिए कि वे किस पार्टी से हैं।

थरूर ने कहा था- देश के लिए मिलकर काम करना चाहिए

थरूर ने 19 जुलाई को कहा था कि जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं। यही सबसे बड़ी दिक्कत है। राजनीति में मुकाबला चलता रहता है, लेकिन मुश्किल वक्त में सभी को एकजुट होना चाहिए।

भट्टी ने विकास और सामाजिक कल्याण के प्रति तेलंगाना के संतुलित दृष्टिकोण की प्रशंसा की

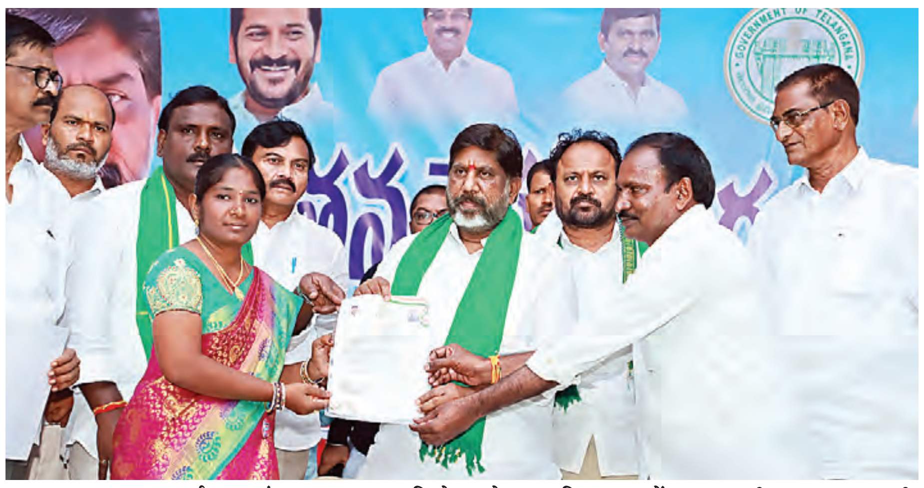

खम्मम, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राशन कार्ड खाद्य सुरक्षा का प्रतीक हैं और तेलंगाना में लगभग 93 लाख परिवार इनसे लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में विकास और कल्याण रथ के दो पहियों की तरह साथ-साथ चल रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को नए राशन कार्ड वितरण के दौरान खम्मम जिले के मधिरा विधानसभा क्षेत्र के बोनाकल मंडल मुख्यालय में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा सरकार में न केवल सबसे गरीब बल्कि आर्थिक रूप से पिछड़े मध्यम वर्गीय परिवारों को भी राशन कार्ड जारी किए जा रहे हैं। राज्य के 1.15 करोड़ परिवारों में से 93 लाख परिवारों को राशन कार्ड जारी किए जा चुके हैं और उन्हें सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत सब्सिडी वाला बढ़िया चावल मिल रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि प्रत्येक परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को प्रति माह छह किलोग्राम उत्तम चावल उपलब्ध कराया जा रहा है, जो भारत के इतिहास में एक रिकॉर्ड है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लाभार्थियों की संख्या और वितरित उत्तम चावल की मात्रा, दोनों ही दृष्टि से, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में तेलंगाना देश में एक आदर्श राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि कई नवविवाहित जोड़े और अन्य लोग, जिन्होंने राशन कार्ड में नाम जुड़वाने, नाम जुड़वाने और बदलाव करवाने के लिए दस साल से ज़्यादा समय तक इंतज़ार किया, अतीत में निराश हुए थे। लेकिन अब, नए प्रशासन के तहत, यह लंबा इंतज़ार आखिरकार खत्म हो गया है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि अकेले मधिरा निर्वाचन क्षेत्र में, एक ही दिन में 13,767 नए लाभार्थियों को राशन कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जो बेहद संतोषजनक बात है। उपमुख्यमंत्री ने राशन कार्ड जारी करने की निरंतर प्रक्रिया की उपेक्षा करने के लिए पिछली संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि नई जनता की सरकार के सत्ता में आने के बाद, राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया तुरंत फिर से शुरू कर दी गई। सरकार न केवल कल्याणकारी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है, बल्कि बड़े पैमाने पर विकास कार्यक्रम भी लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि कल्याण और विकास रथ के दो पहियों की तरह आगे बढ़ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सड़क एवं भवन विभाग ने राज्य भर में 20,000 करोड़ रुपये के सड़क विकास कार्य शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए यंग इंडिया आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं और उन्हें सुलभ बनाया जा रहा है।

आसिफनगर में व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या, रंजिश का संदेह

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर स्थित राहत होटल के पास रविवार आधी रात को अज्ञात लोगों ने 35 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोहम्मद कबुल्ला उर्फ अद्दू खान के रूप में हुई है। कथित तौर पर किसी विवाद के बाद उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, कबुल्ला कुछ परिचितों के साथ शराब पी रहा था, तभी हमलावरों ने उसका सामना किया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद उस पर हमला कर उसकी हत्या कर दी गई।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचना दी। आसिफनगर पुलिस कुछ ही देर बाद घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से सुराग जुटाए गए हैं और इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जाँच की जा रही है। हत्या का कारण पूर्व रंजिश होने का संदेह है। जाँचकर्ताओं का मानना है कि पीड़ित हमलावरों को जानता होगा और उनके साथ घटनास्थल पर पहुँचा होगा। संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं और आस-पास के सभी पुलिस थानों को सतर्क कर दिया गया है।

खाद्य विषाक्तता की घटना पर अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर अभिभावकों ने जताया रोष

मंचेरियल, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल स्थित एक सरकारी छात्रावास में कीड़ों से भरा खाना खाने से कथित तौर पर बीमार पड़े तीन छात्रों के अभिभावकों ने सोमवार को अधिकारियों पर घटना को दबाने का आरोप लगाते हुए रोष व्यक्त किया। छात्रों का सरकारी सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। मीडिया से बात करते हुए, अभिभावकों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जानबूझकर कक्षा आठ की छात्रा थारुनी और कक्षा छह की दो छात्राओं, अलकनंदा और रेवंती, के साथ हुए फ़ूड पॉइज़निंग की घटना को छुपाया। ये सभी छात्राएँ आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा संचालित एक छात्रावास में परोसे गए भोजन को खाने के बाद बीमार पड़ गईं।

सीएम ने उद्योग जगत की माँगों के अनुरूप पाठ्यक्रम डिज़ाइन की वकालत की

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को ऐसे उपाय लागू करने के निर्देश दिए हैं जो पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाएँ। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सचिवालय में तेलंगाना राइजिंग-2047 पहल के तहत उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) के विकास और प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक बुलाई। इस बैठक के दौरान, उन्होंने अधिकारियों से एटीसी के विकास और निर्माण के बारे में नवीनतम जानकारी मांगी। मुख्यमंत्री ने इन विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए अधिकारियों की तत्परता पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि तेलंगाना में 111 एटीसी (उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र) स्थापित किए जाने हैं, जिन्हें तीन चरणों में विभाजित किया जाएगा: चरण 1 में 25, चरण 2 में 40 और चरण 3 में 46। उन्होंने बताया कि चरण 1 और 2 में 49 एटीसी पहले ही पूरे हो चुके हैं। हालाँकि, रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो, तो एटीसी के निर्माण में तेजी लाने के लिए अनुभवी निर्माण कंपनियों के साथ सहयोग किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जीनोम वैली में एक आदर्श एटीसी स्थापित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि वहाँ फार्मास्यूटिकल, जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान क्षेत्रों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। अधिकारियों को एक अत्याधुनिक केंद्र के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि आवंटन की योजना सहित प्रस्तावों का मसौदा तैयार करने का भी काम सौंपा गया।

राज्य के दो हथकरघा कारीगरों को केंद्र से पुरस्कार

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हथकरघा एवं वस्त्र मंत्रालय ने हथकरघा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रतिभा दिखाने वालों के लिए वर्ष 2024 के हथकरघा पुरस्कारों की घोषणा की है। इस वर्ष, केंद्र ने 24 लोगों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की है, जिनमें पाँच संत कबीर पुरस्कार और 19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार शामिल हैं। हथकरघा पुरस्कारों के लिए कुल 19 लोगों का चयन किया गया है, जिनमें से दो तेलंगाना राज्य से चुने गए हैं। युवा हथकरघा श्रेणी में पवन कुमार और विपणन श्रेणी में गजम नर्मदा (नरेंद्र हथकरघा) कोठापेट को राज्य से पुरस्कारों के लिए चुना गया है। ये पुरस्कार 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह के अवसर पर 7 अगस्त को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाएँगे। उल्लेखनीय है कि दोनों पुरस्कार विजेता यदाद्री भुवनगिरी जिले के नारायणपुरम मंडल के पुट्टपका से हैं। गुडा पवन ने रेशम के धागे में प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करके जीआई टैग वाली तेलिया रुमाल डिज़ाइन वाली रेशमी साड़ी बुनी है। ये साड़ियाँ प्राचीन परंपरा को दर्शाती हैं और मुलायम, बिना झुर्रियों वाले डिज़ाइन से बनी हैं। वहीं, पुट्टपका गाँव की गजम नर्मदा हैदराबाद में नरेंद्र हैंडलूम्स नाम से हथकरघा का कारोबार करती हैं। हथकरघों की बिक्री से उनका सालाना कारोबार 8 करोड़ रुपये का है। इसी के साथ, उन्हें केंद्र सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार, 2024 की मार्केटिंग श्रेणी में सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने गिग वर्कर्स के लिए कल्याण कोष की स्थापना का आह्वान किया

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को एक कल्याण कोष स्थापित करने और गिग वर्कर्स के लिए दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के उपायों को लागू करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सचिवालय में गिग वर्कर्स के कल्याण पर केंद्रित एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक के दौरान, रेवंत रेड्डी ने गिग वर्कर्स के लिए नीति के संबंध में कई सिफारिशें कीं और उचित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि गिग वर्कर्स से संबंधित व्यापक डेटा ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाए। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तावित गिग वर्कर नीति प्रस्तुत की। उन्होंने गिग वर्कर्स को कानूनी मान्यता प्रदान करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की और एक कल्याण बोर्ड के गठन का सुझाव दिया जिसमें सरकारी प्रतिनिधित्व शामिल हो।

भारी मात्रा में नकली नोट के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के आसिफ नगर संभाग के मेहदीपट्टनम पुलिस स्टेशन की सीमा में, हैदराबाद के श्रीराम नगर, फर्स्ट लेन्सर, रामालयम के पास नकली नोटों के दो डीलरों और विक्रेताओं को गिरफ्तार किया गया और दो लाख नकली नोट जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में अंसारी आफताब अज़ीमुद्दीन निवासी औरंगाबाद, महाराष्ट्र, आदिल हुसैन, निवासी लैंगर हाउस, हैदराबाद शामिल है। जबकि एक अन्य आरोपी आकाश निवासी औरंगाबाद जिला, महाराष्ट्र फरार है। पुलिस के अनुसार विश्वसनीय सूचना मिली थी कि दो आरोपी ज़रूरतमंद ग्राहकों को नकली नोट बेचने आए हैं, जो आकाश (फरार) से प्राप्त किए गए थे और श्रीराम नगर, रामालयम के पास इंतज़ार कर रहे थे। गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद, प्रथम लांसर ने पाया कि आरोपी नकली नोट बेचने की फिराक में थे। यह कार्रवाई जी. चंद्र मोहन, पुलिस उप आयुक्त, दक्षिण पश्चिम क्षेत्र, कृष्ण गौड़, अतिरिक्त पुलिस उप आयुक्त, बी. किशन कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, आसिफनगर संभाग की देखरेख में एस. मल्लेश, थाना प्रभारी, मेहदीपटनम पुलिस स्टेशन, जी. बाला कृष्ण, पुलिस निरीक्षक, मेहदीपटनम पुलिस स्टेशन की निगरानी में मेहदीपटनम पुलिस स्टेशन के उप निरीक्षकों और अपराध दल की सहायता से की गई।

विजयशांति ने लोगों से 'जय तेलंगाना' कहने और अंग्रेजी अभिवादन से बचने का किया आग्रह

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी और फिल्म अभिनेत्री विजयाशांति ने जनता से गुड मॉर्निंग या गुड इवनिंग कहने के बजाय जय तेलंगाना के साथ एक-दूसरे का अभिवादन करने का आग्रह किया है। उन्होंने रविवार को बोराबंडा में बोनालु उत्सव में भाग लेते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'कुछ निहित स्वार्थी तत्व तेलंगाना को फिर से लूटने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों को सतर्क रहना चाहिए और ऐसी ताकतों को राज्य में घुसने से रोकना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना लोगों के दिलों में बसता है।

विजयशांति ने कहा, 'हमें मुट्ठी बांधकर और गर्व के साथ 'जय तेलंगाना' कहकर एक-दूसरे का अभिवादन करना चाहिए और 'गुड मॉर्निंग' जैसे अभिवादन का उपयोग करना बंद कर देना चाहिए।' हाल के सप्ताहों में मंत्रियों सहित कई कांग्रेस नेताओं ने आधिकारिक कार्यक्रमों में 'जय तेलंगाना' का नारा लगाने पर जोर दिया है, हालांकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इससे परहेज किया है। पिछले महीने करीमनगर में आयोजित राज्य स्थापना दिवस समारोह के दौरान, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा था कि 'जय तेलंगाना' सिर्फ़ एक नारा नहीं है - यह एक भावना है और हर नागरिक की साँस है। उन्होंने कहा, 'यह हमारी पहचान, संघर्ष और स्वाभिमान का प्रतीक है।' कांग्रेस प्रतिनिधियों के बार-बार आग्रह के बावजूद, कुछ पार्टी नेता यह नारा लगाने से बच रहे हैं, जिसके कारण विभिन्न वर्गों से उनकी आलोचना हो रही है। विशेष रूप से, टॉलीवुड अभिनेता अल्लू अर्जुन और नंदमुरी बालकृष्ण - जो आंध्र प्रदेश के हिंदूपुर के विधायक भी हैं - ने गद्दार फिल्म पुरस्कार समारोह में रेवंत रेड्डी के साथ खड़े होकर 'जय तेलंगाना' का नारा लगाया था।

ईडी अधिकारियों ने सट्टेबाजी ऐप मामले में टॉलीवुड अभिनेताओं को नोटिस जारी किए

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ईडी अधिकारी सट्टेबाजी ऐप मामले में गहन जाँच कर रहे हैं। ईडी अधिकारियों ने सोमवार को सट्टेबाजी ऐप मामले में आरोपी हस्तियों को नोटिस जारी किए। ज्ञात हो कि पुलिस इस मामले में पहले ही कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इसी क्रम में, ईडी अधिकारियों ने अभिनेता दग्गुबाती राणा, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और मंचू लक्ष्मी प्रसन्ना को पूछताछ के लिए पेश होने के लिए नोटिस भेजा है। ईडी अधिकारियों ने नोटिस में कहा कि दग्गुबाती राणा 23 जुलाई, प्रकाश राज 30 जुलाई, विजय देवरकोंडा 6 अगस्त और मंचू लक्ष्मी प्रसन्ना 13 अगस्त को पूछताछ के लिए पेश हों। ईडी अधिकारियों ने पाया है कि ये लोग विदेशी सट्टेबाजी ऐप्स का प्रचार कर रहे थे। ईडी अधिकारी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दग्गुबाती राणा, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और मंचू लक्ष्मी प्रसन्ना की जाँच करेंगे। इस बात की जाँच की जाएगी कि किस तरह से मशहूर हस्तियों ने सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों से पैसे लिए। हैदराबाद और साइबराबाद पुलिस इस मामले में पहले ही मामले दर्ज कर चुकी है। ईडी अधिकारियों ने इन एफआईआर के आधार पर एक ईसीआईआर दर्ज की है। ईडी अधिकारियों का कहना है कि कई लोग सट्टेबाजी ऐप्स की ओर आकर्षित हुए क्योंकि मशहूर हस्तियों ने इनका प्रचार किया था। अधिकारियों को शिकायतें मिली हैं कि सट्टेबाजी ऐप्स में निवेश करके निर्दोष लोगों को ठगा गया है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है क्योंकि सट्टेबाजी ऐप्स के प्रभाव में कई लोग आत्महत्या कर चुके हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. eT-Bridges-WAT-11-2025, दिनांक : 15.07.2025

कार्य का नाम : 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मण्डल अभियन्ता / ब्रिज / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन KK-I एवं KK-II लाइन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर / ब्रिज / अरकु एवं सीनियर सेक्शन इंजीनियर / ब्रिज / जगदलपुर सेक्शन के अधीन ब्रिज कार्य के निष्पादन के लिए ब्रिज जोनल (Zonal) (स्टील कार्य) अनुबंध।

कार्य की आकलित लागत (रुपये में) : ₹ 1,01,05,305.50. EMD (रुपये में) : ₹ 2,00,500/-

पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 07.08.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम 10 दिन पहले वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता (ब्रिज), वाल्टियर

PR-378/Q/25-26

हरीश राव ने बीआरएस कार्यकर्ताओं से अभियान तेज करने को कहा

बीआरएस के पक्ष में सर्वेक्षण

सिद्दीपेट, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने बीआरएस कार्यकर्ताओं से सामूहिक रूप से काम करने और अपने अभियान को तेज करने का आग्रह किया, क्योंकि सर्वेक्षणों से संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी 31 जिला परिषदों में से 18 में जीत हासिल कर सकती है। सोमवार को गजवेल में पार्टी कैडर की एक विस्तारित बैठक को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि सिद्दीपेट जिले के 26 मंडलों में व्यापक रूप से काम करके जेडपीटीसी और एमपीपी की अधिकांश सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कांग्रेस सरकार की विफलताओं को जनता तक ले जाने का आह्वान किया। कांग्रेस पर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाते हुए हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 60,000 पदों को भरने का दावा कर रहे हैं, जबकि अभी तक केवल 12,000 भर्तियां ही हुई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनाव पूर्व वादों को पूरा करने में विफल रही है, जिसमें एक वर्ष में दो लाख नौकरियां देने का आश्वासन भी शामिल है। उन्होंने याद दिलाया कि के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार ने विभिन्न सरकारी विभागों में 1.68 लाख लोगों की भर्ती की थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस यूरिया, ऋण माफी, रैतु भरोसा भुगतान या अन्य लाभों का समय पर वितरण सुनिश्चित न करके किसानों का समर्थन करने में विफल रही है। पूर्व मंत्री ने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर उत्तम चावल के बोनस के भुगतान में देरी करने का भी आरोप लगाया, जिसका 1,200 करोड़ रुपये अभी भी बकाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ग्राम पंचायतों को कोई अनुदान भी जारी नहीं किया है। हरीश राव ने आगे कहा कि कांग्रेस पेंशन बढ़ाने में नाकाम रही है और हर महिला को दिए जाने वाले 2,500 रुपये के लाभ से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर सिद्दीपेट ज़िले को धन देने से इनकार कर रही है।

खिचड़ी में कीड़े: भद्राचलम में गुरुकुल प्रिंसिपल, वार्डन निलंबित

कोत्तागुडेम, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम स्थित तेलंगाना ट्राइबल वेलफेयर गुरुकुल गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल और वार्डन को शुक्रवार को छात्राओं को परोसे गए नाश्ते में कीड़े मिलने के बाद निलंबित कर दिया गया। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी (टीएसडब्ल्यूआरईआईएस) की सचिव के सीता लक्ष्मी द्वारा रविवार को जारी आदेश के अनुसार, कॉलेज की प्रिंसिपल ए पद्मावती और वार्डन बी राजेश्वरी को कर्तव्य में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है।

इस घटना के बाद लगभग 600 छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने खिचड़ी में कीड़े देखकर मामले को स्टाफ के ध्यान में लाया। एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के परियोजना अधिकारी बी राहुल ने बताया कि यह संक्रमण डीएम नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा आपूर्ति किए गए पुराने चावल (लगभग 19 क्विंटल) के कारण हुआ था। दूषित चावल गिरिजन सहकारी निगम (जीसीसी) को वापस कर दिया गया और उसकी जगह साफ चावल मंगवाया गया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी चूक को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, M Sangeetha, W/o, 14653899P, Hav, M Raghunandan, R/o, Dharmapuri Dist, Tamil Nadu, changed my name from M Sangeetha to Sangeetha M vide Affidavit dt 19.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

Khadi India

केंद्र सरकार की ग्रामोद्योग विकास योजना (जी.वी.वाई) के तहत प्रशिक्षण के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते है।

ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के कौशल और उनकी पारंपरिक उद्यमिता में सुधार एवं उनके लिए स्थायी रोजगार सृजित करने के लिए सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई)" कार्यान्वित की जाती है। इस योजना के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग आयोग ग्रामीण कारीगरों को उनकी उत्पादकता,आय,सहायता / सेवाएं बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, उन्नत उपकरण/टूलकिट/ मशीनरी आदि प्रदान किए जाएंगे।

निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वय वर्ष 18 से 55 वर्ष के बीच के लाभार्थी इन प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना का लाभ लेते हुए उद्यमिता शुरू करने के लिए सरकारी प्रमाणपत्र, उन्नत उपकरण / टूलकिट/ मशीनरी प्रदान की जाएगी। चयनित लाभार्थियों को प्रदान की गई मशीनरी, औजारों और उपकरणों के रखरखाव के लिए स्वसत्यापित अनुबंध जमा करना होगा। पुनर्वास/पुनर्स्थापन के लिए आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों / उग्रवादियों ,रक्षा कर्मियों और अर्ध-सैन्य बलों की विधवाओं / अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एस.सी और एस.टी) और उग्रवाद प्रभावित परिवारों आदि को प्राथमिकता दी जाएगी।

क्र.सं.	प्रशिक्षण का नाम	लाभार्थियों की संख्या	प्रशिक्षण के दिन	लाभार्थियों द्वारा योगदान		प्रशिक्षण में उपलब्ध करायी जाने वाली मशीनों का अनुमानित मूल्य (रुपयों में)
				SC/ST	अन्य श्रेणी	
1.	अगरबत्ती की तैयारी	10	10	10%	20%	1,20,000
2.	चर्म के जूतों की तैयारी	20	25	10%	20%	60,000
3.	जूतों की मरम्मत	100	01	10%	20%	3,350
4.	विद्युत कुम्हार चाक	200	10	10%	20%	18,000
5.	लकड़ी के उत्पादों का निर्माण (टर्ण वुड)	20	20	10%	20%	24,416
6.	पेपर प्लेट और दोना की तैयारी	20	06	10%	20%	2,00,000 (5 व्यक्तियों वाले समूह के लिए)
7.	घनी तेल की तैयारी	20	05	10%	20%	3,30,000 (10 व्यक्तियों वाले समूह के लिए)
8.	इलेक्ट्रीशियन	20	15	10%	20%	9,750
9.	मोबाइल रिपेयरिंग	20	15	10%	20%	14,000
	Total	430				

इच्छुक आवेदक अपना नाम, आयु, आधार नंबर, संपर्क नंबर, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव विवरण आदि दो पासपोर्ट फ़ोटो के साथ दिनांक **08.08.2025** तक निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं। योजना संबंधी विवरण सहित आवेदन फॉर्म अधिकारिक वेबसाइट **www.kvic.org.in** (जीवीवाई प्रशिक्षण) से भी डाउनलोड कर सकते हैं।

राज्य कार्यालय – तेलंगाना
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार ,
ए-ब्लॉक, निम्समे परिसर, रहमत नगर, यूसुफगुडा, हैदराबाद – 500 045
दूरभाष सं. 040- 24608464, ई मेल: sotelangana.kvic@gmail.com

स्थान : हैदराबाद
दिनांक 22.07.2025

ह./-
राज्य निदेशक

शारदा यूनिवर्सिटी में छात्रा के सुसाइड पर एससी की टिप्पणी

कहा-शिक्षा व्यवस्था में कुछ गड़बड़ है, आईआईटी खड़गपुर से भी मांगी रिपोर्ट

नोएडा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस छात्रा ज्योति शर्मा के सुसाइड का सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की बेंच ने इस पर अहम टिप्पणी की। कहा-शिक्षा व्यवस्था में कुछ गड़बड़ है। सुप्रीम कोर्ट ने शारदा यूनिवर्सिटी के अलावा आईआईटी खड़गपुर से भी छात्रों के सुसाइड पर रिपोर्ट मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी से पूछा- क्या मामलों की सूचना समय पर पुलिस को दी गई थी? क्या इस पर एफआईआर दर्ज की गई? इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। सीनियर एडवोकेट अपर्णा भट्ट को अमिकस क्यूरी नियुक्त कर कोर्ट को विस्तृत जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। 18 जुलाई को शारदा यूनिवर्सिटी की बीडीएस छात्रा ज्योति शर्मा ने सुसाइड कर लिया था। पुलिस ने बीडीएस बिल्डिंग को सील कर दिया है। प्रोफेसरों से पूछताछ की जा रही है। सुसाइड की घटना के बाद थर्ड ईयर के एग्जाम कैंसिल कर दिए गए। हालांकि, प्रबंधन ने जल्द ही नई तारीख घोषित करने की बात कही है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत आई सामने

छात्रा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण फंदे के कारण दम घुटना बताया गया है। पिता रमेश जांगड़ा ने इस मामले में डेंटल साइंस विभाग के डीन प्रो. (डॉ.) एम. सिद्धार्थ, विभागाध्यक्ष (एचओडी) प्रो. डॉ. आशीष चौधरी, प्रो. डॉ. अनुराग, एसोसिएट प्रो. डॉ. महिंदर सिंह चौहान, सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरभि, डॉ. सैरी वशिष्ठ पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। पुलिस ने मामले में सैरी वशिष्ठ और महिंदर सिंह चौहान को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

फोरेंसिक जांच के लिए भेजा सामान

पुलिस अधिकारी ने बताया- छात्रा के कमरे से बरामद लैपटॉप, डायरी और टैबलेट, मोबाइल को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा गया है। छात्रा के मोबाइल की डिटेल निकलवाई गई है। सोशल मीडिया और वॉट्सऐप चैट से भी यह पता लगाया जा रहा है कि सुसाइड से पहले छात्रा ने किससे और क्या बातें की थीं। घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट पर लिखी हैंडराइटिंग की जांच के लिए भी टीम बनाई गई है।

गंगनहर में बहते मिले चार शव, कांवड़ यात्रा के बीच हड़कंप

मेरठ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ के सरधना में कांवड़ यात्रा के बीच सोमवार को मेरठ जिले के सरधना क्षेत्र में गंगनहर में एक के बाद एक चार अज्ञात शव बहते हुए नजर आए। शवों को अटेरना पुलिस चौकी और सरधना गंगनहर पुल के पास देखा गया, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने जब शवों को गंगनहर में बहते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन थाना प्रभारी मौके पर आकर केवल भीड़ हटाकर चले गए, शवों को बाहर निकालने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पुलिस का यही रवैया पहले भी रहा है। पिछले सप्ताह भी मानपुरी गांव, सरधना पुल और अहमदाबाद के पास इसी तरह तीन शव गंगनहर में बहते हुए मिले थे, जिनका जिम्मा एक थाने से दूसरे थाने पर डालकर औपचारिकता निभा दी गई। अब लगातार शव मिलने और पुलिस की निष्क्रियता से जनता में भारी नाराजगी है।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व

मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियां, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं।

अद्यतन स्थिति के अनुसार, एक ओर जहां कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गर्वनमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है।

भूमि विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, पुलिस पर भी हुआ हमला; बुलेट में लगाई गई आग

नालंदा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। नालंदा जिले के एकंगरसराय थाना क्षेत्र के रक्शा गांव में सोमवार को भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और रोड़ेबाजी हुई। इस दौरान एक पक्ष ने गोली चलने का भी आरोप लगाया है, हालांकि पुलिस ने गोलीबारी की घटना से इनकार किया है। तनावपूर्ण स्थिति के बीच पुलिस पर भी हमला किया गया और एक बुलेट बाइक में आग लगा दी गई। गोली चलने और एक व्यक्ति की मौत की अफवाह फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।

घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल

घटना में रक्शा गांव निवासी हेमंत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले बिहारशरीफ के मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हेमंत ने खुद को एक राजनीतिक पार्टी का कार्यकर्ता बताया है।

रक्शा मोड़ के पास हुई झड़प

घायल हेमंत कुमार ने बताया कि रक्शा मोड़ के पास कुछ लोग जबरन उसकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। यह भूमि विवाद पिछले दो वर्षों से चल रहा है। उसने आरोप लगाया कि तीन लोग बुलेट बाइक से आए और गोलीबारी की। बाइक मौके पर ही पलट गई, जिसके बाद उसमें आग लग गई।

इकरा हसन से निकाह कबूल-कहने वाले पर एफआईआर

मुरादाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद इकरा हसन से निकाह कबूल कहने वाले करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र राणा पर मुरादाबाद में एफआईआर हुई। रविवार को महिला वकील सुनीता की शिकायत पर कटघर थाने में केस दर्ज कराया गया। उन्होंने कहा- योगेंद्र राणा का बयान सामाजिक सौहार्द, महिला सम्मान और मर्यादा के खिलाफ है। इससे एक महिला जनप्रतिनिधि की गरिमा को ठेस पहुंची है।

इधर, एफआईआर दर्ज होने पर योगेंद्र राणा ने कहा- मैं माफी नहीं मांगूंगा। आजम खान महिला सांसद के इनरवियर (अंतर्वस्त्र) का कलर बताएं तो जायज है। मैंने निकाह का प्रस्ताव दिया तो गुनाह हो गया? मुझे सीख देने वाले पूर्व सपा सांसद डॉ. एसटी हसन ने भरे मंच से एक महिला को तवायफ तक कहा था। उस वक्त नैतिकता और मर्यादा कहां गई थी, जब एक हिंदू महिला सांसद पर अभद्र और अश्लील टिप्पणी की जा रही थी? दरअसल, योगेंद्र राणा ने 19 जुलाई को वीडियो जारी कर इकरा हसन पर अभद्र टिप्पणी की थी। कहा था- मैं इकरा हसन से निकाह कबूल फरमाता हूं, वह भी कबूल करें। वह मुस्लिम धर्म अपनाए रखें, मेरे घर में नमाज पढ़ें। हालांकि, विवाद बढ़ता देख दो घंटे बाद राणा ने ये पोस्ट डिलीट कर दी। उनके इस बयान पर अखिलेश यादव और डॉ. एसटी हसन भड़क गए थे।

इंस्पेक्टर बोला-भागने का रास्ता नहीं मिलेगा नाम जान लो मेरा

कानपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। नपुर में बिजली के लिए धरने पर बैठे ग्रामीणों को इंस्पेक्टर ने धमकाया। कहा-भागने का रास्ता नहीं मिलेगा, रोज ही भागोगे बिना लाइट के लिए बता दे रहा हूं, नाम जान लो।

300 ग्रामीणों के खिलाफ हाईवे जाम करने की कोशिश करने का मामला दर्ज किया है। मामला शनिवार देर रात सचेंडी सबस्टेशन का है। इसका वीडियो आज सामने आया है। मामले पर समाजवादी पार्टी ने तंज कसा। एक्स पर लिखा-अब बीजेपी सरकार में बिजली मांगना भी अपराध है।

'राहुल गांधी को पाकिस्तान की ज्यादा फिक्र'

केशव मौर्य बोले-ऑपरेशन सिंदूर पर कराह रहा गांधी परिवार

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी सरकार में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स के माध्यम से कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भारत की कम, पाकिस्तान की फिक्र ज्यादा रहती है। तभी ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का बार-बार अपमान कांग्रेस इसलिए करती है, ताकि पाकिस्तान को खुश किया जा सके। दरअसल, सत्ता की बेदखली ने कांग्रेस की मति मार दी है। इसलिए वह दुनिया के ऐसे भ्रमित नेताओं की ओट लेने को मजबूर है, जो अपने बयानों पर स्थिर नहीं रहते हैं। राहुल गांधी की तरह वह भी अस्थिर चित्त वाले हैं। सच यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने केवल पाकिस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया के उन नेताओं की भी नींद उड़ा दी है, जो अपने को तुर्रमखां समझते थे।

सड़कों पर कांवड़ियों का हुजूम, जलाभिषेक के साथ मंदिरों में गूंजा हर-हर महादेव

मुरादाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सावन के दूसरे सोमवार को मुरादाबाद में तड़के से ही शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह चार बजे से शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालु लंबी कतारों में खड़े होकर जलाभिषेक करते नजर आए। बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे।

मुरादाबाद में सावन के दूसरे सोमवार को तड़के से ही श्रद्धा और भक्ति का माहौल दिखने लगा। सुबह चार बजे से ही शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे। भक्तों ने जल, दूध, बेलपत्र और पुष्प अर्पित कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। जगह-जगह कांवड़ियों और शिवभक्तों के स्वागत के लिए शिविर भी लगे रहे। सुरक्षा और व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

डाक कांवड़ियों का सैलाब

हरिद्वार और ब्रज जाने वाले कांवड़ियों की संख्या शहर के विभिन्न सड़कों पर बढ़ गई है। दिल्ली और कांठ रोड पर पैदल कांवड़ के बाद अब डाक कांवड़ियों का सैलाब दिखाई दे रहा है। अगले पांच दिनों तक दिल्ली और कांठ रोड शिवभक्तों से गुलजार रहेगा।

वहीं, कुछ शिवभक्त गंगाजल लेकर मंदिरों की ओर बढ़ने लगे। सावन माह में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त विभिन्न प्रकार के झांकी के साथ गंगाजल लेने जा रहे हैं। रविवार को एक विशाल शिव कांवड़ ने शिवभक्तों और राहगीरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसकी सजावट की गई थी। कांवड़ यात्रियों ने इसे विशेष रूप से तैयार किया था। इस कांवड़ को फूलों, झालरों और धार्मिक प्रतीकों से सजाया गया था। कांवड़ को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का सड़क पर जमावड़ा लगा रहा।

प्रेग्नेंट महिला से कराई उठक-बैठक

पति ने मालिक की दुकान छोड़ी, तो घर में घुसकर लाठी-डंडों से पीटा; एफआईआर

गोरखपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर में युवक को घर में घुसकर लाठी-डंडों से पीटा। इतना नहीं बचाने आई गर्भवती पत्नी को धक्का दिया। उससे 25 बार उठक-बैठक कराई। इससे पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। पति के शरीर पर कई चोट के निशान हैं। इस पर रविवार को पति ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी रतन भारद्वाज और कुश शर्मा पर एफआईआर दर्ज कर ली है। ये मामला गोला थाना क्षेत्र का है।

आरोपी दुकान छोड़ने से नाराज थे कौवाडील गांव निवासी शिवम शर्मा (24) ने पुलिस को तहरीर दी। उसमें बताया-हम अपने गांव के ही रतन भारद्वाज के मसाले की दुकान पर काम करते हैं। हमें सैलरी के रूप में 7 हजार रुपए मिलते हैं। इतने पैसे से घर खर्च चलाना मुश्किल है। जिसके कारण हमने 10 दिन पहले दुकान मालिक से काम छोड़ने के लिए कह दिया था। 18 जुलाई की शाम 7 बजे दुकान रतन भारद्वाज और कुश शर्मा मेरे घर आए। मुझे लात-मुक्का, लाठी-डंडा, ईंट व बेल्ट से पिटाई करने लगे। इससे हमें गंभीर चोटें आई। रात तकरीबन 9:30 बजे मारपीट करने वाले लोग हमारे घर फिर आए। हमें जबरदस्ती गोला ले जा रहे थे। तब हमारी प्रेग्नेंट पत्नी खुशबु ने हाथ पकड़कर जाने से मना कर दिया। उसे भी धक्का देकर गिरा दिया। जिससे वह भी चोटिल हो गई। रतन ने मेरी पत्नी से उठक बैठक कराई। मेरी पत्नी को मारा-पीटा। इससे पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। पिता (75) रामनाथ शर्मा भी बेटे को छोड़ने की गुहार लगाते रहे। आरोपियों ने अनसुना कर दिया। घटना से पूरा परिवार में दहशत में आ गया।

बेटे के प्रेम विवाह की रंजिश में पिता की हत्या

मधुबनी, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मधुबनी के ब्रहमोतरा गांव में प्रेम विवाह की रंजिश ने एक पिता की जान ले ली। सोमवार रात को गौतम ठाकुर ने संतोष मंडल (45) के घर में घुसकर उनके सीने में गोली मार दी। परिजन संतोष को मधुबनी सदर अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही पंडौल थानाध्यक्ष नदीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। घटना का कारण छह महीने पहले का प्रेम विवाह है। मृतक के बेटे पंकज कुमार मंडल ने गौतम की बहन लक्ष्मी से मंदिर में शादी कर ली थी। इसके बाद दोनों घर से भाग गए थे।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

पीलीभीत का आरोपी दिल्ली में मुकेश बनकर रह रहा था, एसटीएफ ने पकड़ा

पीलीभीत, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पीलीभीत पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 50 हजार के इनामी अपराधी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी मनोज कुमार भारती पीलीभीत के अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम पिंजरा वमनपुरी का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। 20 जुलाई 2025 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने दिल्ली के उत्तमनगर में होटल त्वमेव से आरोपी को पकड़ा। वह वहां मुकेश के नाम से रह रहा था।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसके खिलाफ पीलीभीत के अमरिया थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामले दर्ज हैं। उस पर धारा 420, 467, 468, 471, 506 और 209 बीएनएस के तहत मुकदमे चल रहे हैं। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। तलाशी में आरोपी के पास से 1450 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है। अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम भैया ने पुलिस लाइन में इस गिरफ्तारी का खुलासा किया।

गयाजी में राहुल गांधी बनवा रहे दशरथ मांझी का घर

कांग्रेस नेता ने परिवार के साथ सत्तू पीने का किया था वादा, गृह प्रवेश में खुद आएंगे

गया, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गयाजी में पहाड़ काट कर रास्ता बनाने वाले दशरथ मांझी के परिवार की जिंदगी अब बदल रही है। यह बदलाव किसी योजना या सरकार की वजह से नहीं हो रही है। बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पहल से हो रहा है।

राहुल गांधी ने गहलौर गांव में दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी के लिए पक्का घर बनवाने का जिम्मा खुद उठाया है। घर बन कर तैयार होने के बाद राहुल गांधी खुद गृह प्रवेश में आएंगे और परिवार के साथ सत्तू पीने का उन्होंने वादा भी किया हैं।

पिछले महीने राहुल गांधी गया आए थे। उस दौरान उन्होंने दशरथ मांझी के परिवार से मुलाकात की थी। मिट्टी के घर में बैठ कर भगीरथ मांझी से बातें कीं थी। उन्होंने परिवार की स्थिति जानी। लेकिन तब उन्होंने कुछ नहीं कहा।

गया से लौटने के कुछ दिन बाद उनके लोग गांव पहुंचे। घर का सर्वे किया और परिवार से पूछा कि कितने कमरे चाहिए। मांझी परिवार को तब भी अंदाजा नहीं था कि राहुल गांधी कुछ बड़ा करने जा रहे हैं।

घर बनाने का काम हुआ शुरू

कुछ दिन बाद सूचना आई कि राहुल गांधी खुद उनके लिए घर बनवा रहे हैं। फिर गांव में सासाराम के ठेकेदार और कारीगर पहुंचे और घर बनाने का काम शुरू हो गया। एक कट्ठा जमीन पर चार कमरों का पक्का घर बन रहा है। घर में बड़ा किचन और बाथरूम भी बनाया जा रहा है। पहले से बने आधे अधूरे दो पक्के कमरों के मकान को जोड़ कर बाकी कमरों का निर्माण तेजी गति से चल रहा है। छत की ढलाई हो चुकी है। अब बाउंड्री और फिनिशिंग का काम बाकी है। बताया जा रहा है कि घर में टाइल्स, मार्बल और बेड भी लगाए जाएंगे। लेकिन इस बात की पुष्टि फिलहाल नहीं ही सकी है। क्योंकि मौके पर न तो मार्बल है और न ही टाइल्स है।

भगीरथ मांझी बताते हैं कि परिवार बड़ा है। पहले जो मिट्टी का घर था, वह छोटा पड़ता था। साल 2020 में सरकार की ओर से कॉलोनी भी मिली थी। दो कमरे का पक्का मकान बनवाया गया था पर उससे भी काम नहीं चला, क्योंकि परिवार बड़ा है। लेकिन अब राहुल गांधी जो घर बनवा रहे हैं। वैसा बनाने की हिम्मत वे सपने में भी नहीं कर सकते थे।

अफसरों से लगाई थी गुहार

भगीरथ कहते हैं कि हम गरीब लोग हैं। कई बार स्थानीय अफसरों से पक्का घर बनाने की गुहार लगाई थी। लेकिन, किसी ने नहीं सुना। कई नेता और अभिनेता घर आए।

आगरा धर्मांतरण का मास्टरमाइंड दिल्ली से अरेस्ट

आगरा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा में 2 लड़कियों के धर्मांतरण की जांच 6 देशों तक पहुंची। बड़े खुलासे के बाद आगरा पुलिस ने दिल्ली से अब्दुल रहमान कुरैशी को अरेस्ट किया। अब्दुल को धर्मांतरण के पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। वह खुद भी हिंदू था, नाम महेंद्र पाल था। पहले 1990 में ईसाई धर्म में कन्वर्ट हुआ, फिर इस्लाम धर्म अपनाया और नाम अब्दुल रहमान रखा। अब्दुल की गिरफ्त से रोहतक (हरियाणा) की एक लड़की को भी छुड़ाया गया है। जिसका धर्मांतरण होना था। अब्दुल के घर से कई किताबें मिली हैं, इनमें धर्म परिवर्तन कैसे करें? क्या नियम होते हैं? इसके फायदे...बताए गए हैं। आगरा में इस पूरे नेटवर्क को लेकर पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

चंदन मिश्रा हत्याकांड के चारों आरोपी पटना लाए गए

टोल पर लगा जाम, कुछ देर के लिए रुकीं गाड़ियां

जहानाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। चर्चित चंदन मिश्रा हत्याकांड के चारों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को कोलकाता से सड़क मार्ग द्वारा पटना लाया गया। इस दौरान एसटीएफ और पटना पुलिस की टीम आरोपियों को लेकर जहानाबाद के रास्ते गुजर रही थी। जैसे ही एसटीएफ की गाड़ी जहानाबाद फोरलेन स्थित टोल टैक्स पर पहुंची, वहां अचानक जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई और काफिले को कुछ देर रुकना पड़ा।

इसके बाद आरोपियों को ले जा रही काली स्कॉर्पियो समेत सभी गाड़ियां आगे बढ़ीं। पटना जिले की सीमा पर स्थित तिनेरी में उत्पाद विभाग के बैरियर पर सभी गाड़ियों को रोका गया और तलाशी ली गई। इसी दौरान पुलिस ने पत्रकारों की गाड़ी को रोक दिया, जबकि एसटीएफ की गाड़ियों को आगे बढ़ा दिया गया। इससे नाराज पत्रकारों और पुलिस के बीच कुछ देर तक हल्की नोकझोंक भी हुई। इस बीच एसटीएफ की टीम चारों आरोपियों को लेकर पटना की ओर निकल गई।

जानकारी के अनुसार, 17 जुलाई को पारस अस्पताल में गैंगस्टर चंदन मिश्रा की गोली मारकर हत्या करने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। पटना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने कोलकाता के आनंदपुर स्थित एक गेस्ट हाउस से इन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस को इन आरोपियों की 48 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिली है। चारों आरोपियों में मुख्य शूटर तौसीफ उर्फ 'बादशाह', निशु खान, हर्ष कुमार और भीम कुमार शामिल हैं। सभी को पटना के छज्जूबाग स्थित पुलिस लाइन में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या की साजिश पुरुलिया जेल में बंद गैंगस्टर शेरू ने रची थी। उसने अपने गुर्गों के जरिए तौसीफ को 10 लाख रुपये की सुपारी दी थी। इस साजिश में निशु ने भी मदद की थी, जो पहले गोली लगने के कारण लकवाग्रस्त बताया जा रहा है। पुलिस इन तमाम पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। गौरतलब है कि बक्सर निवासी कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा की 17 जुलाई की सुबह पटना के पारस अस्पताल में आईसीयू के पास हथियारबंद बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

40 मिनट तक हवा में चक्कर लगाने के बाद तिरुपति लौटा इंडिगो का विमान

तकनीकी खराबी के बाद लिया यू-टर्न

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हैदराबाद जाने वाले इंडिगो के एक विमान में कथित तौर पर कुछ तकनीकी खराबी आ गई। इस वजह से वह लगभग 40 मिनट तक हवा में चक्कर लगाता रहा। बाद में विमान सुरक्षित तिरुपति लौट आया। एयरबस A-321neo नाम यह विमान तिरुपति हवाई अड्डे से शाम लगभग 7:42 बजे रवाना हुआ था। यह करीब 8:34 बजे अपने मूल स्थान पर लौट आया।

तिरुपति के वेंकटगिरी शहर पहुंचकर यू-टर्न लिया

यह जानकारी हवाई यातायात ट्रैकिंग वेबसाइट से मिली। इससे पता चलता है कि विमान 6E-6591 ने तिरुपति के वेंकटगिरी शहर पहुंचकर यू-टर्न लिया और इसके बाद यह लगभग 40 मिनट तक हवा में चक्कर लगाता रहा। फिर यह तिरुपति हवाई अड्डे पर लौट आया।

अब तक आधिकारिक बयान जारी नहीं

इंडिगो की वेबसाइट के अनुसार, यह उड़ान तिरुपति से शाम 7:20 बजे रवाना होनी थी। इसके रात 8.30 बजे हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद थी। यह कथित तौर पर उस दिन हैदराबाद जाने वाली आखिरी निर्धारित उड़ान थी। हालांकि, बाद में इसे रद्द कर दिया गया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में यात्रियों को एयरलाइन के कर्मचारियों के साथ समय-सारिणी बदलने को लेकर बहस करते हुए दिखाया गया। एयरलाइन ने अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

इंडिगो ने क्या कहा?

इंडिगो ने सोमवार को मामले पर बयान जारी किया। इंडिगो प्रवक्ता ने बताया कि 20 जुलाई को तिरुपति से हैदराबाद के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6E-6591 में एक मामूली तकनीकी खराबी पाई गई। एहतियात के तौर पर पायलटों ने विमान को वापस मोड़कर तिरुपति में सुरक्षित रूप से उतारने का फैसला किया। विमान का संचालन फिर से शुरू करने से पहले आवश्यक जांच की जाएगी। सभी प्रभावित यात्रियों को उनकी पसंद के अनुसार अगली उपलब्ध उड़ानों में स्थानांतरित कर दिया गया है या रद्दीकरण पर पूरा रिफंड दिया गया है।

मुंबई हवाई अड्डे पर टला बड़ा हादसा
एअर इंडिया का विमान रनवे से आगे निकला

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कोच्चि से आ रहा एअर इंडिया का एक विमान सोमवार सुबह मुंबई हवाई अड्डे पर रनवे से आगे निकल गया। इसके बाद विमान को जांच के लिए रोक दिया गया। एक एयरलाइन प्रवक्ता ने बताया कि विमान को सुरक्षित रूप से टैक्सी कर दिया गया है। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य उतर गए हैं।

प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, '21 जुलाई, 2025 को कोच्चि से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली उड़ान संख्या AI2744 की लैंडिंग के दौरान भारी बारिश हुई। इस वजह से लैंडिंग के बाद विमान रनवे से बाहर निकल गया। बाद में विमान सुरक्षित रूप से गेट तक टैक्सी कर गया। सभी यात्री तथा चालक दल के सदस्य सुरक्षित उतर गए हैं।' सूत्रों के मुताबिक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की एक टीम स्थिति का आकलन कर रही है। विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 'विमान को जांच के लिए रोक दिया गया है। यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

हार्ट अटैक से जवान की मौत, एक महीने पहले ही हुई थी शादी

देहरादून, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गढ़वाल राइफल्स में तैनात 26 वर्षीय फौजी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। फौजी की एक महीने पहले ही शादी हुई थी। जिस घर में अभी-अभी खुशियां का माहौल था, वहां सन्नाटा पसर गया। लोकेंद्र प्रताप, पुत्र भगत सिंह, गांव कटाखोली (पोस्ट नवाखाल), श्रीनगर पौड़ी निवाली आठ साल पहले ही सेना में भर्ती हुए थे। लोकेंद्र हाल ही में गब्बर सिंह कैंप कौड़िया में ट्रेनिंग पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि रात 11:30 बजे तक उन्होंने परिजनों से बातचीत की थी।

संपत्तिधारकों को सनद पाने के वित्तीय बोझ से मिलेगी मुक्ति

अनुमानित 25 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

गांधीनगर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। स्वामित्व योजना के अंतर्गत गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों के संपत्ति धारकों को उनकी रिहायशी संपत्ति यानी मकानों के मालिकाना हक को दर्शाने वाली 'सनद' (स्वामित्व प्रमाण पत्र) निःशुल्क दी जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के संपत्ति धारकों पर सनद प्राप्त करने के लिए जो वित्तीय बोझ पड़ता था, उसे दूर करने के लिए संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ यह निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों के संपत्ति धारकों को प्रॉपर्टी कार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना शुरू की है। 'ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ गांवों की आबादी का सर्वेक्षण और मानचित्रण' (स्वामित्व) योजना के अंतर्गत ड्रोन टेक्नोलॉजी के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों के आबादी वाले क्षेत्रों की संपत्तियों का ड्रोन सर्वेक्षण कर ग्रामीण लोगों को संपत्ति कार्ड प्रदान किए जाते हैं। ऐसे संपत्ति कार्ड की पहली प्रति संपत्ति धारकों को निःशुल्क प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भूमि राजस्व अधिनियम 1879 के प्रावधान के अनुसार संपत्ति धारकों से 200 रुपए का सर्वेक्षण शुल्क लेकर दी जाने वाली सनद यानी स्वामित्व प्रमाण पत्र अब ग्रामीण संपत्ति धारकों को निःशुल्क प्रदान करने का निर्णय किया है। उनके इस निर्णय के परिणामस्वरूप अब राज्य में 'स्वामित्व' योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के संपत्ति धारकों को प्रॉपर्टी कार्ड की प्रति के अलावा उनके रिहायशी मकान के मालिकाना अधिकार को दर्शाने वाली 'सनद' भी निःशुल्क मिलेगी। गुजरात सरकार राज्य में इस प्रकार की अनुमानित 25 लाख ग्रामीण संपत्तियों की सनद वितरण के लिए 50 करोड़ रुपए का वित्तीय बोझ वहन करेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ग्रामीण क्षेत्रों के अदने, गरीब और मध्यमवर्गीय संपत्ति धारकों को सनद प्राप्त करने के लिए 200 रुपए के शुल्क से मुक्ति देने के इस संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ न केवल ग्रामीण नागरिकों के लिए उनकी संपत्ति के अधिकार को दर्शाने वाली सनद प्राप्त करना आसान बना दिया है, बल्कि 'ईज ऑफ लिविंग' को भी साकार किया है।

बादल फटने से दंपती की मौत
राज्य की 470 सड़कें बाधित

चम्बा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बीती रात से लगातार जारी भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जगह-जगह भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। राज्य में सोमवार सुबह 10:00 बजे तक दो नेशनल हाईवे सहित 470 सड़कें बाधित रहीं। इसके अतिरिक्त 1199 बिजली ट्रांसफार्मर व 676 जल आपूर्ति योजनाए प्रभावित हैं। मंडी जिले में सबसे अधिक 310 सड़कें व 390 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हैं। चंबा की चड़ी पंचायत में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। मलबे की चपेट में आने से मकान गिर गया और अंदर मौजूद पति-पत्नी की इसकी चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पल्लवी पत्नी सन्नी और सन्नी के रूप में हुई है। महिला पति के साथ मायके आई थी और इसी दौरान यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और प्रशासन को भी सूचित किया।

वैष्णो देवी जाने वाले पुराने मार्ग पर भूस्खलन, चार तीर्थयात्री घायल

जम्मू, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने मार्ग पर सोमवार को भूस्खलन हो गया। चपेट में आने चार तीर्थयात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह भूस्खलन त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा शहर में हुई भारी बारिश के कारण हुआ है।

जुआ खेलते आप पार्षद सहित सात गिरफ्तार
मिले 4.35 लाख रुपये, भाजपा ने तुरंत दागी 'मिसाइल'

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बाहरी उत्तरी जिला के स्वरूप नगर इलाके में पुलिस ने एक कार्यालय में जुआ खेल रहे आम आदमी पार्टी के एक निगम पार्षद जोगिंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। साथ ही महिला समेत छह अन्य को भी पकड़ा है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है। मामले में पुलिसकर्मी की ओर से प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी के अनुसार शनिवार शाम को कादीपुर गांव स्थित एक कार्यालय में जुआ खेले जाने की जानकारी मिली। टीम ने उस कार्यालय पर छापेमारी की। वहां सात पुरुष और एक महिला ताश के पत्तों से जुआ खेलते हुए दिखाई दिए। पुलिस को देखकर संदिग्धों ने नकदी और ताश के पत्ते छिपाने की कोशिश करने लगे। लेकिन पुलिस टीम ने सभी को काबू में कर लिया। इस दौरान एक आरोपी वहां से भागने में कामयाब हो गया। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने छापेमारी की पुष्टि की है। छानबीन के दौरान पुलिस को 4.35 लाख रुपये, ताश के पत्तों के दो बंडल और अन्य सामान मिले। पूछताछ में पता चला कि निगम पार्षद यहां अन्य लोगों के साथ जुआ खेल रहे थे। पुलिस इनसे पूछताछ कर पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह कार्यालय किसका है और यहां जुआ अड्डा चलाया जा रहा है या नहीं।

समय-पूर्व मानसून से तबाही

हिमाचल-उत्तराखंड में 100 लोगों की मौत

> कई राज्यों में बाढ़, नदियां उफान पर

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल जल्दी आने वाला मानसून देश के कई हिस्सों के लिए आफत लेकर आया है। देशभर में भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन की कई घटनाएं हो चुकी हैं जिनमें व्यापक जानमाल का नुकसान हुआ है।

आगे भी मूसलाधार बारिश जारी रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में अब तक औसत से 6 फीसदी अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है। हालांकि कुछ इलाकों में बारिश सामान्य से 40 फीसदी तक अधिक रही तो कहीं अभी भी सामान्य से काफी कम है जिससे असमानता और संकट दोनों की स्थिति बनी हुई है।

इन राज्यों में सबसे अधिक नुकसान

सबसे अधिक नुकसान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम, महाराष्ट्र और गुजरात में हुआ है। हिमाचल और उत्तराखंड में लगातार भूस्खलन, बादल फटने और मूसलधार बारिश से सैकड़ों गांव प्रभावित हुए हैं, 100 से अधिक लोगों की जान गई है और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। असम में ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों के उफान के कारण लाखों लोग बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। महाराष्ट्र और गुजरात के कई जिलों विशेषकर कोल्हापुर, नासिक और सौराष्ट्र में भारी वर्षा और जलजमाव ने न केवल जनजीवन को ठप कर दिया है, बल्कि कृषि और बुनियादी ढांचे को भी व्यापक क्षति पहुंचाई है।

नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं

गुजरात में सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों में जून महीने में ही सामान्य से 300 फीसदी अधिक बारिश हो चुकी है। इन राज्यों में अब तक राहत और बचाव कार्यों में एनडीआरएफ और सेना की मदद ली जा रही है। बिहार और उत्तर प्रदेश में मानसून का असर असंतुलित रहा है। बिहार के सात जिलों में गंगा, कोसी और उनकी सहायक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं जिससे पटना समेत कई जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्रों में सामान्य से 45 फीसदी कम वर्षा हुई है, जिससे खरीफ फसलों की बुआई और विकास पर बुरा असर पड़ा है। झारखंड और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र इस बार अतिवृष्टि की मार झेल रहे हैं। खेतों में जलजमाव से बुआई रुकी हुई है। देशभर में भारी बारिश के बावजूद कुछ इलाके पानी के लिए तरस रहे हैं। अब तक सबसे कम बारिश पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में दर्ज की गई है। विशेष रूप से हरियाणा के महेन्द्रगढ़, फतेहाबाद और रेवाड़ी जिलों में वर्षा सामान्य से 50 फीसदी से कम रही है। पंजाब के मालवा क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, बागपत, शामली जैसे जिलों में भी अब तक की बारिश औसत से काफी कम है, जिससे धान व गन्ने की बुआई में भारी देरी हुई है।

अगस्त-सितंबर में और तेज होगा मानसून

मौसम विभाग ने ताजे पूर्वानुमान में संकेत दिया है कि अगस्त और सितंबर में पूर्वी और दक्षिणी भारत में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में जुलाई के अंतिम सप्ताह से भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से लगातार उत्पन्न हो रहे निम्न दबाव क्षेत्र मानसून को और अधिक तीव्र बना सकते हैं। आईएमडी के प्रमुख वैज्ञानिक मृत्युंजय महापात्र ने कहा है कि 2025 का मानसून अल नीनो से मुक्त है, लेकिन इसके चलते चरम मौसम की घटनाएं बढ़ सकती हैं। पूर्वोत्तर भारतीय राज्य- अरुणाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने पूरे राज्य में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

सांसद तेजस्वी सूर्या को सुप्रीम कोर्ट से राहत

किसान आत्महत्या मामले में कर्नाटक सरकार की याचिका की रद्द

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने किसान आत्महत्या मामले में कर्नाटक सरकार की याचिका को रद्द कर दिया। इससे पहले कर्नाटक हाईकोर्ट ने सांसद सूर्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली कर्नाटक सरकार की याचिका खारिज कर दी थी। सूर्या पर हावेरी जिले में एक किसान की आत्महत्या के मामले में फर्जी खबर फैलाने का आरोप था।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि यह क्या है? मामले का राजनीतिकरण मत कीजिए। अपनी लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़िए। पीठ ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी और कानूनी कार्यवाही के राजनीतिकरण के खिलाफ चेतावनी दी।

सूर्या ने किया था ये पोस्ट

आठ नवंबर 2024 को तेजस्वी सूर्या ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया था कि हावेरी जिले के किसान रुद्रप्पा बालिकाई ने अपनी जमीन पर वक्फ बोर्ड के कब्जे के बाद आत्महत्या कर ली। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान पर कर्नाटक में विनाशकारी प्रभाव डालने का आरोप लगाया था।

बाद में आया सच सामने

सूर्या ने अपनी पोस्ट में एक स्थानीय पोर्टल की खबर का लिंक भी साझा किया था। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि किसान ने कर्ज के बढ़ते बोझ के कारण आत्महत्या की थी। इसके बाद उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353 (2) के तहत दर्ज प्राथमिकी की गई थी। सूर्या ने एफआईआर को चुनौती देते हुए इसे खारिज करने की मांग की थी। दिसंबर 2024 में कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने गुरुवार को उनकी याचिका पर फैसला सुनाते हुए एफआईआर रद्द कर दी थी। इसके बाद कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सूर्या की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणा श्याम ने अदालत को बताया कि मृतक किसान के पिता ने कर्नाटक वक्फ बोर्ड की संलिप्तता वाले भूमि विवाद से संबंधित शिकायतें उठाई थीं, जिसके बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सांसद ने यह पोस्ट किया। हालांकि, हावेरी के पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार ने बाद में स्पष्ट किया कि किसान रुद्रप्पा कर्ज के चलते आत्महत्या की। इस स्पष्टीकरण के बाद सूर्या ने पोस्ट डिलीट कर दिया था।

जब रोम जल रहा था तो नीरो बांसुरी बजा रहा था
एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर बोला तीखा हमला

ठाणे, 21 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। इसके लिए उन्होंने रोमन सम्राट नीरो और उनसे जुड़ी एक लोकप्रिय किंवदंती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब रोम जल रहा था, नीरो बांसुरी बजा रहा था।

शिंदे ने ठाणे में चिकित्सा उद्यमियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष के चुनाव हारने पर चुनाव आयोग की आलोचना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब कुछ लोगों को हार मिलती है, तो वे चुनाव आयोग पर सवाल उठाने लगते हैं, लेकिन जब जीतते हैं तो उसी की तारीफ करते हैं। शिंदे ने उद्धव का नाम लिए बिना कहा, 'यह अजीब है कि कुछ लोग अपनी पार्टी (शिवसेना-यूबीटी) छोड़ने पर जश्न मना रहे हैं। हमने इस तरह का व्यवहार पहले कभी नहीं देखा। 'जब रोम जल रहा था, नीरो बांसुरी बजा रहा था।' उन्होंने कहा कि आत्मनिरीक्षण करने के बजाय, कुछ नेता सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप में लगे हैं और दूसरों को कोस रहे हैं।

सरदार पटेल पर राज ठाकरे की टिप्पणी से कांग्रेस-आप नाराज
कहा-गुजरात में आने पर रोक लगे, एफआईआर दर्ज हो

अहमदाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) और पाटीदार नेताओं ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे ने सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के बारे में गलत और अपमानजनक टिप्पणी की है। उन्होंने ठाकरे के गुजरात प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

दरअसल, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शुक्रवार को ठाणे जिले में एक रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि जब गुजरात में बिहार से आए लोगों को मारा-पीटा गया, तब किसी ने कुछ नहीं कहा, लेकिन महाराष्ट्र में एक छोटी सी घटना राष्ट्रीय मुद्दा बन गई। उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल और मोरारजी देसाई का रवैया मराठी लोगों के लिए ठीक नहीं था। बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों से, मनसे कार्यकर्ता महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों से मराठी सीखने की मांग कर रहे हैं। मराठी में जवाब न देने पर उन्होंने कुछ दुकानदारों पर हमला भी किया है। राज ठाकरे के इस बयान को लेकर कांग्रेस-आप और पाटीदार नेता नाराज हैं। गुजरात कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अमित चावड़ा ने कहा कि सरदार पटेल जैसे महान नेता के खिलाफ बयान देना सूरज के सामने धूल झोंकने जैसा है।

जलवायु संकट से बच्चों की पढ़ाई और सीखने पर मंडराया खतरा

प्राकृतिक आपदाओं से स्कूलों का नुकसान

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जो बच्चे छोटी उम्र में गर्मी की मार झेलते हैं, वे 1.5 साल तक की पढ़ाई खो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन शिक्षा को सीधा नुकसान पहुंचा रहा है और अब तक की शैक्षिक प्रगति को मिटा सकता है। यह खुलासा यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार व शिक्षा की निगरानी एवं मूल्यांकन परियोजना और कनाडा के सस्केचवान विवि के शोधार्थियों के ताजा अध्ययन में हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 20 वर्षों में कम से कम 75 फीसदी जलवायु आपदाओं के दौरान स्कूल बंद हुए और हर बार 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। जलवायु संबंधी तनाव जैसे गर्मी, जंगल की आग, तूफान, बाढ़, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढ़ता स्तर शिक्षा को प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आपदाओं के कारण खासकर गरीब देशों में हर साल स्कूल बंद हो रहे हैं। इससे बच्चों के सीखने का नुकसान और ड्रॉपआउट यानी स्कूल छोड़ने की संभावना बढ़ रही है। 1969 से 2012 तक 29 देशों के आंकड़े बताते हैं कि जन्म से पहले और शुरुआती वर्षों में गर्मी झेलने वाले बच्चों की स्कूली पढ़ाई कम होती है। दक्षिण पूर्व एशिया में यह प्रभाव सबसे ज्यादा देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है, यदि कोई बच्चा बहुत ज्यादा तापमान का शिकार होता है, तो उसकी शिक्षा में 1.5 साल की कमी आ सकती है। अमेरिका में जिनके पास कम आय या माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र नहीं है वे लोग 15 फीसदी अधिक खतरे में हैं, क्योंकि उन्हें जलवायु परिवर्तन की वजह से वायु प्रदूषण के इलाकों में रहना होता है। इन इलाके में बच्चे अस्थमा जैसी बीमारियों से अधिक पीड़ित होंते। वे अमेरिकी स्कूल जो सरकारी आपदा राहत फंड पाते हैं, उनमें समाज के कमजोर तबकों के छात्र ज्यादा होते हैं।

चिंताजनक

प्राकृतिक आपदाओं से स्कूलों का नुकसान

2013 की जकार्ता बाढ़ के बाद कई स्कूल बंद हुए। शिक्षक और छात्र मारे गए। कुछ को राहत शिविर बना दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जकार्ता के जिन स्कूलों के पास आपदा प्रबंधन योजना और बाढ़ की आपात स्थितियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया थी उन 81 फीसदी स्कूलों ने माना कि इस संकट में ये योजनाएं काफी मददगार रहीं।

अमेरिका में असमानता

अमेरिका में सालाना तापमान औसतन एक डिग्री ज्यादा रहा और स्कूल में एसी नहीं था, तो बच्चों के अंक एक फीसदी तक घटे। अफ्रीकी अमेरिकी और हिस्पैनिक बच्चों पर इसका असर ज्यादा पड़ा, जिससे पांच फीसदी तक की शैक्षिक खाई बनी। लगभग अमेरिका के आधे से अधिक स्कूलों को अपने हीटिंग और कूलिंग सिस्टम को सुधारने की जरूरत है। ब्राजील के गर्म इलाकों के छात्रों को हर साल सीखने में एक फीसदी तक का नुकसान होता है। हाशिए पर रहने वाले लोग जलवायु संकट से ज्यादा पीड़ित हैं। 2019 में आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित 10 देशों में से आठ गरीब या निम्न मध्यम आय वाले देश थे। बच्चों के लिए उच्च जलवायु जोखिम वाले 33 देशों में से 29 कमजोर देश हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 22 जुलाई - 2025

दोस्ती में नई गर्माहट !

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव की यात्रा पर जा रहे हैं। उनकी यह यात्रा बेहद सार्थक रहने वाली है। वजह साफ है कि मालदीव को आर्थिक मदद देने के लिए भारत एक नई योजना पर तेजी से काम कर रहा है। उम्मीद है कि इस दौरान के दौरान ही इस योजना को अंतिम रूप दिया जा सकता है। सब जानते हैं कि मालदीव इन दिनों बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहा है। मालदीव के राष्ट्रीय दिवस पर पहुंच कर पीएम मोदी भारत की ओर से वहां पर वित्त पोषित कई परियोजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। यह मोदी सरकार की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का हिस्सा है। इसके पहले भी भारत कई बार मालदीव को आर्थिक मदद कर चुका है। मालदीव में सामुदायिक विकास परियोजनाओं में भी भारत उसकी काफी मदद कर रहा है। ये परियोजनाएं मालदीव के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। अब तक 56 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें से 14 पूरी हो चुकी हैं और उनका उद्घाटन भी हो चुका है। मई में भारत ने मालदीव को 50 मिलियन डॉलर का ट्रेजरी बिल देकर मदद की थी। इससे मालदीव की डूबती अर्थव्यवस्था को भरपूर आक्सीजन मिला था। भारत 2019 से ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जरिए मालदीव के ट्रेजरी बिलों की सदस्यता को आसान बना रहा है। हर साल इन बिलों को बिना ब्याज के रिन्यू कर दियाजाता है। यह दोनों देशों के बीच एक सरकारी समझौता है। 'गवर्नेंमेंट टू गवर्नमेंट एग्रीमेंट' के तहत भारत, मालदीव को आपातकालीन वित्तीय सहायता देता है। यह भारत की तरफ से अपने पड़ोसी देश को दी जाने वाली एक खास मदद है। भारत और मालदीव के रिश्ते बहुत पुराने हैं। लेकिन इस रिश्ते में कुछ वर्ष पहले घुन तब लग गया जब चीन ने यहां की राजनीति में बैकडोर से एंट्री की नापाक कोशिश की थी। अरब सागर में मौजूद यह छोटा सा मुल्क रणनीतिक तौर पर भारत के लिए बहुत ही मुफीद है। इसलिए चीन, पाकिस्तान की नापाक गठजोड़ भारत के खिलाफ मिल कर काम कर रहा है। ऐसे में अरब सागर में चीन की घुसपैठ भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हो सकता है। लेकिन, मालदीव के नीति-नियंताओं को जल्द ही अपने भरोसेमंद पड़ोसी भारत की अहमियत का पता चल गया और उसने चीन को दूर रखने में ही भलाई समझी है। भारत-मालदीव के बीच नए सिरे से दोस्ती में बढ़ोतरी, चीन-पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा सकता है। भारत हमेशा मालदीव की मदद के लिए तैयार रहा है। जब भारत, जब मालदीव जलसंकट से जूझ रहा था तब भारत ने उसको चंद घंटों में पीने का पानी भेजकर उसे अप्रत्याशित जल संकट से उबारा था। बात 2014 दिसंबर की है। मालदीव की राजधानी माले के सबसे बड़ा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में आग लग गई थी। तब माले ने आपात स्थिति में भारत को त्राहिमाम संदेश भेजा। भारत ने तत्काल न सिर्फ सी-17 और आईएल-76 जैसे विमानों से 374 टन पानी पैकेट में भरकर भेजे, बल्कि 'ऑपरेशन नीर'के तहत पीछे से आईएनएस दीपक और आईएनएस शुकन्या जैसे जहाजों से 2 हजार टन पानी भेजकर वहां के लोगों की प्यास बुझाई थी। इसके बाद भारत ने उसके वाटर ट्रीटमेंट प्लांट ठीक करने में भी सहायता की। बीच के कुछ महीनें छोड़ दें तो मालदीव भी भारत को अपना अच्छा दोस्त मानता रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार और संस्कृति का भी गहरा संबंध है। भारत की मौजूदा आर्थिक मदद मालदीव के लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिलेगी। साथ ही, दोनों देशों के रिश्ते और भी मजबूत होंगे।

मौत के परजीवी पर वार: भारत की वैक्सीन क्रांति का नया अध्याय

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

भारत ने मलेरिया के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई में एक ऐसी क्रांति रची है, जो विज्ञान की सीमाओं को पार कर मानवता के लिए आशा की नई मशाल बन गई है। एडफाल्सीवैक्स, भारत का प्रथम स्वदेशी मलेरिया टीका - नवाचार, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक है। यह टीका न केवल मलेरिया के संक्रमण को रोकता है, बल्कि इसके प्रसार को प्रभावी रूप से नियंत्रित कर भारत को मलेरिया उन्मूलन के मार्ग पर एक ऐतिहासिक छलांग लगाने में सक्षम बनाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भुवनेश्वर के क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसीई), राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर) और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) के वैज्ञानिकों की अथक मेहनत और समर्पण ने इस स्वप्न को साकार किया है। यह उपलब्धि भारत को वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है, जो अब न केवल चुनौतियों का सामना करता है, बल्कि विश्व के लिए समाधान प्रस्तुत करने वाला सशक्त नेतृत्वकर्ता बनकर उभरा है।मलेरिया, जिसे कभी 'मौत का परजीवी' कहा जाता था, सदियों से मानवता पर कहर बरपाता रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2023 के आंकड़ों के अनुसार, विश्व में मलेरिया के 26 करोड़ मामले सामने आए, जिनमें 6 लाख से अधिक लोग इस रोग के शिकार होकर असमय काल के गाल में समा गए। दक्षिण-पूर्व एशिया में इन मामलों का 46% हिस्सा था, जिसमें भारत में प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त होते हैं और 29,000 से अधिक की मृत्यु हो जाती है। इस भयावह स्थिति में 'एडफाल्सीवैक्स' एक ऐसी ज्योति है, जो भारत और विश्व को मलेरिया-मुक्त भविष्य की ओर ले जाने का सामर्थ्य रखती है। यह टीका विशेष रूप से प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम परजीवी को निशाना बनाता है, जो मलेरिया के सबसे घातक रूपों का कारण है और वैश्विक स्तर पर 90% से अधिक मामलों के लिए जिम्मेदार है। 'एडफाल्सीवैक्स' की सबसे बड़ी शक्ति इसकी दोहरी कार्यप्रणाली है, जो इसे मलेरिया के खिलाफ एक अभूतपूर्व हथियार बनाती है। यह न केवल मानव शरीर में मलेरिया परजीवी को प्रभावी ढंग से नष्ट करता है, बल्कि मच्छरों में इसके विकास को अवरुद्ध कर संचरण को 90% तक कम करता है। यह अनूठी विशेषता इसे विश्व में उपलब्ध अन्य मलेरिया टीकों आरटीएस और आर21/मैट्रिक्स-एम से कहीं अधिक प्रभावी बनाती है। जहां वैश्विक टीकों की प्रभावशीलता 33% से 67% के बीच है और उनकी कीमत 800 प्रति खुराक है, वहीं 'एडफाल्सीवैक्स' ने प्री-क्लिनिकल परीक्षणों में 85% से अधिक प्रभावशीलता प्रदर्शित की है। इसके साथ ही, एडफाल्सीवैक्स दोहरे चरण की सुरक्षा प्रदान करता है और किफायती भी है, जो इसे निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए अत्यंत सुलभ बनाती है। यह टीका भारत की आत्मनिर्भरता, किफायती स्वास्थ्य समाधानों और वैश्विक कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रबल प्रतीक है। इस वैक्सीन की तकनीकी नींव इसे और भी विशिष्ट बनाती है। वैज्ञानिकों ने लैक्टोकोकस लैक्टिस नामक बैक्टीरिया का उपयोग किया है, जो दही, छाछ और पनीर जैसे रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। यह बैक्टीरिया न केवल पूर्णतः सुरक्षित और जैविक है, बल्कि वैक्सीन के उत्पादन को लागत-प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल बनाता है।

लोकसभा में क्यों नहीं गूंजता कुपोषण बढ़ोत्तरी का मामला ?

अशोक भाटिया

पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर करते समय 17 सतत विकास लक्ष्यों को भी अंगीकृत किया गया था । इसका उद्देश्य था 2030 तक पृथ्वी और इसमें रहने वाले लोगों की शांति और समृद्धि। इन्हीं में से एक लक्ष्य है, सतत विकास लक्ष्य-2। इसका लक्ष्य 2030 तक 'ज़ीरो भुखमरी' और कुपोषण को समाप्त करना है। अब इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सिर्फ़ 5 वर्षों का समय ही बचा है। भारत इस लक्ष्य से कितना दूर है और इसे लेकर कितना गंभीर है, इसकी पड़ताल करना ज़रूरी है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन द्वारा 'विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति' रिपोर्ट जारी की गई है। 24 जुलाई को सामने आई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में इस समय लगभग 19.5 करोड़ लोग कुपोषण के शिकार हैं। यह संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। कृषि संगठन यानी एफ़एओ के अनुसार, जब व्यक्ति अपने दैनिक आहार से उतनी ऊर्जा प्राप्त नहीं कर पाता जिससे वह एक सामान्य व सक्रिय जीवन जीने में सक्षम हो सके तो यह अवस्था कुपोषण कहलाती है। 'विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति' यानी एसओएफ़आई की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग आधे से अधिक भारतीय (55.6%) आज भी 'स्वस्थ आहार' का खर्च उठाने में सक्षम नहीं है। जबकि वैश्विक स्तर पर यह प्रतिशत 35.4% है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत में लगभग 80 करोड़ लोग ऐसे हैं जो स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकते। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी भारत को +5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने का दावा करते रहते हैं, दूसरी तरफ भारत भूखे लोगों, कुपोषित बच्चों और एनीमिया से पीड़ित महिलाओं का देश बनता जा रहा है। हाल में ही संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और यूनिसेफ सहित चार अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा जारी इस साल की 'विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति' (एसओएफटी) रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 194.6 मिलियन (19.5 करोड़) कुपोषित लोग हैं – जो दुनिया के किसी भी देश में सबसे ज्यादा है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आधे से ज्यादा भारतीय 55.6% भारतीय याने कि 79 करोड़ लोग अभी भी 'पौष्टिक आहार' का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। यह अनुपात दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा और चैकाने वाला है जो भारत के लिए एक चेतवानी है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भी भारत अपने पड़ोसी देशों नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका से भी सबसे निचले पायदान पर है, जिनकी अर्थव्यवस्था भारत से काफी छोटी है और जिन्हें भारत से गरीब माना जाता है। देश में 5 साल से कम उम्र के ऐसे बच्चों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिनका वजन उनकी लंबाई की तुलना में कम है। गौरतलब है कि भारत में इस समय पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु दर प्रति 1,000 बच्चों पर 37 है, जिसमें 69 फीसदी मौतें कुपोषण के कारण होती हैं, जो भयावह है। इस देश में 6 से 23 महीने की उम्र के केवल 42 फीसदी बच्चों को ही पर्याप्त अंतराल पर जरूरी भोजन मिल पाता है। हमारे देश में करीब 21 फीसदी बच्चे अपनी उम्र और लंबाई के हिसाब से कम वजन के हैं। भूख और कुपोषण का एक सामाजिक पहलू भी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के आंकड़ों के अनुसार, आदिवासियों और दलितों में कुपोषण की दर भारत में सबसे अधिक है, 5 वर्ष से कम आयु वर्ग के 44 प्रतिशत आदिवासी बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। भारत में कुपोषण पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट को चेतवानी के बतौर कार्रवाई देखा जाना चाहिए। सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह विकास के सतही मापदंडों से अपना ध्यान हटाकर भूख की बुनियादी समस्या से निपटने पर केंद्रित करे। देश की आधी से ज्यादा आबादी 'पौष्टिक आहार' का खर्च उठाने में असमर्थ है। बच्चों में कम वजन और कम वजन वाले शिशुओं के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है, और महिलाओं में एनीमिया के मामले में दक्षिण एशिया में पहले स्थान पर है।समस्या की गंभीरता के बारे में ताहो टूट गया है। यह हमारे देश में हर किसी की मानसिकता है। राज्य में कुपोषण के आंकड़े जारी होते ही कई लोगों की नींद उड़ गई है। ऐसा भी हुआ है। जब कुपोषण की समस्या का जिक्र होता है तो हर कोई मेलघाट या आदिवासी बस्तियों को देखता था। गूगल पर भी जब कुपोषण को कुपोषण कहा जाता है तो मेलघाट क्षेत्र की तस्वीरें दिखाई देती हैं। आज इस समस्या को हल करना संभव नहीं हो सकता है।राजनीतिक विचार-विमर्श के अलावा, राजनीतिक विवाद और राजनीतिक घटनाक्रम के अलावा हमारा ध्यान अपने देश, प्रदेश और स्थानीय निकायों की समस्याओं की ओर नहीं जाता। अगर कुपोषण की समस्या मेलघाट तक ही सीमित रहती, आदिवासी बस्तियों तक ही सीमित रहती, तो कुपोषण की इतनी चर्चा कोई नहीं करता। लेकिन आज कुपोषण की समस्या मेलघाट के दरवाजे को पार कर महाराष्ट्र के हर कोने में प्रवेश कर चुकी है। इस बीमारी ने न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति दिखाना शुरू कर दिया है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी कुपोषण की चपेट में है। दस्तावेजों से पता चला है कि मुंबई में कुपोषण के मामलों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके बाद कई लोगों की नींद उड़ गई है। बेशक, कुपोषण का प्रकोप स्वास्थ्य प्रणाली की विफलता है। आज प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा कुपोषण की गंभीरता को न समझने के कारण कुपोषण की समस्या खड़ी हुई है। खुद राज्य सरकार ने विधानसभा सत्र में ही कुपोषण की बढ़ती दर को स्वीकार किया है।महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने विधानसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि राज्य में 1,82,443 कुपोषित बच्चे पाए गए हैं, जिनमें से 30,800 बच्चे गंभीर तीव्र कुपोषण की श्रेणी में हैं और 1,51,643 बच्चे मध्यम कुपोषित श्रेणी में हैं। धुले जिले में, 6,377 मध्यम कुपोषित हैं और 1,741 गंभीर रूप से कुपोषित हैं। कुपोषण की समस्या भारत जैसे विकासशील देश के लिए कोई समस्या नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार और उसकी राज्य सरकारों द्वारा इस पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत हैं । देश पिछले कई वर्षों से बाल कुपोषण की गंभीर समस्या का सामना कर रहा है। देश के भविष्य के लिए मजबूत और स्वस्थ होना महत्वपूर्ण है। इसके लिए बच्चों को कम उम्र में अच्छा स्वस्थ और पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। लेकिन गरीबी के कारण लाखों बच्चों और माताओं को पौष्टिक भोजन नहीं मिल पा रहा है। कुपोषित पैदा होने वाले बच्चों का अनुपात अधिक है। इस संबंध में सरकार द्वारा सूचना के अधिकार कानून के तहत दिए गए हालिया आंकड़े चौंकाने वाले हैं और इससे साफ है कि देश में सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे महाराष्ट्र में हैं।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, देश में 33 लाख से अधिक कुपोषित बच्चे हैं, जिनमें से आधे से अधिक अत्यधिक कुपोषित हैं। महाराष्ट्र, बिहार और गुजरात में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे अधिक है। कोरोना की वैश्विक महामारी के संकट के बाद कुपोषण की समस्या और गंभीर हो गई है। कोरोनावायरस महामारी से सभी सामाजिक-आर्थिक संकेतक नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। इस दौरान स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे मील को बंद करने से कई गरीब परिवारों के बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। कुपोषण किसी भी बीमारी के अनुबंध के उच्च जोखिम से जुड़ा हुआ है। इसलिए बच्चों में कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए गर्भावस्था से उपाय करना आवश्यक है। स्तनपान कराने वाली माताओं को भी पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि छह महीने के बच्चे को ठीक से स्तनपान हो और 5 साल की उम्र तक संतुलित पौष्टिक आहार हो। हमारे देश में गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मां के पोषण के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। लेकिन अभी भी इसे बढ़ावा देने पर सार्वजनिक प्रवचन की कमी है, उदाहरण के लिए पहले छह महीनों में विशेष स्तनपान और प्रभावी नर्सिंग की सुविधा प्रदान करना, और फिर स्तनपान के विकल्प के रूप में बच्चे को उपयुक्त हल्का ठोस आहार प्रदान करना।

इजराइल और हमास युद्ध

रघु ठाकुर

इजराइल और हमास के बीच चल रहे दीर्घकालिक युद्ध के बीच इजराइल ने अचानक एक नया मोडघ् लिया और ईरान पर मिसाईल अटैक किया। आरंभ में ईरान उार देगा ऐसा उसने कहा, परंतु दुनिया में एक धारणा थी कि इजराइल सैन्य षघ्ति के रूप में बहुत षघ्तिाली है अतरू ईरान का घ्तिउार केवल षाब्दिक रहेगा। परंतु दो या तीन दिन के बाद ईरान ने हजारों डघ्रेन व मिसाईलों के माध्यम से इजराइल पर हमला किया और इजराइल का तथाकथित आयरन डघ्रेन जिसे ब्रघ् कवच माना जाता था और यह भी माना जाता है कि दुनिया की कोई भी मिलाइल इसको भेद नहीं सकती, वह नष्ट हुआ। ईरान को यद्यपि जनहानि तो कम हुई पर सांपिाक हानि अधिक हुई। अमेरिका के राष्टघ्पति टघ्रंप ने यह सार्वजनिक रूप से कहा कि अमेरिका ईरान पर हमला नहीं करेगा, परंतु इजराइल के घ्पर सफल घ्ति आघ्मण और खतरे को समझकर टघ्रंप ने तत्काल पैंतरा बदला तथा ईरान और उसके परमाणु केंघ्रें पर बंकर मिसाइल से हमला किया। जब आरंभ में इजराइल ने ईरान पर हमला किया और यह समाचार आये थे कि ईरान के परमाणु ठिकानों को उनकी मिसाईलें नष्ट नहीं कर सकी क्योंकि वह बंकरों के अंदर है। परंतु अमेरिकी हमले के बाद ईरान के कई परमाणु ठिकाने नष्ट हुए या क्षतिग्रस्त हुये और ईरान के सेना मंत्री ने इसे स्वीकार किया। हालाघ्कि यह भी कहा कि जो संवर्धन यूरेनियम परमाणु बम बनाने में इस्तेमाल होता है उसे ईरान ने पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुघ्चा दिया था, इसलिये वह नष्ट होने से बच गया। यह भी बताया गया कि इस परमाणु बम का ईंधन 2:0 फुट गहरे बंकरों में रखा गया है और अमेरिकी मिसाईल का वहाघ् तक पहुघ्चना संभव नहीं है। अमेरिकी हमले के बाद इस दुनिया को खतरा लग रहा था कि अब विष्व युद्ध की कगार पर दुनिया है और ईरान अमेरिका पर हमला करेगा। परंतु ईरान ने सीधे अमेरिका पर तो हमला नहीं किया बल्कि अमेरिका के दूसरे देषों के समुघ्री द्वीपों पर बनाये गये एक सामरिक केंघ् कतर पर हमला किया। हालाघ्कि वह कोई घ्भावी सिद्ध नहीं हुआ। अमेरिका ने यह भी कहा कि कोई क्षति नहीं हुई है और कहा कि अब ईरान परमाणु संधि वार्ता को अंतिम रूप दे वर्ना पुनरू हमले होंगे। इस घटनाघ्म को दुनिया का एक हिस्सा इस रूप में देख रहा था कि षायद अब ईरान अंतरराष्टघ्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में परमाणु केंघ्रें की जांच के लिये तैयार हो जायेगा और अमेरिका का जो लक्ष्य है कि ईरान परमाणु अस्त्र न बना सके, वह हासिल हो जायेगा। परंतु 2 जुलाई 25 को ईरान के राष्टघ्पति ने जिस निर्णय की घोषणा की है कि ईरान, अमेरिका व अन्य देषों के बीच परमाणु संधि से हट गया है याने अब पहले जो समस्या संधि के पालन की थी,अब अमेरिकी हमले के साथ ईरान संधि से ही हट गया। रूस ने ईरान का खुलकर समर्थन किया है और ईरान को आवष्यक हथियार, मिसाईलें आदि देने की घोषणा की है। यहाघ् तक की रूसी सिक्युरिटी कौंसिल के डिप्टी चेयरमैन मेदवेदेव ने कहा कि रूस वारहेडघ् देगा और ईरान का एटमी घेग्राम तेजी से बढ़ेगा। रूस के समर्थन के बाद ही ईरान ने परमाणु संधि से बाहर हटने का ऐलान किया है। हालांकि चीन ने ईरान की कोई विषेष मदद नहीं की, षिवाय राजनैतिक समर्थन के। षायद चीन, ईरान, रूस की निकटता से भी सावधान है। क्योंकि रूस व चीन के बीच भी सीमा विवाद है। वैसे भी दुनिया में कोई किसी का स्थायी साथी नहीं है, वैसे चीन, अमेरिका, इजराइल के खिलाफ है पर गाजा में इजराइल ने जो पुनर्निर्माण का काम षुरू किया है, उसमें चीनी कंपनी को ठेका दिया है तथा 6000 चीनी कर्मचारी वहाघ् काम कर रहे हैं, व्यापार में इजरायल व चीन साथ हैं। यूघ्रेन और रूस के बीच में जो लंबा युद्ध चल रहा है उसमें भी रूस यूरोप और अमेरिका के खिलाफ ही एक घ्कार से अघ्त्यक्ष युद्ध लडघ् रहा है। अमेरिका युद्ध बंदी के नाम पर ब्लैकमेलिंग करना चाहता है और अपने आर्थिक, सामरिक हितों को और अपनी सैन्य श्रेष्ठता को कायम रखना चाहता है। पिछले लगभग दो दषकों से अमेरिका ने सीधे तौर पर किसी युद्ध में काम नहीं किया था परंतु यह इतने समय के बाद कि घटना है कि जब अमेरिका सीधा युद्ध में कूदा है। दुनिया में हथियार संपन्न देषों की दो धुरी बन रही है। एक में चीन, रूस और ईरान हैं और दूसरे में अमेरिका, इजराइल, यूघ्रेन और यूरोप के घंस, जर्मनी आदि देष षामिल हैं। इसी बीच में रूस ने पुनरू एक बार यूघ्रेन पर भारी हमला बोला और इससे बड़ी संख्या में जन-धन की हानि हुई है, यूक्रेन ने भी रूस के काफी अंदर जाकर परमाणु ठिकानों पर हमला किया। अब अगर ईरान परमाणु हथियार बनाता है तो यह अमेरिका, इजराइल और यूरोप के देषों के लिये एक बड़ा खतरा है। ईरान ने इजराइल पर हमले में मिसाईल का इस्तेमाल किया था वह 8600 घ्ति किमी की रघ्तार से चलने वाली थी। जिसमें 1500 किग्रा वारहेडघ् होता है और 1500 किमी की दूरी तक वह मार कर सकती है। यह भी खबर आई थी कि ईरान ने जो हमला इजराइल पर किया था उसके बाद, उसके पास वारहेडघ् की कमी हुई। याने संचित बारूद का भंडार घट गया, परंतु अब रूस उसकी क्षतिपूर्ति के लिये सामने आया है और इससे ईरान की सामरिक षघ्ति पुनरू खड़ी हो सकती। दूसरा एक आर्थिक पक्ष भी है कि 33 किमी होर्मुज समुघ्री गलियारा, यह युद्ध का क्षेत्र बनेगा। क्योंकि दुनिया का कोई 26 घ्तिषत कच्चा तेल इसी गलियारे से जाता है। अमेरिका की भी बड़ी सप्लाई इस गलियारे से होती है। अगर ईरान इस गलियारे को युद्ध का क्षेत्र बनाता है तो समूची दुनिया में तेल की बड़ी कमी पैदा होगी और तेल के दाम बढ़ेंगे। इसका सीधा घ्भाव अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी होगा।

मैं कई बार पूर्व में भी लिख चुका हूघ् कि संयुघ् राष्टघ् संघ की कोई घ्भावी भूमिका नहीं बची। इस्लामिक देष भी कई कारणों से बंटे हुए हैं। वैसे तो अमेरिका हमले को रूस, चीन, पाक, सघ्दी अरब और ओमान ने अंतरराष्टघ्रीय कानून का उल्लंघन बताकर निंदा की है। परंतु यह निंदा फिलहाल सिया और सुन्नी के मध्य विभाजित है। पाकिस्तान जो अमेरिकी मदद के समर्थन पर जिंदा है। वह वैसे भी अपनी जीर्ण क्षीण अर्थव्यवस्था और आंतरिक जनविघ्रेह के चलते कुछ मदद करने की स्थिति में नहीं है। उसने चीन को बन रोडघ् वन बेल्ट के लिये अपना भूभाग उपलब्ध कराया है परंतु चीन का यह स्वप्नदर्षी योजना अभी केवल अमूर्तरूप में है। सघ्दी अरब आदि देषों के मुखिया भी स्वतरू युद्ध के लड़ने के पक्ष में नहीं है। चीन की जमीनी दूरी ईरान से इतनी अधिक है कि चीन भी कोई वास्तविक मदद पहुघ्चाने की स्थिति में नहीं है और यह युद्ध होता है तो रूस व चीन की इसमें भौतिक व वास्तविक भागीदारी नगण्य होगी, चीन की तो बिलकुल ही घ्तीकात्मक। जहाघ् एक तरफ दुनिया को इन समस्याओं का व्यावहारिक हल खोजना होगा वहीं युद्ध व हथियारों की वास्तविकताओं को भी समझना होगा। एक बड़ी समस्या यह है कि इस समय दुनिया और वैष्विक मीडिया भी एलगोरिदम का षिकार है और यह समस्या निरंतर बढ़ रही है।

आइए इस नव सीजन का अभिनंदन करें

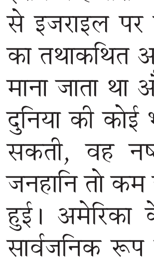

रेखा शाह आरबी

इस दुनिया में जिंदा रहना है तो दिल बड़ा रखिए। वरना जीवन व्याकरण के जैसा कठिन हो जाएगा। और आप अ आ इ ई करते सीखते रह जाएंगे। जैसे आजकल लोगों के रंग -ढंग ,सोच -समझ और विचार बदल रहे हैं। वह टेढ़ा -मेढा लग सकता है कुछ अलग लग सकता है। अभी तक आपने सुना होगा कि आम ,जामुन ,सेव ,अमरुद, अनार आदि का सीजन आता है । बुखार, मलेरिया, टाइफाइड आदि बीमारियों का सीजन आता है । देश में चुनाव का भी सीजन आता है । ब्याह- शादियों का सीजन आता है । और भी बहुत सारी चीजों का सीजन आता ही रहता है। आप लोगों का आज तक इन्हीं सब सीजन से पाला पड़ा होगा । लेकिन आजकल महावीर बुद्ध की धरती पर एक नया सीजन भी अवतरित हुआ है। और आप उसके बारे में सुनकर दहल ही जाएंगे। दहलना भी चाहिए ,क्योंकि पहले कभी यह सीजन ना तो सुना गया था और ना तो देखा गया था। इस सीजन के बारे में कोई नेता और मंत्री कहता तो आप थोड़ा रिलैक्स हो सकते थे। कि चलो नेता जी तो कुछ भी बोलते रहते हैं। उनकी बातों को सीरियस क्या लेना। उनकी सौ बातों में से तो दो बातें ही सच होती है ।बाकी तो अनठानबे बातें यूं ही बोलते रहते हैं। चिंता किस बात की करनी है । या उनकी बातों को चुनावी प्रोपेगेंडा समझकर टाल सकते थे । यदि कोई अभिनेता कहता तो आप कह सकते थे कि एक्टर है, अपनी एक्टिंग की दुकान चमकाने के लिए कह रहा है ।और अपने आप को प्रमोट करने के लिए ऊटपटांग कह रहा है । यह सोचकर भी अपने आप को संतोष दे सकते थे ।और चैन से जी सकते थे लेकिन हर किसी की बात को इतने हल्के में नहीं लिया जा सकता है। और वह भी उन लोगों की बात को जिनके ऊपर आपने अपनी सुरक्षा का भार डाला है। या जिनके हवाले पूरे प्रदेश की जान की सलामती भार डाला हो। खैर जब बिहार पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी ने कहां की इस सीजन में खून -खराबा, मार -काट, मर्डर तो होता ही रहता है । तो आपको मानना ही पड़ेगा, की मर्डर का भी एक सीजन होता है। आखिर सरकारी आदमी को नकारने की जनता को गुंजाइश कहां है। इसीलिए अपने मन को समझा कर मरने की प्राथमिक शुरुआत कर देनी चाहिए । पता नहीं कब आपके मरने की घड़ी आ जाए। खैर इस नव सीजन ज्ञान के लिए आपको उनका आभारी रहना चाहिए। कि उन्होंने पहले सचेत कर दिया। उन्होंने सचेत करके अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली है । अब आप देखिए और आपका नसीब देखें। समय से पहले आपको सूचना दे दिए यह क्या कम है ।

हिंदी भाषा का वैश्विक जनाधार हिंदी पर आधारित वैश्विक बाजार

संजीव ठाकुर

वर्तमान में हिंदी भाषा वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद और व्यवसाय बड़ा माध्यम हो गई है और वैश्विक स्तर पर हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिंग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज़ चैनल में न्यूज़ एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिंग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 141करोड़ उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है।जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता ।यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी,वी व्हाट्सएप,फेसबुक,ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 141 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका,मॉरीशस,फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया,न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, इटली, जापान,चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चलाआता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर,व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है। डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है इसके इतर 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल हृदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है। वर्तमान में विश्व में लगभग 45 करोड़ से अधिक लोग हिंदी भाषा बोलते हैं, इसकी सरलता विश्व के लोगों को प्रभावित करती जा रही है, भारत के विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कवियों, फिल्मी गीत कारों के प्रयासों से हिंदी ने वैश्विक रूप लिया है। हिंदी को वैश्विक रूप से उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए फिल्म निर्माताओं गीतकार एवं संगीत, गानों का भी बड़ा योगदान रहा है।

हिंदुस्तान में बनी फिल्म को विदेशों में रह रहे भारतीय तथा अन्य भाषाई लोग उसके गीतों तथा उसके संवाद के कारण उस फिल्म को देखने जाते हैं, जिससे सीधे-सीधे भारतीय फिल्मकारों को विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है। इस तरह उपभोक्तावाद, बाजारवाद के नजरिए से देखें तो हिंदुस्तानी उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। जिससे हिंदी भाषा न सिर्फ बाजारवाद की भाषा बनी है, बल्कि साहित्यिक रूप से भी गीत, ग़ज़ल और गानों के रूप में समृद्ध हुई है। वर्तमान में हिंदी न सिर्फ हिंदुस्तान में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होती जा रही है। भारत में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस मना कर एवं वैश्विक स्तर पर विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता रहा है। इस संदर्भ में पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार तथा विस्तार को कोई भाषा रोक नहीं सकती है। हिंदी भारत की एकमात्र ऐसी भाषा है, जिसके माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न भाषा वासी लोग आपस में अपने विचारों का आदान-प्रदान सकते हैं।

सावन के महीने में राजस्थान के महादेव मंदिरों के करें दर्शन

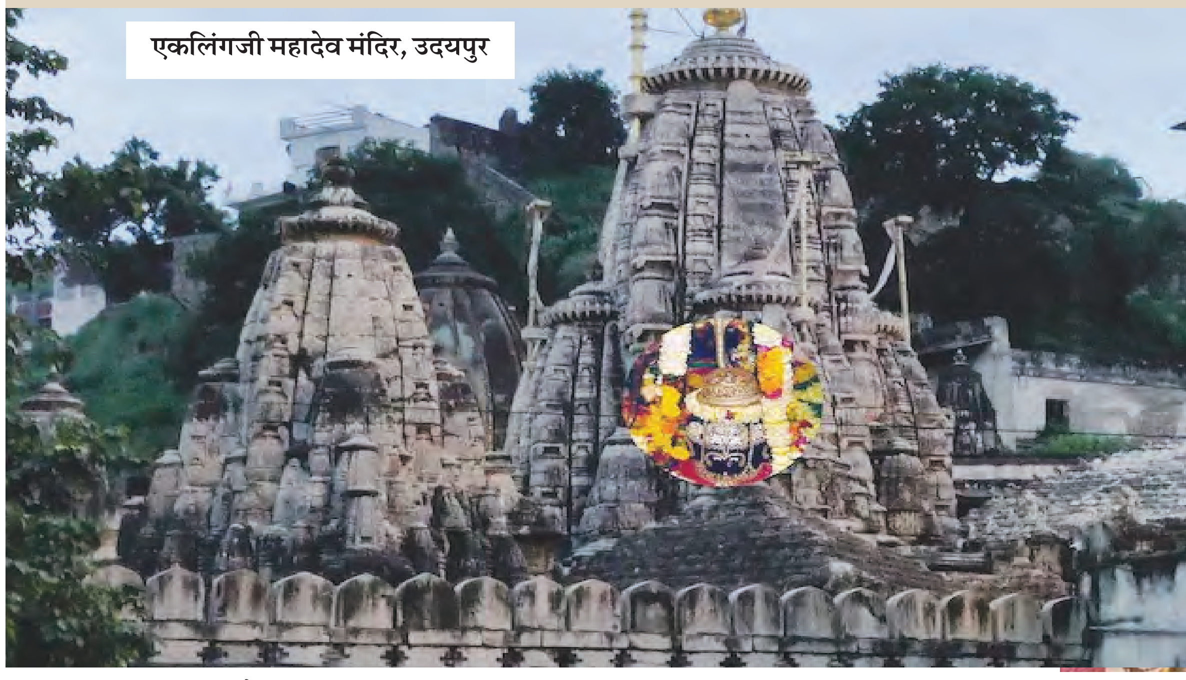
एकलिंगजी महादेव मंदिर, उदयपुर

अचलेश्वर महादेव मंदिर, माउंट आबू

घुश्मेश्वर महादेव मंदिर, सवाई माधोपुर

सावन मास की शुरुआत के साथ ही राजस्थान के कोने-कोने में स्थित महादेव मंदिर शिव भक्तों की भीड़ से गुलजार हो गए हैं. भगवान शिव को समर्पित यह महीना उनकी आराधना के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है. इस दौरान प्रदेश के विभिन्न शिव मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया. जिसमें लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचे और महादेव का दुग्ध शर्करा पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक किया गया. आइए जानते हैं राजस्थान के उन प्रमुख महादेव मंदिरों के बारे में, जहां सावन में विशेष पूजा का विधान है और जहां सावन के महीने में भक्तों का तांता लगा रहता है।

एकलिंगजी महादेव मंदिर, उदयपुर

उदयपुर से लगभग 22 किलोमीटर दूर कैलाशपुरी में स्थित यह मंदिर मेवाड़ राजवंश के आराध्य देव भगवान एकलिंगजी को समर्पित है.मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में बप्पा रावल द्वारा करवाया गया था. बाद में, 15वीं शताब्दी में महाराणा रायमल ने इसका पुनर्निर्माण करवाया. यह भव्य मंदिर अपनी चार मुखी काले संगमरमर की प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है, जो भगवान शिव के चार रूपों (सूर्य, ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र) का प्रतिनिधित्व करती है. यहां की कलात्मक नक्काशी और शांत वातावरण भक्तों को अपनी ओर खींचता है. मंदिर सुबह 5:30 बजे से रात 8:00 बजे बंद हो जाता है. यहां मुख्य मंदिर के गर्भगृह में आम दर्शनार्थियों का प्रवेश वर्जित है, लेकिन ट्रस्ट से आज्ञा लेकर प्रवेश किया जा सकता है।

ताड़केश्वर महादेव मंदिर, जयपुर

घुश्मेश्वर महादेव मंदिर, सवाई माधोपुर

सवाई माधोपुर जिले के शिवाड़ में स्थित घुश्मेश्वर महादेव मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है. कहते हैं कि घुश्मा नामक एक ब्राह्मणी की शिवभक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उसके नाम से ही यहां अवस्थित होने का वरदान दिया था. यह मंदिर कितना पुराना है जिसका आजतक नहीं पता चल सकता है. शिव पुराण में वर्णित इस मंदिर का विशेष महत्व है. दूर-दूर से भक्त यहां अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आते हैं, खासकर सावन के महीने में यहां भक्तों का तांता लगा रहता है. कहते हैं कि घुश्मा प्रतिदिन 108 पार्थिव शिवलिंगों का पूजन कर इस तालाब में विसर्जित करती थी.इसका प्रमाण सालों पहले इस तालाब की खुदाई के दौरान मिले हजारों शिवलिंगों से भी मिलता है. मार्च 1988 में ट्रस्ट का पंजीयन देवस्थान विभाग से कराया गया है।

अचलेश्वर महादेव मंदिर, माउंट आबू

माउंट आबू के प्रसिद्ध अचलगढ़ किले के बाहर स्थित यह मंदिर एक अनोखा शिव मंदिर है. यह दुनिया का पहला ऐसा मंदिर माना जाता है, जहां भगवान शिव के पैर के अंगूठे की पूजा होती है. यहां शिवलिंग प्राकृतिक रूप से पत्थर से बना है और नंदी की प्रतिमा पंच-धातु से निर्मित है. स्कंद पुराण में भी इस मंदिर का उल्लेख मिलता है।

ताड़केश्वर महादेव मंदिर, जयपुर

जयपुर शहर के चौड़ा रास्ता में स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर शहर के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है. कहा जाता है कि यह मंदिर जयपुर की स्थापना से भी पुराना है. यहां भक्तों की गहरी आस्था है और हर सोमवार को विशेष रूप से भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

देव सोमनाथ मंदिर, डूंगरपुर

माही और सोम नदियों के संगम पर स्थित देव सोमनाथ मंदिर डूंगरपुर जिले में एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यह प्राचीन शिव मंदिर अपनी शांतिपूर्ण आभा और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। राजस्थान के ये महादेव मंदिर न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक हैं. सावन के इस पावन महीने में इन मंदिरों के दर्शन कर ।

देव सोमनाथ मंदिर, डूंगरपुर

घर में इस दिशा में लगाएं मोगरा

अगर आपके वैवाहिक जीवन में छोटी-छोटी बातों पर क्लेश हो रहा है तो आपको आपके घर का वास्तु एक बार जरूर देखना चाहिए। कई बार घर का वास्तु भी आपके पारिवारिक शांति को भंग कर देता है।

मोगरे का पौधा

किसी-किसी घर में आपने देखा होगा कि परिवार बेहद खुश नजर आते हैं। ऐसे में आप भी सोचते हैं कि आखिर ऐसा क्या है इनके बीच जो इनमें इतना प्यार है। आप सोचते हैं कि ऐसी क्या दिक्कत की आपके घर में आए दिन झगड़ा क्लेश होता रहता है। हर छोटी बात पर आपका पार्टनर आपसे रूठ जाता है और फिर दोनों के रिश्तों में कड़वाहट देखने को मिलती है। ऐसा देखा गया है कि आप दोनों की ग्रहदशा तो ठीक होते हैं लेकिन आपके घर से वास्तु के कारण आपके घर में क्लेश होता रहता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ वास्तु बताने जा रहे जिससे आपके घर में खुशहाली आ सकती है और गृह क्लेश कम हो जाता है। वास्तु शास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं जिनमें एक है मोगरे का पौधा।

क्यों खास है यह पौधा?

वास्तु शास्त्र की मानें तो मोगरा ऐसा पौधा है जिसकी खुशबू मन को सुकून देती है। साथ ही आसपास की नकारात्मकता भी दूर कर देती है और घर का माहौल ठीक हो जाता है। वास्तु शास्त्र में मोगरे के पौधे को सौभाग्य बढ़ाने वाला माना गया है। यह पौधा घर की सुंदरता तो बढ़ाता ही है साथ घर में पॉजिटिव एनर्जी भी लाता है। मोगरे का संबंध शुक्र और चंद्रमा से है। चूंकि शुक्र प्रेम, आर्कषण और ऐश्वर्य का प्रतीका है और चंद्रमा मन और शांति का प्रतीक होता है। यही कारण है कि इस पौधे से घर में प्रेम बढ़ता है और मन शांत रहता है।

किस दिशा में लगाना चाहिए?

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि मोगरे के पौधे को अगर सही दिशा में लगाए जाए तो ज्यादा प्रभावी होता है। इसलिए इस पौधे को उत्तर-पश्चिम में लगाना बेहद शुभ है। इस दिशा को घर में तालमेल के संबंध से जोड़ा जाता है। अगर घर में यह दिशा नहीं समझ आ रहा तो आप इसे घर के मुख्य द्वार पर भी लगा सकते हैं।

प्रदोष व्रत के दिन बन रहा मां गौरी और भगवान शिव की उपासना के लिए अद्भुत संयोग

सावन माह चल रहा है, 22 जुलाई को सावन का पहला प्रदोष व्रत पड़ रहा है। प्रदोष व्रत को भगवान शिव की पूजा के लिए बेहद खास दिन माना जाता है। प्रदोष व्रत के दिन शाम को भगवान शिव की पूजा करने का विधान है। इसके साथ ही इसी दिन मंगला गौरी व्रत भी है, जो महागौरी के प्रति समर्पित त्योहार माना गया है। ऐसे में इस दिन पूजा-उपासना करने से जातक को भगवान शिव के साथ ही महागौरी का भी आशीर्वाद मिलेगा। इस दिन शाम के समय (प्रदोष काल) और निशीथ काल में भी पूजा की जाती है।

चूंकि कई वर्षों बाद मंगला गौरी व्रत और प्रदोष व्रत एक साथ पड़ रहे हैं। ऐसे में यह एक अद्भुत संयोग से कम नहीं हैं। इस दिन पूरे शिव परिवार का पूजन जातक को शुभ फल की प्राप्ति कराता है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

प्रदोष काल की पूजा

प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद का समय होता है। इस समय को अध्यात्मिक दृष्टि से बेहद अहम माना जाता है। इस समय में योग, ध्यान और अध्यात्मिक क्रियाएं की जाती हैं। इसीलिए आदियोगी शिव की पूजा करना बेहद शुभ फलदायक है। प्रदोष काल में चार प्रहर की पूजा की जाती है।

निशीथ काल की पूजा

जानकारी दे दें कि इस दिन निशीथ काल यानी रात के 9 बजे के बाद का समय होता है। इस दौरान शिवजी की पूजा के साथ भगवान शिव की स्तुति और स्तोत्र का पाठ भी कर सकते हैं। जैसे- रुद्राष्कम, शिव षडक्षर स्तोत्रम और शिव चालीसा।

कैसे करनी है पूजा?

सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठें और फिर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं और साफ वस्त्र पहनें। इसके बाद घर के मंदिर की सफाई करें और एक चौकी लें। फिर उस पर मां गौरी और भगवान शिव की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। मां गौरी को लाल रंग का वस्त्र अर्पित करें और भगवान शिव को सफेद वस्त्र अर्पित करें। इसके बाद प्रतिमा के सामने घी का दीया जलाएं और शिव चालीसा और मां पार्वती की चालीसा करें। इसके बाद आरती करें और क्षमा याचना भी करें।

शुक्र का 26 जुलाई को मिथुन में होगा गोचर, चमक उठेगी 4 राशियों की किस्मत

शुक्र ग्रह का गोचर 26 जुलाई मिथुन राशि में होगा, यह ज्योतिषीय घटना विशेष रूप से कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ साबित हो सकती है। शुक्र को एक ऐसे ग्रह के रूप में जाना जाता है जो प्रेम, सौंदर्य, धन, और रिश्तों का प्रतीक है।

मिथुन -शुक्र का गोचर मिथुन राशि में अपने घर में ही हो रहा है, जिससे मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय अत्यंत शुभ साबित होगा। यह समय आपके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में नई शुरुआत का हो सकता है। आपके रिश्तों में तालमेल और प्यार बढ़ेगा, और आप अपने परिवार के साथ समय बिता पाएंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपके लिए लाभकारी परिणाम हो सकते हैं। आपको अपनी प्रतिभा को उजागर करने का मौका मिलेगा, और आपके प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

तुला -तुला राशि के जातकों के लिए शुक्र का मिथुन में गोचर उनके लिए एक नए अवसर लेकर आ सकता है। शुक्र का प्रभाव इस राशि के लोगों को अपने संचार कौशल में निखार लाने का मौका देगा। जो लोग नौकरी या व्यापार से जुड़े हैं, उनके लिए यह समय सफलता का हो सकता है। आपकी मेहनत अब रंग लाएगी, और आपको अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। रिश्तों में भी सुधार होगा, और आप अपने प्रियजनों के साथ समय बिता सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह समय अनुकूल रहेगा, और यदि आपने कोई निवेश किया है, तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

धनु -धनु राशि के जातकों के लिए शुक्र का गोचर एक नया अवसर लेकर आएगा, खासकर संबंधों और संचार में सुधार के रूप में। इस समय आप अपने व्यक्तिगत जीवन में शांति और संतुलन अनुभव करेंगे। नौकरी में भी पदोन्नति या किसी नई जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है। आर्थिक रूप से यह समय शुभ रहेगा और पुराने कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। इसके अलावा, शिक्षा और यात्रा के मामले में भी अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं, जिससे आपकी स्थिति मजबूत हो सकती है।

कुंभ -कुंभ राशि के जातकों को शुक्र के गोचर से अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में सुख-शांति का अनुभव होगा। यह समय आपके लिए आर्थिक दृष्टि से भी लाभकारी हो सकता है। आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है और आपके कामकाजी जीवन में भी तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं। यदि आपने लंबे समय से कोई निवेश किया है, तो वह अब आपको अच्छे परिणाम देने लगेगा। परिवार और रिश्तों में भी कारात्मक परिवर्तन आएंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

लंदन में सीक्रेटली रिकॉर्डिंग होने पर भड़के अक्षय कुमार

लंदन से अक्षय कुमार का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो सीक्रेटली उन्हें शूट करने वाले एक फैन पर भड़क गए हैं। अक्षय ने जमकर गुस्सा किया और बाद में लड़के से कैमरा छीनने की भी कोशिश की।

सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि अक्षय कुमार शॉर्ट्स और टी-शर्ट में ईयरपीस लगाए सड़क में टहल रहे हैं।

तभी उनकी नजर उनकी वीडियो रिकॉर्ड कर रहे शख्स पर पड़ती है। अक्षय तुरंत उसे उंगली दिखाते हुए गुस्से में रोकने की कोशिश करते हैं और फिर नजदीक आकर कैमरा छीनते हैं।

ये वीडियो लंदन में रहने वाले हैरी नाम के शख्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किए गए हैं। एक वीडियो के साथ हैरी ने लिखा है, मैं ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट पर टहल रहा था, जब मेरी बॉलीवुड के बेहतरीन स्टंटमैन पर नजर पड़ी।वहीं शेयर किए दूसरे वीडियो में अक्षय कुमार गुस्से में दिख रहे हैं। इसके साथ हैरी ने लिखा है, जिस तरह गुस्से से उन्होंने मुझसे मोबाइल छीनने की कोशिश की वो एक अमेजिंग एक्सपीरियंस है।

फैन द्वारा शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि गुस्सा करने के बाद अक्षय ने उस लड़के के साथ फोटो भी क्लिक करवाई है।

वीडियो वायरल होने के बाद कई लोग सेलेब्स की प्राइवेसी का मुद्दा उठा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, लोगों के पास ये सिविक सेंस कब आएगा कि किसी को उनके कंसेंट के बिना शूट नहीं करते हैं। शर्मिंदगी भरा एक्ट है। आप नॉर्मली उनसे सेल्फी के लिए पूछ सकते थे। वहीं एक यूजर ने लिखा, आप ये क्यों कर रहे हैं। इसके अलावा भी कई फैंस अक्षय कुमार की नाराजगी का समर्थन कर रहे हैं।

बताते चलें कि अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म भूत बंगला, वेलकम टू द जंगल और हेरा फेरी 3 में नजर आने वाले हैं।

एकता कपूर के फैंस के लिए खुशखबरी

फिल्म निर्माता-निर्देशक एकता कपूर इन दिनों अपने टीवी सीयियल 'नागिन' के सीजन सात को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 'नागिन 7' के आने का हर एक प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहा है। एकता सीरियल नागिन के अभी तक छह सीजन की कहानी को रोमांचक तरीके से पर्दे पर पेश करती आई हैं। अब वह जल्द ही 'नागिन 7' लेकर आने वाली हैं। जानिए कब नागिन सीजन 7 की झलक देखने को मिलेगी।

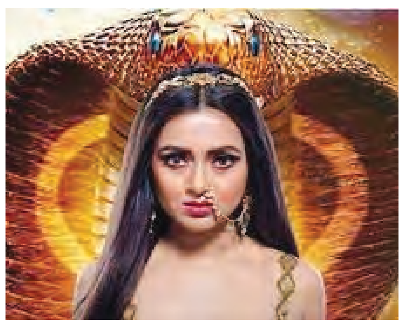

कब दिखेगी नागित 7 की झलक

टेलीचक्कर के मुताबिक, 'नागिन के दीवानों, तैयार हो जाइए! नागिन सीजन 7 का रोमांचक टीजर इस नाग पंचमी, 29 जुलाई को रिलीज होगा। रहस्य, शक्ति और प्रतिशोध की एक अनोखी दुनिया में गोता लगाने के लिए तैयार हो जाइए, जैसा आपने पहले कभी नहीं देखा। कौन उत्साहित है?

अनूप जलोटा ने बिग बॉस को कहा स्क्रिप्टेड

आरोप- मेकर्स के कहने पर जसलीन मथारू ने रिलेशनशिप में होने का ड्रामा किया, बोले- नहीं था अफेयर

भजन सिंगर अनूप जलोटा बिग बॉस 12 का हिस्सा बने थे। वो शो में 31 साल छोटी जसलीन मथारू के साथ पहुंचे थे, जिसके बाद से ही खबरें चर्चा में आ गईं कि अनूप और जसलीन का अफेयर है। हालांकि अब अनूप जलोटा ने बिग बॉस के मेकर्स पर संगीन आरोप लगाए हैं। सिंगर का कहना है कि उनका जसलीन से अफेयर नहीं था, लेकिन मेकर्स ने जसलीन पर ऐसा कहने के लिए दबाव बनाया था।

हाल ही में लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में अनूप जलोटा ने जसलीन मथारू से अफेयर की खबरों को खारिज किया है। अनूप जलोटा ने कहा, 'जसलीन बहुत अच्छी सिंगर है। वो हमसे सीखने आती थी। पांच छह बार आई है। ज्यादा नहीं आई। एक बार आई और उसने मुझे कहा कि अनूप जी मुझे बिग बॉस से ऑफर आया। मैंने कहा बन गई बात तुम्हारी, अब तुम्हारा नाम हो जाएगा। तो मैंने कहा जाओ यह तो अच्छा मौका है। तो बोली नहीं उन्होंने (मेकर्स) एक शर्त रखी है कि आप विचित्र जोड़ी बना के आइए।'

आगे अनूप जलोटा ने कहा, 'मैंने उससे कहा सुखविंदर जी को ले जाओ उनके साथ तुम परफॉर्मेंस भी करती हो। उसने कहा, 'नहीं उन्होंने मना कर दिया है', तो मैंने कहा मैं भी तो मना कर रहा हूं, मैं नहीं आऊंगा। मुझे टाइम नहीं मिलता है, 20 तो कॉन्सर्ट करता हूं। खैर उसके पिताजी भी आए उन्होंने मुझे मनाया। उन्होंने मुझसे बातें कीं तो मैंने कहा ठीक है चलो चलता हूं लेकिन एक शर्त पे चलूंगा कि हम गुरु शिष्य बनकर जाएंगे। उसने कहा ठीक है।'

स्टेज पर जाते ही पलट गई जसलीन मथारू

बातचीत में अनूप जलोटा ने आगे कहा, 'जब पहले दिन (बिग बॉस के) स्टेज पर आए, सलमान खान खड़े थे। मैं आया मैंने गाना गाया। सलमान कहने लगे मजा आ गया आपने क्या अच्छा गाया है आपके साथ अब कौन आया है मैंने कहा मेरी शिष्य आई हैं। फिर उसने एक आइटम करके दिखाया। फिर वो आई सामने तो सलमान ने पूछा शिष्य है इनकी, तो वो कहती है नहीं मेरा इनसे तीन साल से अफेयर चल रहा है। मैंने कहा ये क्या है यह तो तय नहीं था, हम तो जानते ही नहीं थे इतना। चार पांच बार तो गाना सीखने आई थी बस। अब मैं सोच रहा हूं कि क्या गेम हुआ होगा किसने पढ़ाया होगा कि तुमको ये बोलना है।''अंदर चलते-चलते मैंने उसको बोला अभी ये क्या हो गया? ये तो तुमको नहीं बोलना था। तो उसने कहा, नहीं इससे वो कुछ बनता है वो तो मैं समझ गया कि पीछे कुछ गेम हुआ होगा। बिग बॉस वालों ने कहा होगा बोल देना।'

अनूप जलोटा ने बताया है कि शो से निकलने के बाद उनकी जमकर आलोचना हुई थी। जिसके बाद उन्होंने जसलीन के पिता के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी अफवाहों पर विराम लगाया था। उन्होंने ये तक ऐलान किया था कि वो जसलीन का कन्यादान करेंगे।

'नेपोकिड का दाईजान' कहे जाने पर भड़के करण जौहर

सरेआम भड़ककर ट्रोलर को लगाई फटकार, कहा- चुप कर, खुद कुछ काम कर

हाल ही में करण जौहर ने अहान पांडे की फिल्म सैयारा की तारीफ करते हुए एक लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर की है। हालांकि इस पोस्ट से ज्यादा चर्चा करण के उस कमेंट की हो रही है, जो उन्होंने एक ट्रोलर के लिए किया है। दरअसल, करण की पोस्ट सामने आने के बाद एक ट्रोलर ने फिर एक बार नेपोटिज्म का मुद्दा खड़ा करते हुए करण जौहर को ही नेपोकिड की दाईजान कह डाला है। इस ट्रोलर को नजरअंदाज करने की बजाय इस बार करण ने मजेदार जवाब दिया है।

करण जौहर की पोस्ट में शख्स ने लिखा, 'आ गया नेपोकिड का दाईजान।'

इसके जवाब में करण जौहर ने लिखा, 'चुप कर, घर बैठे-बैठे नेगेटिविटी मत पाल, दो बच्चों का काम देख और खुद कुछ काम कर।'

क्या थी करण जौहर की पोस्ट

करण जौहर ने अहान पांडे की फिल्म सैयारा की तारीफ करते हुए लिखा था, 'मुझे याद नहीं आखिरी बार किसी फिल्म को देखकर ऐसा कब महसूस हुआ था, आंखों से आंसू बह रहे थे लेकिन दिल में एक गहरी खुशी भी थी। खुशी इस बात की कि एक खूबसूरत प्रेम कहानी ने सिल्वर स्क्रीन पर जीत हासिल की है और पूरे देश को फिर से प्यार में डाल दिया है। मुझे सबसे ज्यादा गर्व इस बात का है कि मेरी 'आल्मा मेटर' (जहां से मैंने शुरुआत की थी) यशराज फिल्म्स ने एक बार फिर से सच्चा प्यार वापस लाया है। फिल्मों में और हमारी फिल्म इंडस्ट्री में। आदित्य (चोपड़ा), मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं और ये कहने में बहुत गर्व महसूस करता हूं कि मैं हमेशा के लिए यशराज फिल्म्स का स्टूडेंट हूं। अक्षय विधानी, तुम्हारा एक प्रोड्यूसर के तौर पर ये डेब्यू कमाल का रहा। ये बॉल तो सीधा मैदान के बाहर जा चुकी है। शानदार काम। बधाई हो।'

आगे करण ने लिखा, 'मोहित सुरी ने अपने करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म बनाई है। उनकी कहानी कहने की कला, उनका निर्देशन और खासकर जिस तरह उन्होंने संगीत का उपयोग किया है, वह कमाल का है। इस फिल्म में संगीत सिर्फ एक बैकग्राउंड नहीं, बल्कि एक किरदार जैसा लगता है। अहान पांडे, क्या जबरदस्त डेब्यू किया है तुमने।

वो सिंगर जो लता मंगेशकर को टक्कर देती थीं

कई हिट गाने गाए, फिर पाई-पाई की मोहताज हुई, सलमान ने दवाइयों का खर्च उठाया था

1950 से 1970 के बीच, लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी की आवाजें हर जगह सुनाई देती थीं। हर रेडियो पर उनके ही गाने चलते थे, हर महफिल में उन्हीं के नगमे गूंजते थे, लेकिन उसी दौर में एक और गायिका थीं, जिनकी आवाज में सादगी थी, दर्द था और बहुत सारी भावनाएं थीं। उनका नाम था मुबारक बेगम। जिन्होंने कई फिल्मों में हिट गाने गाए, लेकिन बाद में गुमनामी में जिंदगी काटी।

मुबारक बेगम ने बचपन में ऑल इंडिया रेडियो के लिए गाना शुरू किया। 1949 में उन्होंने फिल्म 'आईए' में पहली बार गाना गाया। इस फिल्म में उन्होंने ₹मोहे आने लगी अंगड़ाई, आजा आजा₹ गाया। इसी फिल्म में उन्होंने लता मंगेशकर के साथ एक गीत ₹आओ चले सखी वहां₹ भी गाया था।

1950 और 1960 के दशक में मुबारक बेगम ने कई मशहूर गाने गाए। 1955 में फिल्म 'देवदास' में उनका गाना ₹वो न आएंगे पलट कर₹ बहुत फेमस हुआ। 1958 की फिल्म 'मधुमती' में उन्होंने ₹हम हाल-ए-दिल सुनाएंगे₹ गाया। 1961 में फिल्म 'हमारी याद आएगी' का गाना ₹कभी तन्हाइयों में यूं, हमारी याद आएगी₹ उनका सबसे मशहूर गीत बन गया। इसके बाद उन्होंने हमराही में ₹मुझको अपने गले लगा लो₹ और फिल्म 'जुआरी' में ₹नींद उड़ जाए तेरी₹ जैसे हिट गाने दिए।

बता दें कि मुबारक बेगम ने करीब 110 फिल्मों में 170 से ज्यादा गाने गाए। उनकी आवाज में मिठास थी, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें उतना सपोर्ट नहीं मिला। फिर धीरे-धीरे उन्हें काम मिलना बंद हो गया। 1970 के बाद मुबारक बेगम फिल्मों से दूर हो गईं, लेकिन संगीत के प्रति उनका प्यार बना रहा। बढ़ती उम्र के साथ उनकी हेल्थ बिगड़ती गई और परिवार की आर्थिक हालत भी खराब हो गई। उन्हें मुंबई के जोगेश्वरी स्थित बेहराम बाग में एक छोटे से एक कमरे वाले मकान में अपने बेटे, बहू और पोती के साथ भी रहना पड़ा।

एक समय उनकी एकमात्र आय उनके दिवंगत पति की नौकरी से मिलने वाली पेंशन थी। वहीं, उनका बेटे हुसैन शेख कभी-कभार ड्राइवर के तौर पर काम करके कुछ कमाई करता था। जबकि उनकी देखभाल उनकी बहू जरीना हुसैन शेख करती थीं।

एक समय हालात इतने खराब हो गए मुबारक बेगम के अस्पताल का खर्च उठाना मुश्किल हो गया, तो परिवार को मदद मांगनी पड़ी।

मुबारक बेगम की बहू जरीना ने मीडिया को बताया था कि एक्टर सलमान खान हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जो लंबे समय से लगातार परिवार की आर्थिक मदद कर रहे थे। उन्होंने मुबारक बेगम की सारी दवाओं का खर्च उठाया था।

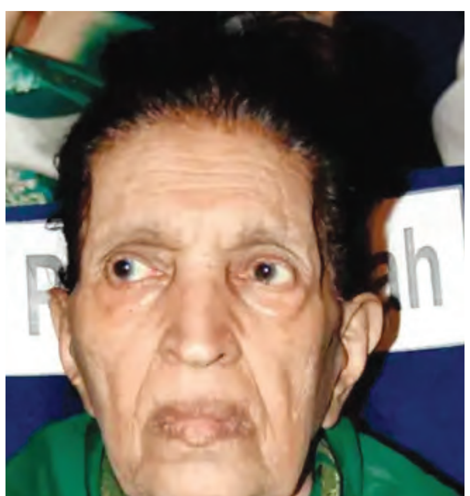

जून 2016 में महाराष्ट्र सरकार के तत्कालीन मंत्री विनोद तावड़े ने भी मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। हालांकि, सरकारी योजना के तहत वह परिवार को पैसे नहीं दिला सके, लेकिन उन्होंने अपने करीबी लोगों द्वारा चलाए जा रहे एक ट्रस्ट से सहायता दिलवाई, जिससे मुबारक को कुछ आर्थिक राहत मिली। फिर 80 साल की उम्र में 18 जुलाई 2016 को उनका निधन हो गया।

इस्कॉन मंदिर के वेज रेस्टोरेंट में लड़के ने खाया चिकन

बादशाह ने भड़ककर कहा- इसे चिकन की नहीं चेहरे पर चप्पलों की भूख है

हाल ही में विदेश के इस्कॉन मंदिर के गोविंद रेस्टोरेंट का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स चिकन खाता नजर आ रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद शाकाहारी रेस्टोरेंट में मांस खाने वाले शख्स की जमकर आलोचना हो रही है। अब सिंगर और रैपर बादशाह ने भी शख्स को जमकर लताड़ लगाई है।

बादशाह ने अपने ऑफिशियल X अकाउंट (पहले ट्विटर) पर उस शख्स का वीडियो री-पोस्ट कर लिखा है, यहां तक की चिकन भी शर्मिंदा होगा। इस लड़के को चिकन की नहीं, चेहरे पर चप्पलों की भूख है। असल ताकत इस चीज की इज्जत करने में है, जिसे हम नहीं समझते।

क्या है पूरा विवाद

दरअसल, रविवार को एक अफ्रीकन शख्स का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में देखा जा सकता है कि वो शख्स इस्कॉन मंदिर के गोविंद रेस्टोरेंट में प्रवेश करता है। वो सीधे काउंटर पर पहुंचता है, जहां दो महिलाएं ऑर्डर ले रही थीं। वो शख्स उनसे पूछता है कि क्या ये वीगन रेस्टोरेंट है। इस पर एक महिला हां में जवाब देती है। आगे वो शख्स फिर पूछता है, मतलब यहां मीट नहीं है। इस पर महिला कहती है, मीट नहीं, प्याज नहीं, लहसुन नहीं।

दो तीन बार यही सवाल करने के बाद वो शख्स अपने हाथ में रखे एक पॉलीबैग से केएफसी का बॉक्स निकालता है और वहीं चिकन खाना शुरू कर देता है। ये देखकर वहां खड़ी महिला डर जाती है। वो लगातार उस लड़के को वहां से निकलते की हिदायत देती है, लेकिन लड़का हर बात नजरअंदाज कर वहीं चिकन खाता रहता है। इस दौरान देखा जा सकता है कि लड़के के पास खड़ा एक आदमी भी उसे साफ शब्दों में कहता है कि ये एक शाकाहारी रेस्टोरेंट है, आप यहां नॉनवेज नहीं खा सकते, लेकिन वो लड़का कुछ सुनने को तैयार नहीं था।

गोली लगने से शिल्पा शिरोडकर की मौत !

साल 1995 में जब शिल्पा शिरोडकर फिल्म 'रघुवीर' की शूटिंग कर रहीं थीं, तब अफवाह फैली कि गोली लगने से उनकी मौत गई है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभाई, उनके साथ शिल्पा शिरोडकर, सुरेश ओबेरॉय, सुधा चंद्रन, मोहनीश बहल, अरुणा ईरानी, गुलशन ग्रोवर और प्रेम चोपड़ा थे। फिल्म की शूटिंग के दौरान अफवाह फैली कि शिल्पा शोरोड़कर की गोली लगने की वजह से मौत हो गई है। इस अफवाह के बाद अभिनेत्री के घर पर मातम पसर गया। हालांकि, बाद में निर्माताओं ने उन्हें बताया कि यह फिल्म के लिए प्रचार का एक तरीका था।

शूटिंग के वक्त उड़ी थी अफवाह

पिंकविला से हाल ही में बातचीत में, शिल्पा शिरोडकर ने इस गलतफहमी के बारे में बात की। उन्होंने कहा 'मैं कुल्लू मनाली में थी। मेरे पिताजी होटल में फोन करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि उस समय हमारे पास मोबाइल फोन नहीं थे। मैं वहां सुनील शेट्टी के साथ शूटिंग कर रही थी। वहां शूटिंग देख रहे सभी लोग यही सोच रहे थे कि यह शिल्पा है या कोई और, क्योंकि उन्हें खबर पता थी।'

शिल्पा को की गई 25 मिस्ड कॉल

शिल्पा ने आगे कहा 'जब मैं कमरे में वापस आई, तो लगभग 20-25 मिस्ड कॉल पड़े थे। मेरे माता-पिता चिंतित थे, क्योंकि अखबार में हेडलाइन छपी थी कि शिल्पा शिरोडकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।'

कांस में कल्कि कोचलिन को बड़े प्रोड्यूस ने किया हैरेस

एक्ट्रेस बोलीं- उस वक्त मैं स्टूडेंट थी, काम मांगने पर कहा साथ रहना होगा

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन ने एक हालिया इंटरव्यू में इंडस्ट्री से जुड़े अपने तमाम अनुभवों पर बात की है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें दो बार कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा है। इंडस्ट्री में उन्हें उनके लुक की वजह से बुरा फील कराया जाता था। एक बार एक प्रोड्यूसर ने उन्हें बोटॉक्स लेने की सलाह दी थी और ये सारी बातें ही बहुत कैजुअल तरीके से बोल दी जाती थीं।

जूम को दिए इंटरव्यू में कल्कि ने पहली घटना का जिक्र किया, जो उस समय घटी जब वह लंदन में छात्रा थीं और नोकिया फोन की प्रोमो गर्ल के तौर पर कान्स गयी थीं। वो कहती हैं- 'मेरे साथ ये दो बार हुआ है, जब मैं बहुत असहज हो गई थी। पहला एक्सपीरियंस इस इंडस्ट्री से नहीं जुड़ा है। मेरा पहला अनुभव कान का है। उस वक्त मैं एक्ट्रेस भी नहीं थी। मैं लंदन में एक स्टूडेंट थी। कान में मैं नोकिया फोन बेचने गई थी। मैं नोकिया फोन की प्रोमो गर्ल थी। वहां पर एक इंडियन प्रोड्यूसर थे, जो मेरी मां से जुड़े किसी शख्स को जानते थे। उन्होंने मुझे अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग पर बुलाया। बाद में, उन्होंने मुझे डिनर पर इनवाइट किया। मैंने जब उनसे वर्क ऑपर्च्युनिटी के बारे में पूछा, तो उन्होंने साफ कह दिया कि इसके लिए मुझे उनके साथ रहना होगा।'

कास्टिंग काउच के दूसरे एक्सपीरियंस का उन्हें तब सामना करना पड़ा, जब वो फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए मुंबई आईं। एक मेजर फिल्म के ऑडिशन के दौरान, एक प्रोड्यूसर ने उनसे कहा कि वो उन्हें और बेहतर तरीके से जानना चाहते हैं।

दाऊद इब्राहिम इस हसीना के प्यार में था पागल

कभी ऐश्वर्या राय ने किया था रिप्लेस, बनना चाहती थी प्रधानमंत्री

बॉलीवुड और ग्लैमर की दुनिया में स्कैंडल्स, अफेयर्स और विवाद कोई नई बात नहीं हैं। अभिनेत्रियां अक्सर अपने निजी और पेशेवर जीवन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं, चाहे वो किसी से फिल्मी रिश्ता हो, तलाक या फिर विवादित कनेक्शन, लेकिन इस बार कहानी किसी बॉलीवुड या साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस की नहीं, बल्कि पाकिस्तान की एक ऐसी अदाकारा की है, जो न सिर्फ अपनी खूबसूरती और अभिनय के लिए जानी जाती हैं, बल्कि एक बेहद सनसनीखेज नाम से भी जोड़ी गईं, जो अंडरवर्ल्ड डॉन और भारत के मोस्ट वांटेड अपराधी दाऊद इब्राहिम।

कौन हैं मेहविश हयात?

मेहविश का नाम पाकिस्तानी सिनेमा की सबसे कामयाब और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में लिया जाता है। उन्होंने अपनी फिल्मों के जरिए करोड़ों दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन उनके करियर में एक ऐसा मोड़ भी आया, जब उनका नाम दाऊद इब्राहिम से जोड़ा गया और यहीं से शुरू हुई एक और विवादों से भरी कहानी। मेहविश ने फिल्मी करियर की शुरुआत 'जवानी फिर नहीं आनी' (2015) से की थी। इसके बाद वह 'एक्टर इन लॉ' (2016), 'पंजाब नहीं जाऊंगी' (2017), 'लोड वेडिंग' (2018) और 'लंदन नहीं जाऊंगा' (2022) जैसी ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। ये

फिल्में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शुमार की जाती हैं और मेहविश को एक सफल कमर्शियल हीरोइन के तौर पर स्थापित करती हैं। साल 2019 में जब मेहविश हयात को पाकिस्तान सरकार ने नागरिक सम्मान तमगा-ए-इम्तियाज से नवाजा, तभी से उनके बारे में अफवाहें फैलने लगीं कि उन्हें यह सम्मान अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की मदद से मिला है। कुछ रिपोर्ट्स में यह तक दावा किया गया कि दाऊद एक आइटम नंबर में उन्हें देखने के बाद उनके प्रति आकर्षित हो गया था और उसने उन्हें पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में प्रमुख भूमिकाएं दिलवाने में मदद की। यह भी कहा गया कि मेहविश और दाऊद के बीच का रिश्ता सिर्फ व्यक्तिगत नहीं बल्कि पेशेवर रूप से भी उन्हें ऊंचाई तक ले गया। हालांकि, मेहविश हयात ने कभी इस बारे में खुलकर कुछ नहीं कहा है।

बारिश में बढ़ता आई इन्फेक्शन का रिस्क

मानसून में कैसे रखें आंखों का ख्याल, आई स्पेशलिस्ट के सुझाव

आंखें हमारे शरीर का सबसे नाजुक और सेंसिटिव हिस्सा हैं, जिनकी देखभाल हर मौसम में जरूरी है। हालांकि मानसून के दौरान इनकी सुरक्षा और भी अहम हो जाती है। इस मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है और हवा में मौजूद बैक्टीरिया व वायरस तेजी से फैलते हैं, जो आंखों के लिए खतरनाक हैं। इसलिए आंखों की सफाई और हाइजीन को लेकर थोड़ी भी लापरवाही गंभीर समस्या बन सकती है। मानसून में आंखों के इन्फेक्शन से कैसे बचा जा सकता है? इस मौसम में आंखों की देखभाल के लिए किन बातों का ध्यान रखें? इस दौरान वातावरण में लगातार बनी रहने वाली नमी, जगह-जगह जमा गंदगी और हवा में मौजूद बैक्टीरिया व वायरस आंखों के लिए परेशानी बढ़ा देते हैं। बारिश के पानी में कई तरह के सूक्ष्मजीव एक्टिव हो जाते हैं, जो आंखों के संपर्क में आने पर इन्फेक्शन फैला सकते हैं। साथ ही इस मौसम में लोग अक्सर गीले हाथों या गंदे रुमाल से आंखें पोंछ लेते हैं, जिससे इन्फेक्शन फैलने का खतरा और बढ़ जाता है। इस मौसम में आंखों को बार-बार छूना, साफ-सफाई में लापरवाही और इन्फेक्टेड व्यक्ति के संपर्क में आना कई तरह

के इन्फेक्शन को जन्म दे सकता है। इसमें कंजंक्टिवाइटिस, स्टाई, एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस और ड्राई आई इन्फेक्शन सबसे आम है। इनकी सही पहचान और समय पर देखभाल जरूरी है, जिससे यह समस्या गंभीर न बन सके। मानसून के मौसम में आंखों को इन्फेक्शन से बचाने के लिए कुछ बेसिक हाइजीन आदतों को अपनाना जरूरी है। सबसे पहले बार-बार हाथ धोने की आदत डालें और आंखों को बिना वजह छूने से बचें। अगर आंखों में जलन या खुजली हो तो बिना डॉक्टर की सलाह के कोई दवा या आई ड्रॉप इस्तेमाल न करें। जो लोग कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, उन्हें इस मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। गीले या गंदे हाथों से लेंस लगाना, लेंस सॉल्यूशन को दोबारा इस्तेमाल करना या बारिश में भीगने के बाद लेंस न हटाना आंखों में इन्फेक्शन, एलर्जी या कॉर्नियल अल्सर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए हमेशा साफ हाथों से लेंस लगाएं और इस्तेमाल के बाद लेंस को स्टेराइल सॉल्यूशन में ही स्टोर करें। बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी अपेक्षाकृत कमजोर होती है। इसलिए बदलते मौसम, बैक्टीरिया और वायरस की मौजूदगी के कारण ये इन्फेक्शन की चपेट में जल्दी आ सकते हैं। पेरेंट्स बच्चों को हाथ साफ रखने की आदत सिखाएं और अगर आंखों में जलन या लालिमा दिखे तो स्कूल भेजने से बचें। बच्चों के खिलौने, तकिए और तौलिए को साफ रखें। इससे किसी भी तरह के बैक्टीरिया से आंखों को बचाया जा सके।

पेट पिचकेगा, कमर से उतरेगी चर्बी

वैद्य ने बताया 10 किलो घटाने का देसी उपाय

मोटापा भारत की सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। मोटापा न सिर्फ आपकी सुंदरता को कम करता है बल्कि यह डायबिटीज आर कैंसर से लेकर हार्ट अटैक तक कई गंभीर और जानलेवा स्थितियों का कारण बनता है। आजकल फास्ट फूड का चलन जोरों पर है, लोगों का लाइफस्टाइल पूरी तरह बदल गया है। खाना-पीना, उठाना-बैठना, सोना-जागना सब बदल गया है, जोकि मोटापे के सबसे बड़े कारण हैं। राजस्थान के फेमस वैद्य जगदीश सुमन आपको वजन कम करने का एक देसी उपाय बता रहे हैं जिसके जरिए आप कुछ दिनों में पूरे शरीर की चर्बी को कम कर सकते हैं। वैद्य ने बताया कि यह नुस्खा आजमाया हुआ है और गारंटी के साथ वजन कम कर सकता है।

आपको क्या-क्या चीजें चाहिए

सिंबल की गोंद- 60 ग्राम

कीकर की गोंद- 100 ग्राम

चिलगोजा की गोंद- 100 ग्राम

सौंफ- 100 ग्राम

देसी अजवाइन- 100 ग्राम

जीरा- 100 ग्राम

कहां मिलेंगी वजन कम करने वाली चीजें

वैद्य ने बताया कि सौंफ, जीरा, अजवाइन आदि आपके किचन में मौजूद होती हैं बाकी सभी चीजें आपको किसी अच्छे पंसारी के यहां मिल सकती हैं। इन चीजों से वजन कम करने वाला नुस्खा तैयार करना आसान है।

कैसे तैयार करें नुस्खा

वैद्य ने बताया कि अगर आप जल्दी वजन कम करना चाहते हैं, तो यह नुस्खा आपके लिए असरदार साबित हो सकता है। इसे तैयार करना भी बहुत आसान है। सारी चीजों को बराबर मात्रा में लेकर मिक्सी में पीस लें और बारीक पाउडर बना लें। मिश्रण को एक प्लास्टिक के डिब्बे में स्टोर कर लें। वैद्य ने बताया कि इसे लेना भी बहुत आसान है। रात को सोने से पहले एक चम्मच पाउडर को गुनगुने पानी के साथ ले। इसके अलावा सुबह उठते ही एक चम्मच पाउडर को गुनगुने पानी के साथ लेने से आपको बहुत जल्दी वजन कम महसूस होने लगेगा।

वैद्य ने बताया कि यह आयुर्वेद का पावरफुल नुस्खा है। यह छह चीजें वजन कम करने में बहुत बढ़िया असर करती हैं। इस मिश्रण के सेवन के बाद आप खुद सोचेंगे कि वैद्य ने क्या चीज बताई है। इसके सेवन से आपका वजन कुछ ही दिनों में कम होने लगेगा। वैद्य ने बताया कि वजन कम करने के इस नुस्खे को अच्छी तरह आजमाया हुआ है और यह कॉन्फिडेंस के साथ वजन कम कर सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इसके कोई साइड इफेक्ट्स नहीं हैं और इसमें शामिल सभी चीजें वजन कम करने में बढ़िया काम करती हैं।

दांत पीले क्यों पड़ते हैं : क्या सफेद दांत ही होते हैं हेल्दी

हममें से ज्यादातर लोग दांतों की सफेदी को ही उनकी सेहत और सफाई का पैमाना मानते हैं। जब कोई मुस्कुराते हुए चमकते सफेद दांत दिखाता है तो हमें लगता है कि उसके दांत बिल्कुल हेल्दी होंगे। लेकिन दांतों का रंग सच में उनकी मजबूती और साफ-सफाई को नहीं दर्शाता है। हल्के पीले दांत भी पूरी तरह स्वस्थ और मजबूत हो सकते हैं।

दांतों के पीले पड़ने का मुख्य कारण क्या है?

क्या सफेद दांत ज्यादा हेल्दी होते हैं?

दांत पीले या बदरंग क्यों हो जाते हैं?

हमारे दांतों की सबसे बाहरी परत को इनैमल (Enamel) कहा जाता है। यह बहुत मजबूत होती है, लेकिन इसमें सूक्ष्म छिद्र (microscopic pores) होते हैं। जब हम चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक या शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं तो इनके रंग और दाग इन छिद्रों में धीरे-धीरे जमा होने लगते हैं। यही कारण है कि समय के साथ दांतों का रंग फीका पड़ने लगता है और वे पीले या बदरंग दिखने लगते हैं।

अगर आप दिन में दो बार सही तरीके से ब्रश और फ्लॉस नहीं करते हैं तो दांतों पर एक चिपचिपी परत (प्लाक) जम जाती है। समय के साथ यह परत सख्त होकर टार्टर बन जाती है। ये टार्टर खाने के रंग और

बैक्टीरिया को पकड़ लेता है, जिससे दांत पीले हो जाते हैं। चाय, कॉफी, कोक, वाइन और कुछ स्पोर्ट्स ड्रिंक्स में आर्टिफिशियल कलर और एसिड होते हैं। ये धीरे-धीरे दांतों की ऊपरी परत में जमा हो जाते हैं और दांतों को पीला कर देते हैं। अगर लंबे समय तक इनका सेवन किया जाए और सफाई सही से न हो तो दाग पक्के हो जाते हैं। सिगरेट और तंबाकू में निकोटीन होता है, जो दांतों पर पीले या भूरे दाग छोड़ता है। लंबे समय तक स्मोकिंग करने से ये दाग गहरे होते जाते हैं और दांतों की ऊपरी परत (इनैमल) के अंदर तक पहुंच सकते हैं। कई बार दांतों का पीला रंग जेनेटिक होता है। अगर माता-पिता के दांत पीले हैं तो बच्चों के भी हो सकते हैं। इसके अलावा उम्र बढ़ने पर इनैमल घिसता है और नीचे की पीली परत (डेंटिन) ज्यादा दिखने लगती है। कुछ एंटीबायोटिक दवाएं, जैसे टेट्रासाइक्लिन या ऑक्सिटेट्रासाइक्लिन बच्चों के दांत बनने के समय दी जाएं तो उनका रंग बदल सकता है। दांत ग्रे या पीले दिखाई देने लगते हैं। अगर दांत या मुंह पर चोट लग जाए तो दांत की सतह टूट सकती है या अंदरूनी हिस्सा डैमेज हो सकता है। इससे दांत का रंग बदल सकता है। डॉ. पुनीत आहूजा कहते हैं कि दांतों का रंग देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि दांत हेल्दी हैं या नहीं। असली बात ये है कि दांत मजबूत हैं या नहीं और आप मुंह की सफाई यानी ओरल हाइजीन का कितना ध्यान रखते हैं। अगर दांतों की ऊपर की परत यानी इनैमल सुरक्षित है तो हल्के पीले दांत भी उतने ही मजबूत होते हैं जितने सफेद दांत। कई बार बहुत सफेद दांत सिर्फ दिखने में अच्छे होते हैं, लेकिन उनके अंदर कैविटी या बैक्टीरिया हो सकते हैं। हल्के पीले दांतों में आमतौर पर सेंसिटिविटी कम होती है। जब तक इनैमल घिसा न हो। दूसरी ओर बहुत सफेद दांत (खासतौर पर ब्लीच किए गए) का इनैमल पतला हो सकता है, जिससे ठंडा-गर्म लगना शुरू हो सकता है। अगर ओरल हाइजीन ठीक नहीं है तो पीले दांतों पर दाग जल्दी दिखने लगते हैं। हालांकि सफेद दांतों पर भी दाग हो सकते हैं, लेकिन शुरू में वे कम नजर आते हैं और बाद में साफ दिखने लगते हैं। ज्यादातर लोगों के दांत नेचुरली हल्के पीले होते हैं और यह सामान्य है। बहुत सफेद दांत आमतौर पर ब्लीचिंग या अन्य ट्रीटमेंट से सफेद किए जाते हैं, जो नेचुरल नहीं होते हैं। यह समय के साथ इनैमल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। घरेलू नुस्खे जैसे बेकिंग सोडा, नींबू का रस या एक्टिवेटेड चारकोल से दांतों को साफ और सफेद दिखाने की कोशिश की जाती है, लेकिन यह तरीका हमेशा सुरक्षित नहीं होता है। इन चीजों में तेज एसिड या खुरदुरे कण होते हैं, जो दांतों की ऊपरी परत यानी इनैमल को धीरे-धीरे घिस सकते हैं।

ऐसे उपाय करते समय डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। दांतों को बिल्कुल सफेद बनाए रखना नेचुरल रूप से हमेशा संभव नहीं होता है क्योंकि समय के साथ हमारा खान-पान, उम्र, लाइफस्टाइल और आदतें दांतों के रंग को प्रभावित करती हैं।

प्रेग्नेंसी में मां की इस आदत से शिशु के दिमाग पर पड़ता है बुरा असर, पैदा हो सकता है डरपोक बच्चा

यूं तो तनाव किसी भी परिस्थिति में ठीक नहीं होता, लेकिन अगर कोई महिला प्रेग्नेंसी के दौरान स्ट्रेस लेती है, तो इसका असर सिर्फ उसके स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु पर भी गंभीर रूप से पड़ सकता है। कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि गर्भावस्था में मां के तनाव लेने से बच्चे की फिजिकल और मेंटल ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। वहीं, इस विषय में डॉक्टर समरा मसूद ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक अहम जानकारी साझा की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि प्रेग्नेंसी में स्ट्रेस किस तरह बच्चे को डरपोक, चिड़चिड़ा या एग्रेसिव बना सकता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर समरा मसूद की ओर से जारी पोस्ट में कहा गया है कि प्रेग्नेंट महिला पर चिल्लाने से सिर्फ उसका नहीं, बल्कि गर्भ में पल रहे बच्चे का भी नुकसान होता है। दरअसल, जब पति या फिर कोई शख्स गुस्से में गर्भवती महिला पर

चिल्लाता है, तो प्रेग्नेंट महिला को डर या घबराहट होने लगती है। गायनेकोलॉजिस्ट ओर से जारी पोस्ट में आगे बताया गया है कि इस स्थिति में महिला के शरीर में 'कॉर्टिसोल' जैसे स्ट्रेस हार्मोन बनते हैं। ये हार्मोन प्लेसेंटा के जरिए सीधे गर्भ में पल रहे बच्चे तक पहुंचते हैं। डॉक्टर आगे बताती हैं कि अगर मां प्रेग्नेंसी के दौरान बार-बार या लंबे समय तक ज्यादा तनाव में रहती है, तो इसका सीधा असर बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ सकता है।

मानसून में क्यों बढ़ता जॉइंट पेन

किन लोगों को रिस्क ज्यादा, डॉक्टर से जानें बचाव व सावधानियां मानसून की फुहारें जहां एक ओर मौसम को सुहाना बना देती हैं, वहीं दूसरी ओर यह अपने साथ कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आती हैं। इस मौसम में बढ़ी हुई नमी के कारण वायरल और बैक्टीरियल इन्फेक्शन का खतरा तो रहता ही है। साथ ही जिन लोगों को गठिया, जॉइंट पेन या हड्डियों से जुड़ी कोई बीमारी है, उनके लिए यह मौसम ज्यादा दर्दनाक हो सकता है। 'रिसर्च गेट' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, वातावरण में नमी, वायुदाब और हवा की रफ्तार जैसे फैक्टर जॉइंट पेन को बढ़ा सकते हैं। हालांकि सभी लोगों पर इसका प्रभाव एक जैसा नहीं होता है। 'द जर्नल ऑफ रुमेटोलॉजी' में पब्लिश एक अन्य स्टडी भी बताती है कि कम तापमान और ज्यादा नमी कुछ लोगों में जॉइंट पेन की समस्या को बढ़ा सकते हैं। इसमें उम्र और स्वास्थ्य जैसे कारकों की भूमिका अहम होती है। हालांकि कुछ जरूरी सावधानियों और घरेलू उपायों की मदद से मानसून में होने वाले जॉइंट पेन से काफी हद तक राहत मिल सकती है। बरसात के मौसम में बढ़ी हुई नमी (ह्यूमिडिटी), तापमान में उतार-चढ़ाव और वायुदाब (एटमॉस्फेरिक प्रेशर) में बदलाव शरीर को खासतौर पर जोड़ों को प्रभावित करते हैं। इसका असर उन लोगों पर ज्यादा होता है, जो पहले से अर्थराइटिस, पुराने जोड़ों के दर्द या हड्डियों की पुरानी चोट से पीड़ित हैं। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव और ज्यादा नमी के कारण जॉइंट पेन के साथ कुछ अन्य लक्षण भी देखने को मिलते हैं। खासकर उन लोगों में जो पहले से गठिया या पुराने जोड़ों के दर्द से जूझ रहे होते हैं। जैसेकि- सुबह उठने या लंबे समय तक आराम करने के बाद जोड़ों में अकड़न होना। चलने-फिरने पर जोड़ों के आसपास सूजन और दर्द होना। जॉइंट्स के मूवमेंट की क्षमता सीमित होना। प्रभावित हिस्से में भारीपन या थकान महसूस होना। ठंडी या नम हवा से घुटनों, कंधों या पीठ में दर्द बढ़ना। पुराने दर्द वाले हिस्से में हल्का दबाव भी असहनीय दर्द पैदा करना। इस मौसम में कुछ लोगों को जॉइंट पेन का रिस्क ज्यादा होता है। कुछ आसान आदतों और सावधानियों को अपनाकर मानसून में होने वाले जॉइंट पेन से काफी हद तक राहत पाया जा सकता है।

मिल सकती है? ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. पलाश गुप्ता बताते हैं कि हां, फिजियोथेरेपी से मानसून में होने वाले जॉइंट पेन को कम किया जा सकता है। इसमें पेन रिलीफ टेक्निक, मसल स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज और जॉइंट मोबिलाइजेशन जैसी थेरेपीज शामिल होती हैं, जो सूजन कम करने और मूवमेंट बेहतर करने में मदद करती हैं।

फिजिकल हेल्थ- कैसे जानें शरीर स्वस्थ है या नहीं

कम उम्र में अचानक मौत के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अक्सर वीडियो वायरल होते हैं कि कोई क्रिकेट खेल रहा है, डांस कर रहा है और गिरकर अचानक मौत हो गई। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि इनमें से ज्यादातर लोग बेहद फिट थे। वे एकदम चुस्त-दुरुस्त दिखते थे। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ये कैसे पता लगेगा कि कोई कितना स्वस्थ है। फिटनेस का पैमाना क्या होना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए हमें अपने शरीर के कुछ जरूरी संकेतों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। हम अक्सर सोचते हैं कि अगर वजन ठीक है, तो सबकुछ ठीक है। हालांकि, पूरी सेहत का अंदाजा ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर कोलेस्ट्रॉल और दिल की धड़कन जैसे कई मार्कर्स से लगाया जाता है।समय-समय पर इन मार्कर्स की जांच करवाते रहें, तो न सिर्फ बीमारी से बच सकते हैं, बल्कि लंबे समय तक फिट और खुश भी रह सकते हैं। इसे ऐसे समझिए कि अगर आप चाहते हैं कि आपकी गाड़ी स्मूदली चलती रहे तो इसकी सर्विस करवाना जरूरी होता है। इसी तरह अपने शरीर की देखभाल भी जरूरी है।

स्वस्थ्य व्यक्ति का बीपी और शुगर लेवल कितना होता है? एक मिनट में कितने बार दिल धड़कना चाहिए? अगर हमारे शरीर के नंबर इनसे मैच नहीं कर रहे तो क्या करें?

आइडियल ब्लड प्रेशर 120/80 मिमी एचजी से कम होना चाहिए।

हाई ब्लड प्रेशर हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकता है।

80 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए, 140/90 मिमी एचजी तक सामान्य माना जा सकता है, क्योंकि उम्र के साथ धमनियां कठोर हो जाती हैं। अगर ब्लड प्रेशर हाई है तो भोजन में नमक कम करें, नियमित एक्सरसाइज करें, स्ट्रेस मैनेज करें और डॉक्टर की सलाह से दवाइयां लें।लो ब्लड प्रेशर यानी 90/60 मिमी एचजी से कम है तो पर्याप्त पानी पिएं, डॉक्टर की सलाह से नमक का सेवन बढ़ाएं और अगर चक्कर या कमजोरी हो तो डॉक्टर से कंसल्ट करें। संतुलित डाइट लें, जिसमें फल, सब्जियां और साबुत अनाज शामिल हों। रोजाना 30 मिनट एक्सरसाइज करें। धूम्रपान और शराब से बचें। नियमित रूप से ब्लड प्रेशर मॉनिटर करें। स्वस्थ व्यक्ति का ए1सी लेवल यानी एचबीए 1 सी 5.7% से कम होना चाहिए। हाई लेवल प्री-डायबिटीज या डायबिटीज का संकेत हो सकता है। अगर लेवल 5.7% से 6.4% है तो प्री-डायबिटीज और 6.5% या इससे अधिक होने पर डायबिटीज का संकेत है।अगर लेवल सामान्य न हो तो? हाई लेवल है तो चीनी और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट वाली डाइट बिल्कुल न लें, नियमित एक्सरसाइज करें और डॉक्टर की सलाह से दवाइयां लें।

यूरिक एसिड बढ़ा तो गाउट का खतरा : इसे बैलेंस कैसे रखें, कंट्रोल में रखने के तरीके

जब खून में यूरिक एसिड 7मिग्रा/डीएल से ऊपर चला जाता है, तो यह जोड़ों में सूई जैसी क्रिस्टल बनाने लगता है। सबसे पहले इसका असर अंगूठे के जोड़ में दिखता है जहां सूजन, जलन और तेज दर्द वाली गाउट की तकलीफ शुरू होती है। यूरिक एसिड ज्यादा हो तो किडनी स्टोन बनने का खतरा भी बढ़ता है। जुलाई-अगस्त में पकौड़े, बियर और कम पानी पीने की आदत इस खतरे को और बढ़ा देती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान आदतें अपनाकर आप यूरिक एसिड का स्तर कम कर सकते हैं और गाउट की परेशानी को रोका जा सकता है।

500 एमजी विटामिन-सी लेने से यूरिक एसिड आधे तक घट सकता है। विटामिन-सी किडनी को यूरिक एसिड बाहर निकालने में मदद करता है। }क्या खाएंः 1 आंवला, 1 अमरूद, दाल पर नींबू।

दूध के प्रोटीन यूरिक एसिड को यूरिन के जरिए बाहर करते हैं। वहीं मटर या प्लांट प्रोटीन पाउडर यूरिक एसिड बढ़ाते हैं। हर रोज नाश्ते में 150 ग्राम दही या 1 गिलास दूध जरूर लें।

दो कप फिल्टर कॉफी में मिलने वाला कैफीन (300 एमजी) उस एंजाइम को रोकता है, जो यूरिक एसिड बनाता है। अगर रात को कैफीन से नींद बिगड़ती है, तो छाछ में जीरा डालकर पिएं। दही जमाते समय एक चम्मच प्रोबायोटिक दही मिला दें। यह फाइबर बैक्टीरिया को खाना देता है और यूरिक एसिड को बांधता है। सोने से पहले 1 गिलास पानी में 1 चम्मच इसबगोल डालकर पिएं। सुबह का यूरिन सबसे गाढ़ा होता है, जिसमें यूरिक एसिड क्रिस्टल बनने की संभावना ज्यादा होती है। इस खतरे को कम करने के लिए नियमित रूप से पानी पिएं।

अब आंखें खोलेंगी दिल का राज, अगले 10 साल में हार्ट अटैक-स्ट्रोक के खतरे का पहले ही चल जाएगा पता

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि अगर अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो ये खतरा और गहराता जाएगा। खासकर खान-पान में लापरवाही और गतिहीन जीवनशैली को इस संकट का सबसे बड़ा गुनहगार माना जा रहा है। इसके अलावा अगर आपके परिवार में पहले से किसी को दिल की बीमारी रही है, तो खतरे की ये घंटी और गंभीर हो जाती है। आनुवांशिक कारक हृदय रोगों के जोखिमों को कई गुना बढ़ा देते हैं। क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे पहले से ही ये जाना जा सके कि आपको हार्ट अटैक या स्ट्रोक तो नहीं होगा? अगर आपके मन में भी ये सवाल है तो अब इसका जवाब मिल गया है।

एक दशक पहले ही पता चल जाएगा हार्ट अटैक का जोखिम

अध्ययनकर्ताओं ने एक ऐसे टेस्ट के बारे में बताया है जिसकी मदद से एक दशक यानी करीब 10 साल पहले ही जाना जा सकेगा कि आपको हार्ट अटैक का खतरा तो नहीं है? सबसे खास बात ये है कि इसके

लिए हार्ट नहीं, आंखों की जांच की जाएगी। जर्नल कार्डियोवैस्कुलर डायबिटोलॉजी में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि एक सामान्य नेत्र परीक्षण अगले दस वर्षों में किसी व्यक्ति को दिल का दौरा या स्ट्रोक होने के जोखिम का अनुमान लगा सकता है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग किया है जो डिजिटल रेटिना फोटोग्राफ्स लेती है और इसके विश्लेषण से हृदय की जानलेवा समस्या के बारे में पहले से जाना जा सकेगा।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि यह तकनीक रोगी के लिए एक सेकंड से भी कम समय में व्यक्तिगत जोखिम स्कोर तैयार करने में सक्षम थी।

स्कॉटलैंड के डॉन्डी यूनिवर्सिटी के हृदय रोग विशेषज्ञों ने टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों की आंखों के स्कैन पर इस एआई सॉफ्टवेयर का परीक्षण किया है। विश्वविद्यालय में शोध के प्रमुख और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. इफी मोर्डी कहते हैं, यह आश्चर्यजनक पर सत्य है कि आंखें हमारे हृदय की खिड़की होती हैं।

इस टेस्ट का सिंपल फॉर्मूला ये है कि यदि आंख के पीछे की रक्त वाहिकाओं में कोई क्षति है या वे सिकुड़ रही हैं, तो इस बात की पूरी संभावना है कि आने वाले वर्षों में इसका हृदय को रक्त पहुंचाने वाली वाहिकाओं पर भी असर देखा जा सकता है, जिसे दिल का दौरा या स्ट्रोक का कारण माना जाता है।

एक मिनट से भी कम समय में स्थिति का चल जाएगा पता

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, इमेज के आकलन के आधार पर ये जानने में मदद मिल सकती है कि किसी व्यक्ति में रक्त वाहिकाओं के सिकुड़ने या रुकावट का खतरा कितना अधिक है? शोध के दौरान इस तरह की 4,200 तस्वीरों का उपयोग करके जांच की गई। एआई उपकरण 70 प्रतिशत सटीकता के साथ यह अनुमान लगाने में सक्षम था कि एक दशक के भीतर किन लोगों को 'गंभीर हृदय संबंधी घटनाएं', जैसे दिल का दौरा या स्ट्रोक, हो सकती हैं। डॉ. मोर्डी ने आगे कहा 'यह एक वन-स्टॉप स्कैन है जो नियमित रूप से किया जाता है और इसमें एक मिनट से भी कम समय लगता है।

चीन की अमेरिका से क्या हो गई कोई डील?

रेयर अर्थ मैग्नेट को लेकर खूब लुटा रहा प्यार, चीन का दोहरा चेहरा उजागर

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात को लेकर चीन का दोहरा रवैया सामने आया है। रॉयटर्स की खबर के मुताबिक मई के मुकाबले जून में चीन ने अमेरिका को रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात भारत से ज्यादा किया है। रेयर अर्थ मैग्नेट का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों और पवन टर्बाइनों समेत कई इलेक्ट्रोनिक डिवाइस में किया जाता है। अमेरिका को एक्सपोर्ट में तेजी चीन के साथ हुए एक व्यापार समझौते के बाद आई है। जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम्स के आंकड़ों के अनुसार, चीन से अमेरिका को होने वाला रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात जून में 353 मीट्रिक टन तक पहुंच गया। मई की तुलना में यह 660% की भारी वृद्धि है। मतलब, मई में जितना निर्यात हुआ था, जून में उससे सात गुना ज्यादा हुआ। वहीं दूसरी ओर भारत को एक्सपोर्ट मात्र 172 मीट्रिक टन रहा। मई की तुलना में इसमें मात्र 14 फीसदी की तेजी रही।

क्यों बढ़ा अमेरिका को निर्यात?

अमेरिका को निर्यात में उछाल जून में हुए कुछ समझौतों के बाद आया है। इन समझौतों में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों और चुंबकों के शिपमेंट से जुड़े मुद्दों को सुलझाया गया। चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया भी चीन को अपने एच20 एआई चिप्स की बिक्री फिर से शुरू करने की योजना बना रही है। यह सब समझौते का हिस्सा है।

किस देश को कितना निर्यात?

चीन ने जून में रेयर अर्थ मैग्नेट का सबसे ज्यादा निर्यात जर्मनी को किया।

चीन ने जर्मनी को 764 मीट्रिक टन रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात किया। मई के मुकाबले इसमें 267 फीसदी की तेजी आई। निर्यात में सबसे ज्यादा वृद्धि पोलैंड को हुई है। चीन ने पोलैंड को जून में मई के मुकाबले 738 फीसदी ज्यादा रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात किया। इसके बाद अमेरिका रहा। वहीं सबसे ज्यादा निर्यात (फीसदी में) के मामले में टॉप 10 देश में भारत सबसे नीचे रहा।

चीन के धागे से बुना जा रहा है 'मेक इन इंडिया' का कपड़ा! ड्रैगन पर अभी भी कितने निर्भर हैं हम

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारत एक बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनना चाहता है। 'मेक इन इंडिया' अभियान और कई पीएलआई योजनाएं इसी सपने को पूरा करने के लिए बनाई गई हैं। इनका मकसद है भारत में उद्योगों को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और देश को एक्सपोर्ट का बड़ा सेंटर बनाना। लेकिन एक दिक्कत है। बातें तो आत्मनिर्भरता की हो रही हैं, पर सप्लाई चेन अब भी ज्यादातर चीन से ही चलती हैं। एक समय था जब भारत में ज्यादातर खिलौने चीन से आते थे। भारत का खिलौना बाजार चीन में बने खिलौनों से पटा हुआ था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इकोनॉमिक टाइम्स की एक खबर के मुताबिक भारत ने खिलौनों के इम्पोर्ट पर सख्ती की है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, वित्त वर्ष 2019 से 2024 के बीच खिलौनों का इम्पोर्ट करीब 80% गिर गया है। यह 304 मिलियन डॉलर से घटकर 64.9 मिलियन डॉलर हो गया है। 2019 में क्यूसीआई की रिपोर्ट में सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई थी, जिस पर कार्रवाई की गई।

खिलौने कम, कंपोनेंट ज्यादा

एक्सपोर्ट बढ़ना भी पूरी जीत नहीं है। वित्त वर्ष 2024 में भारत का खिलौना एक्सपोर्ट वास्तव में गिर गया। यह पिछले साल के 153.9 मिलियन डॉलर से घटकर 152.3 मिलियन डॉलर हो गया। चीन से कम खिलौने आ रहे हैं लेकिन ज्यादातर कंपोनेंट, एलईडी, सर्किट बोर्ड, प्लास्टिक और पैकेजिंग अब भी वहीं से आ रहे हैं। जुलाई 2024 में पॉलीमर अपडेट के अनुसार, घरेलू पॉलीमर लगभग 10% महंगे हैं, जिससे लोकल कंपटीटिवनेस कम हो रही है।

स्मार्टफोन में चीन का दबदबा

स्मार्टफोन एक और क्षेत्र है जहां भारत आगे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2025 में देश ने 24.1 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट किया, जो साल-दर-साल 55% ज्यादा है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के अनुसार अब यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन प्रोड्यूसर है। लेकिन गहराई में जाएं तो चीन का दबदबा नजर आता है। भारत ने 259.7 मिलियन डॉलर के तैयार स्मार्टफोन इम्पोर्ट किए, जिनमें से 58.8% चीन से आए। जीटीआरआई के अनुसार, इससे भी ज्यादा 7.15 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन कंपोनेंट इम्पोर्ट किए गए, जिनमें से 51.7% चीन से आए। इतना ही नहीं, स्मार्टफोन पार्ट्स का इम्पोर्ट 763.8 मिलियन डॉलर का था, जिसमें से 55.4% चीन से आया।क्या है भारत को खतरा? इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने चेतावनी दी है कि चीन से शिपमेंट में देरी और टेक्नीशियन वीजा में दिक्कत से भारत का वित्त वर्ष 2026 के लिए 32 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट टारगेट खतरे में पड़ सकता है।

बाजार पर लौटा निवेशकों का भरोसा

सेंसेक्स 442 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के तिमाही नतीजों के बाद इनमें बढ़त से सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 442 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी 25,000 अंक के स्तर से ऊपर बंद हुआ। दो दिन से जारी गिरावट पर विराम लगाते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 442.61 अंक या 0.54 प्रतिशत उछलकर 82,200.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 516.3 अंक या 0.63 प्रतिशत बढ़कर 82,274.03 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 122.30 अंक या 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,090.70 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इटर्नल में पहली तिमाही के आंकड़ों के बाद सबसे अधिक 5.38 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में 2.76 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.19 प्रतिशत चढ़ गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स भी लाभ में रहे। हालांकि, भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में 3.29 प्रतिशत की गिरावट आई। एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी भी पिछड़ने वालों में शामिल रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के सकारात्मक नतीजों ने बाजार कई दिनों की स्थिरता के बाद उबरने में मदद की। बाजार अभी भी कमाई के नतीजों पर तीव्र प्रतिक्रिया दे रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि निवेशक मूल्यांकन में सुधार के लिए कमाई के मोर्चे पर ही ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जापान में अवकाश के कारण शेयर बाजार बंद रहे। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाज़ार मिले-जुले रुख़ के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 68.93 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.48 प्रतिशत घटकर 68.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 374.74 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। शुक्रवार को सेंसेक्स 501.51 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 81,757.73 पर बंद हुआ। निफ्टी 143.05 अंक या 0.57 प्रतिशत गिरकर 24,968.40 पर बंद हुआ।

अमेरिका नहीं, ईयू ने निकाला रूसी तेल का तोड़, मुकेश अंबानी के डूबे 66 हजार करोड़

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बीते कुछ हफ्तों से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल की खरीद फरोख्त को रोकने के लिए कई तरह के बयान दे रहे थे।लेकिन उसका असर किसी भी देश यानी भारत और चीन पर नहीं पड़ रहा था।लेकिन यूरोपीय यूनियन ने एक ऐसा तोड़ निकाला कि भारत के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी के भी पसीने छूट गए। सोमवार को ईयू के फैसले की वजह से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा टूट गए।जिसकी वजह से रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप को 66 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो गया.वास्तव में ईयू ने किसी भी तीसरे देश के आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया है।जिसका मतलब है कि अब भारत रूसी तेल को रिफाइंड कर यूरोपीय देशों में नहीं बेच सकेगा।इस फैसले का असर भारत के बड़ी रिफाइंड क्रूड ऑयल सप्लाई करने वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज पर देखने को मिला है।

जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इयू की ओर से क्या कहा गया है और शेयर बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज को किस तरह से और कितना नुकसान हुआ है.वास्तव में ईयू ने थर्ड नेशन रूसी ऑयल इंपोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया है।इसका मतलब है कि अब यूरोप का कोई भी देश दुनिया के किसी भी हिस्से से रूसी तेल का इंपोर्ट नहीं करेगा।इसका सबसे ज्यादा असर भारत पर देखने को मिल सकता है।भारत मौजूदा समय में 15 बिलियन डॉलर के सालाना रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स यूरोप को भेज रहा था।जिसपर अब खतरा मंडराने लगा है.रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वित्त वर्ष 2024 में यूरोपीय संघ को 19.2 अरब अमेरिकी डॉलर के पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात किया, लेकिन 2024-25 में यह 27.1 फीसदी घटकर 15 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।भारत ने वित्त वर्ष 2025 में रूस से 50.3 अरब अमेरिकी डॉलर का कच्चा तेल इंपोर्ट किया।खास बात तो ये है कि मौजूदा समय में भारत के क्रूड ऑयल बास्केट में रूसी तेल की हिस्सेदारी 44 फीसदी से ज्यादा की है.इस फैसले का असर देश की सबसे बड़ी रिलायंस इंडस्ट्रीज पर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है।वास्तव में रिलायंस इंडस्ट्रीज रूसी तेल का सबसे बड़ा इंपोर्टर है।

जिसे वो रिफाइंड कर यूरोप के कई देशों में एक्सपोर्ट कर रहा था।दिसंबर 2024 में, आरआईएल ने रोजनेफ्ट के साथ लगभग 500,000 बैरल प्रतिदिन रूसी कच्चे तेल के आयात के लिए 10 साल का समझौता किया-जिसका मूल्य सालाना 13 अरब डॉलर है-जिससे रूसी तेल उसकी रिफाइनिंग रणनीति का आधार बन गया.अक्टूबर 2024 तक, आरआईएल रूस से औसतन 405,000 बैरल प्रतिदिन आयात कर रहा था-जो उसके कुल कच्चे तेल के एक तिहाई से भी ज़्यादा है.

एंथम बायोसाइंस के निवेशक पहले दिन ही झूम गए

27 फीसदी बढ़ कर लिस्ट हुए शेयर

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार को एंथम बायोसाइंसेस के शेयर बाजार में लिस्ट हो गए। लिस्ट होते ही निवेशकों को अच्छा मुनाफा हुआ। कंपनी के शेयर आईपीओ की कीमत से 27% ऊपर लिस्ट हुए। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 723 रुपये पर खुले। इसका एक शेयर निवेशकों को 570 रुपये में मिला था। बीएसई में एथम बायोसाइंसेज लिमिटेड के शेयर 723.10 रुपये पर लिस्ट हुए, जो कि आईपीओ प्राइस से 27 फीसदी ज्यादा है। थोड़ी ही देर में यह बढ़ कर 746.70 रुपये पर चला गया। शुरुआती 15 मिनट के दौरान नीचे में यह शेयर लिस्ट प्राइस से महज पांच पैसे यानी 723.05 रुपये तक आया है।

67 गुना से ज्यादा मिला था अभिदान

एंथम बायोसाइंसेस का आईपीओ बेहद सफल रहा था। कंपनी ने ऑफर फॉर सेल के जरिए 3,396 करोड़ रुपये जुटाए। एंथम बायोसाइंसेस भारत की एक बड़ी सीआरडीएमओ कंपनी है। सीआरडीएमओ का मतलब है कि यह कंपनी दूसरी दवा कंपनियों के लिए रिसर्च और दवा बनाने का काम करती है। यह आईपीओ बीते 14 से 16 जुलाई तक खुला था। इसे निवेशकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। कुल मिलाकर, यह आईपीओ 67.4 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सबसे ज्यादा बोली क्यूआईबी यानी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने लगाई। उन्होंने अपने हिस्से के शेयरों को 192.8 गुना सब्सक्राइब किया। नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 44.7 गुना और रिटेल निवेशकों ने लगभग 6 गुना बोली लगाई थी। एंथम बायोसाइंसेस 2006 में शुरू हुई थी। यह कंपनी दवा बनाने के पूरे प्रोसेस में काम करती है। जैसे कि दवा की खोज करना, उसे विकसित करना और फिर उसका उत्पादन करना।

उपभोक्ता को सामान और विक्रेता की जानकारी अधिकार मामला, याचिका पर केंद्र व राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और राज्यों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें यह घोषित करने का अनुरोध किया गया है कि उपभोक्ताओं को वितरकों और विक्रेताओं के विवरण के अलावा अन्य उत्पादों के बारे में भी जानने का अधिकार है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि उपभोक्ताओं के लिए सूचित विकल्प चुनने और अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं और बेईमानी से होने वाले शोषण से स्वयं को बचाने के लिए जानने का अधिकार महत्वपूर्ण है। याचिका में संबंधित प्राधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई है कि प्रत्येक वितरक, व्यापारी और दुकान मालिक प्रवेश द्वार पर पंजीकरण का विवरण, जिसमें नाम, पता, फोन नंबर और कर्मचारियों की संख्या शामिल है, लोगों को दिखाई देने वाले डिस्प्ले बोर्ड पर मोटे अक्षरों में प्रदर्शित करें। अधिवक्ता अश्विनी कुमार दुबे के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, जानने का अधिकार उपभोक्ताओं को धोखेबाज या भ्रामक वितरक, डीलर, व्यापारी, विक्रेता और दुकान मालिक का शिकार होने से बचाता है, जो उत्पाद/सेवा के बारे में गलत जानकारी दे सकते हैं या बिक्री, खरीद और धन के लेन-देन के बाद गायब हो सकते हैं। याचिका में कहा गया है कि यदि किसी उपभोक्ता को किसी उत्पाद या सेवा से कोई समस्या है तो शिकायत दर्ज करने और उपभोक्ता निवारण मंच के माध्यम से निवारण प्राप्त करने के लिए वितरक, डीलर और विक्रेता का विवरण जानना आवश्यक है। याचिका में कहा गया है, जब कोई वितरक, डीलर, व्यापारी, विक्रेता और दुकान मालिक अपने विवरण के बारे में पारदर्शी होते हैं, तो इससे एक निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी बाजार को बढ़ावा मिलता है, जहां उपभोक्ता सूचित विकल्प चुन सकते हैं। याचिका में आगे तर्क दिया गया है कि जानने का अधिकार उपभोक्ताओं को सूचित करने या संरक्षित करने तथा बिक्री, खरीद और धन के लेन-देन में शामिल होने पर विकल्प चुनने का अधिकार देता है। याचिकाकर्ता ने बताया है कि उपभोक्ता को न केवल माल या उत्पाद की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक, विनिर्माण तिथि, समाप्ति तिथि और बीआईएस या एफएसएसएआई प्रमाणीकरण के बारे में जानने का अधिकार है, बल्कि वितरक, डीलर, व्यापारी, विक्रेता और दुकान मालिक का विवरण भी जानने का अधिकार है। भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड के पूर्व प्रवर्तकों ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया कि दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता के तहत बीएसपीएल के परिसमापन के आदेश संबंधी दो मई के फैसले की समीक्षा के लिए उनकी याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई की जाए। शीर्ष अदालत ने मई में बीएसपीएल के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील द्वारा प्रस्तुत समाधान योजना को अवैध और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) का उल्लंघन बताते हुए खारिज कर दिया था।

सेबी ने जेन स्ट्रीट को 4844 करोड़ जमा करने के बाद फिर से कारोबार की इजाजत दी, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी स्वामित्व वाली ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट को भारतीय शेयर बाजारों में व्यापार फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। हालांकि भारतीय बाजार नियामक की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आया है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि बाजार नियामक ने शुक्रवार को फर्म को एक ईमेल भेजा है जिसमें कहा गया है कि पैसा जमा करने के बाद उसके अंतरिम आदेश के जरिए लगाए गए प्रतिबंध अब लागू नहीं होंगे। इसके अलावा, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को अमेरिका स्थित क्वांट ट्रेडिंग फर्म की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है। रॉयटर्स के एक सूत्र ने बताया कि दोनों एक्सचेंजों ने अभी तक जेन स्ट्रीट को भारतीय प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री की सुविधा नहीं दी है। दूसरे सूत्र ने कहा, हालांकि कंपनी को भारत में कारोबार फिर से शुरू करने की अनुमति मिल गई है , लेकिन इसने सेबी को वचन दिया है कि वह ऑप्शंस में कारोबार नहीं करेगी। कंपनी तब तक नकदी में कारोबार करने का इरादा नहीं रखती, जब तक कि वह सेबी को अपने कारोबार के बारे में पूरी जानकारी नहीं दे देती। सूत्रों के अनुसार, जेन स्ट्रीट कैपिटल ने एक एस्क्रो खाते में लगभग 4843.50 करोड़ रुपये जमा किए और बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अनुरोध किया कि उन्हें भारतीय शेयर बाजारों में व्यापार फिर से शुरू करने की अनुमति दी जाए । पिछले सप्ताह सेबी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि जेन स्ट्रीट ने 4843.50 करोड़ रुपये का कथित अवैध लाभ जमा कर दिया है और नियामक से अनुरोध किया है कि उन्हें भारतीय बाजारों में व्यापार करने की अनुमति दी जाए। सेबी ने 14 जुलाई को अपनी अंतिम प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि अंतरिम आदेश के निर्देशों के अनुसार जेन स्ट्रीट के अनुरोध की वर्तमान में जांच की जा रही है।

सोना 548 बढ़कर 98,791 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा

चांदी 1.13 लाख किलो बिक रही, इस साल सोना अब तक 22,629 महंगा हुआ

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 21 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 548 बढ़कर 98,791 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 98,243 पर था। चांदी की कीमत 60 बढ़कर 1,12,760 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले चांदी 1,12,700 पर थी। वहीं 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इसके पहले सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,300 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,950

मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800

कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800

चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800

भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत 100,200 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,850

इस साल अब तक 22,629 महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,629 रुपए बढ़कर 98,791 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 26,743 रुपए बढ़कर 1,12,760 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 05-54
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त 18-49
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य-	कर्क	कर्क... 05-33 बजे
चंद्र-	वृष	सिंह--- 07-44 बजे
मंगल	सिंह	कन्या... 09-52 बजे
बुध-	कर्क	तुला----11-56 बजे
गुरु-	मिथुन	वृश्चिक..14-07 बजे
शुक्र-	वृष	धनु...... 16-19 बजे
शनि-	मीन	मकर... 18-26 बजे
राहु-	कुंभ	कुंभ.... 20-17 बजे
केतु-	सिंह	मीन.... 21-55 बजे
		मेष..... 23-31 बजे
		वृष.... 01-15 बजे
		मिथुन.. 03-16 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 07-05 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - श्रावण कृष्ण , मंगलवार 22 July
नक्षत्र - मृगशिरा 19-24 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - ध्रुव 15-31 तक उप व्याघात
करण- बालव 07-05 तक उप कौलव
विशेष-
व्रत-त्योहार - भौमप्रदोष व्रत

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15-37 से 17-14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
रोग 05:54-07:30 अशुभ	काल 18:49-20:15 अशुभ
उत्पात 07:30-09:07 अशुभ	उन्नति 20:15-21:38 शुभ
चंचल 09:07-10:45 शुभ	उद्वेग 21:38-23:00 अशुभ
लाभ 10:45-12:23 शुभ	उत्तम 23:00-00:23 शुभ
अमृत 12:23-14:00 शुभ	अमृत 00:23-01:45 शुभ
काल 14:-00-15:38 अशुभ	चंचल 01:45-03:08 शुभ
शुभ 15:38-17:15 शुभ	रोग 03:08-04:30 अशुभ
रोग 17:15-18:49 अशुभ	काल 04:30-05:53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा |योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

उग्रवादियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़

कुंदा के अनगड़ा जंगल में सर्च ऑपरेशन जारी, मोबाइल और पिट्ठू बैग बरामद

चतरा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। चतरा के कुंदा थाना क्षेत्र के अनगड़ा जंगल में बीती रात सुरक्षाबलों की प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी से मुठभेड़ हो गई। यह घटना उस समय हुई, जब हाल ही में चतरा से सीआरपीएफ की टीम को नक्सलवाद खत्म होने का दावा करते हुए वापस बुलाया गया था।

एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने पर पुलिस टीम सर्च अभियान चला रही थी। इसी दौरान टीएसपीसी से मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में पुलिस को कोई नुकसान नहीं हुआ। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस जवानों पर नजर पड़ते ही उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी फायरिंग की। खुद पर सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख सभी उग्रवादी मौके से भाग निकले। सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल से सुरक्षाबलों को एक एंड्रॉयड मोबाइल और एक पिट्ठू बैग मिला है। मुठभेड़ के बाद पुलिस और सुरक्षाबल अनगड़ा जंगल में सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं। वे उग्रवादियों के संभावित ठिकानों और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा रहे हैं।

25 हजार की रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार

एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा, जमीन नामांतरण के लिए मांगे थे पैसे

सूरजपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में सोमवार को 25 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी जमीन नामांतरण के एवज में घूस ले रहा था। तभी एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। एसीबी की टीम ने आरोपी बाबू को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक, तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू जुगेश्वर राजवाड़े ने एक व्यक्ति से जमीन के नामांतरण के लिए घूस मांगी थी। उसने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की। शिकायत के बाद एसीबी ने बाबू को रंगेहाथ पकड़ने की प्लानिंग की। पीड़ित रिश्वत की रकम लेकर तहसील दफ्तर पहुंचा। जैसे ही पीड़ित ने आरोपी के हाथों में पैसे दिए, तभी एसीबी के अधिकारियों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। रिश्वत लेने के आरोप में बाबू को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है। हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

पश्चिम सिंहभूम में विस्फोटक का जखीरा बरामद

चाईबासा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम सिंहभूम जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। टोकलो और कुचाई थाना क्षेत्र की सीमा पर संयुक्त सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों का विस्फोटक जखीरा बरामद किया गया।पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

सूचना थी कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के उग्रवादियों ने इस क्षेत्र में विस्फोटक छिपा रखे हैं। इनका इस्तेमाल सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाना था।

झारखंड में फिर एक्टिव हुआ मानसून

26 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट, कई जिलों में तेज हवाएं और गरज-चमक के आसार

रांची, 21 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में आगामी सप्ताह मौसम के लिहाज से महत्वपूर्ण रहने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 26 जुलाई 2025 तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में हल्की से लेकर भारी और अति भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान तेज गर्जन के साथ हवाएं चलेंगी, जिससे जनजीवन और खेती-किसानी पर असर पड़ सकता है।

21 जुलाई यानी आज राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तर-पूर्वी जिलों, जिसमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, रांची, बोकारो, हजारीबाग, देवघर, गोड्डा आदि आते हैं, में आकाशीय बिजली के साथ तेज गर्जन और 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। इन दो दिनों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होगी। तापमान में भी 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 22 जुलाई को अधिकांश जिलों में सामान्य से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इसके बाद 23 जुलाई को मौसम अधिक सक्रिय रहेगा। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम के प्रभाव से राज्य के उत्तर-पूर्वी और मध्य भागों में भारी बारिश और तेज हवाओं के आसार हैं।

शराब-घोटाला, सीए समेत 3 आरोपी ईओडब्ल्यू की हिरासत में

रायपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में ईओडब्ल्यू ने 3 आरोपियों को हिरासत में लिया है। इसमें चार्टड अकाउंटेंट संजय कुमार मिश्रा और उसके भाई मनीष मिश्रा और अभिषेक सिंह को हिरासत में लिया है। अभिषेक आबकारी घोटाले के आरोपी अरविंद सिंह का भतीजा है।

बताया जा रहा है कि चार्टड अकाउंटेंट समेत तीनों आरोपियों को ईओडब्ल्यू आज कोर्ट पेश करेगी। ईओडब्ल्यू का दावा है कि आरोपियों के पास घोटाले में लेन-देन, रकम की हेराफेरी और अहम दस्तावेज की जानकारी है।

संजय और मनीष ने नेक्स्टजेन पावर कंपनी बनाई और एफएल 10 लाइसेंस लेकर राज्य में महंगी ब्रांडेड अंग्रेजी शराब की सप्लाई करते थे। इससे पहले 18 जुलाई को पूर्व सीएम भूपेश बघेल के घर पर ईडी ने छापेमारी की थी। चैतन्य बघेल को शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार किया है।

पूर्व सीएम बघेल के बेटे को ईडी ने किया गिरफ्तार

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर कस्टोडियल रिमांड पर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम उनसे लगातार पूछताछ कर रही है। 22 जुलाई को चैतन्य बघेल की कस्टोडियल रिमांड खत्म हो रही है। 5 दिनों की पूछताछ के बाद उन्हें मंगलवार को दोपहर 3 बजे के बाद रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

साव बोले-कांग्रेस ने लखमा को बलि का बकरा बनाया, इसके पहले ईडी कर चुकी चैतन्य की गिरफ्तारी

अरुण साव

1000 करोड़ से ज्यादा ब्लैक मनी की हैंडलिंग

ईडी के मुताबिक लीकर स्कैम में पूछताछ में शराब कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू ने ईओडब्ल्यू को बयान दिया था कि, उसने और चैतन्य बघेल ने मिलकर 1000 करोड़ से ज्यादा घोटाले की रकम को हैंडल किया। यह कैश अनवर ढेबर ने दीपेन चावड़ा को पहुंचाया। यह पैसा बाद में राम गोपाल अग्रवाल को दिया गया।

इसकी व्यवस्था चैतन्य बघेल के साथ मिलकर की गई और चैतन्य बघेल के कहने पर 1000 करोड़ में से 100 करोड़ नकद केके श्रीवास्तव को दिया गया। पप्पू बंसल ने पूछताछ में ये भी स्वीकार किया है कि शराब घोटाले से उसे 3 महीने में 136 करोड़ रुपए मिले हैं।

अनवर ढेबर और नितेश पुरोहित के बीच चैट में हुई बातचीत में इसकी जानकारी है। पप्पू बंसल दुर्ग भिलाई का शराब कारोबारी है। प्रॉपर्टी डीलर का काम करने के दौरान शराब कारोबार से जुड़ा। भूपेश बघेल के करीबी होने के साथ ही कोयले का भी कारोबार है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए।

प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया गया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लो ने 19 फ्लैट खरीदने के लिए 5 करोड़ बघेल डेवलपर्स को ट्रांसफर किया। ढिल्लन ने ये फ्लैट अपने कर्मचारियों के नाम पर खरीदे लेकिन पेमेंट त्रिलोक ढिल्लो ने खुद दिया।

ईडी ने जब ढिल्लन के कर्मचारियों से पूछताछ की तो कर्मचारियों ने बताया कि ये फ्लैट की खरीदी उन्हीं के नाम पर हुई, लेकिन पैसे ढिल्लो ने दिए। ये सारा ट्रांजेक्शन 19 अक्टूबर 2020 को एक ही दिन हुआ। ईडी ने कहा कि ब्लैक को लीगल करने के लिए यह एक पूर्व-योजना के तहत किया गया लेन-देन था। इसका मकसद पैसे को छिपाकर चैतन्य बघेल तक पहुंचाना था।

ईडी के मुताबिक भिलाई के एक ज्वेलर्स ने चैतन्य बघेल को 5 करोड़ रुपए उधार दिए लेकिन ईडी की जांच में सामने आया कि जो 5 करोड़ रुपए चैतन्य की दो कंपनियों को लोन के रूप में दिया गया।

बाद में इसी ज्वेलर्स ने बघेल की कंपनी से 6 प्लॉट खरीदे जिसकी कीमत 80 लाख थी। ईडी ने बताया कि यह पैसा शराब घोटाले से आया हुआ कैश था। यह पैसा बैंक के जरिए ट्रांसफर किया गया। ताकि कैश को लीगल दिखाया जा सके।

ईडी का दावा है कि चैतन्य बघेल ने घोटाले का पैसा पाने के लिए दूसरे लोगों और कंपनियों का इस्तेमाल किया ताकि ईडी और अन्य एजेंसियां ट्रैक न कर सकें। जैसे ढिल्लन सिटी मॉल में पैसा आया, फिर ढिल्लन ड्रिंक्स से कर्मचारियों को पैसा ट्रांसफर हुआ, फिर वही पैसा बघेल डेवलपर्स को दिया गया। ईडी का दावा है कि चैतन्य बघेल के पास 16.70 करोड़ के अवैध घोटाले के पैसे आए।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है।

दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

लग्जरी-कारों से एनएच जाम बिलासपुर पुलिस पर हाईकोर्ट सख्त

चीफ जस्टिस बोले-महंगी गाड़ियां क्यों जब्त नहीं की गईं, सरकार से भी शपथपत्र के साथ मांगा जवाब

बिलासपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में लग्जरी कारों को खड़ी कर नेशनल हाईवे-130 जाम कर फोटोशूट केस में हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने बिलासपुर पुलिस से पूछा है कि इन लग्जरी गाड़ियों को जब्त क्यों नहीं किया गया। हाईकोर्ट ने सरकार से शपथपत्र में जवाब भी मांगा है।

चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरू की डिवीजन बेंच ने पूछा कि स्वतः संज्ञान में लिया है। उन्होंने जनहित याचिका के रूप में केस की सुनवाई की। सोमवार को उन्होंने हाईवे जाम करने वाली गाड़ियों को जब्त न करने और मामूली कार्रवाई पर नाराजगी जताई है।

दरअसल, कुछ रसूखदार और प्रभावशाली लड़कों ने बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे हाईवे को जाम कर दिया। बीच सड़क पर लग्जरी कारें खड़ी कर दी, जिससे लंबा जाम लगा रहा। रईसजादों ने बाकायदा इसका रील्स बनाकर इंस्टाग्राम में भी अपलोड किया गया था। मामला दो थाना क्षेत्र हिर्री और चकरभाठा के आसपास का है। बताया जा रहा है कि भाजपा नेता के करीबी और कांग्रेस नेता रहे विनय शर्मा के बेटे वेदांश शर्मा ने दो नई लग्जरी और महंगी कार खरीदी।

इस दौरान वह अपने दोस्तों के साथ टोयोटा शो रूम गया था। जहां उसने अलग-अलग पोज में वीडियो बनवाया। उसके साथ ब्लैक कलर की गाड़ियों का काफिला था।

जानकारी के मुताबिक, नई कार खरीदने के बाद रात में वेदांश अपने दोस्तों के साथ बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे घूमने निकल गया। इस दौरान उसने दो नई कार और दोस्तों की कार बीच सड़क पर पार्किंग की और फोटो शूट करवाया।

इसके लिए बाकायदा स्टूडियो से कैमरामैन और ड्रोन भी मंगाया गया था। नेशनल हाईवे जाम करने पर वहां बड़ी गाड़ियों की कतार लग गई, लेकिन किसी ने उन्हें कारें हटाकर रास्ता देने की बात कहने की हिम्मत नहीं जुटाई।

नई कार खरीदने का जश्न और अपना टशन दिखाने के लिए यह सब किया गया था। यही वजह है कि रील्स बनाकर वीडियो को सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया। वेदांश ने अपनी आईडी से वीडियो शेयर किया था। जब सोशल मीडिया में यह वीडियो वायरल हुआ, तब आईडी ही डिलीट कर दिया गया।

पाकुड़ एसपी हत्याकांड में जजों में मतभेद

रांची, 21 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ष 2013 में पाकुड़ के तत्कालीन एसपी अमरजीत बलिहार समेत छह पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए दो नक्सलियों सुखलाल उर्फ प्रवीर दा और सनातन बास्की उर्फ ताला दा को मिली फांसी की सजा पर झारखंड हाईकोर्ट की खंडपीठ में शामिल दो जजों ने अलग-अलग राय दी है।

खंडपीठ में शामिल जस्टिस आर मुखोपाध्याय ने दोषियों की अपील को स्वीकार करते हुए उन्हें बरी कर दिया, जबकि जस्टिस संजय प्रसाद ने फांसी की सजा को बरकरार रखा है। दोनों जजों के बीच मतभेद होने के कारण मामला अब चीफ जस्टिस को भेजा जाएगा। संभावना है कि इसे निर्णय के लिए दूसरी बेंच को सौंपा जाएगा।

इस मामले में जस्टिस आर मुखोपाध्याय की राय है कि गवाहों की गवाही में कई विसंगतियां हैं। टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड (टीआईपी) ठीक से नहीं हुआ। मामले में घायल पुलिसकर्मी बबलू मुर्मू ने आरोपियों को पहचानने से इनकार कर दिया था। एसपी के बॉडीगार्ड और चालक के बयानों में गंभीर अंतर था।

घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं था और फोरेंसिक साक्ष्य भी अपर्याप्त था। इसलिए संदेह का लाभ देते हुए दोनों आरोपियों को बरी किया गया। वहीं, जस्टिस संजय प्रसाद ने गवाहों के बयानों को पर्याप्त मानते हुए कहा कि यह मामला रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में आता है। नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर सुनियोजित हमला कर एसपी सहित छह पुलिसकर्मियों की निर्मम हत्या की और पुलिस का हथियार लूटकर राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ा। इसलिए फांसी की सजा को बरकरार रखा गया।

जस्टिस संजय प्रसाद ने आदेश दिया है कि शहीद एसपी अमरजीत बलिहार के परिजनों को दो करोड़ रुपए का मुआवजा मिले और उनके पुत्र या पुत्री को डीएसपी या डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया जाए। इसके लिए उन्हें उम्र सीमा में छूट भी दी जाए।

पांच अन्य शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए का मुआवजा और उनकी योग्यता के अनुसार पुलिस विभाग में नियुक्ति का निर्देश भी दिया गया है।

आरआई-भर्ती में 72 रिश्तेदार बैठे, चयन 13 का

जांच कमेटी ने 22 का सिलेक्शन बताया, कैंडिडेट बोला- मैं जनरल, लेकिन ओबीसी-एसटी को रिश्तेदार बता दिया

रायपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में राजस्व भर्ती परीक्षा (आरआई) 2024 में गड़बड़ी की शिकायत के बाद जांच कमेटी की रिपोर्ट पर ही सवाल उठ रहे हैं। आरटीआई से मिले दस्तावेजों के आधार पर जिन अभ्यर्थियों को जांच कमेटी ने रिश्तेदार बताया उनमें से कई अभ्यर्थी एक-दूसरे को जानते तक नहीं।

07 जनवरी 2024 को हुई इस परीक्षा में 2600 से ज्यादा पटवारियों ने हिस्सा लिया। 29 फरवरी 2024 को परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें 216 पटवारियों का चयन प्रशिक्षण के लिए हुआ।

हालांकि इनमें से सिर्फ 13 अभ्यर्थियों का ही अंतिम चयन हुआ, लेकिन जांच कमेटी ने 22 के सिलेक्शन पर सवाल उठाए हैं। लेकिन शिकायतों में यह प्रमुख मुद्दा बना कि परीक्षा में बड़ी संख्या में परिवारजनों या करीबी रिश्तेदारों को सुनियोजित तरीके से बैठाया गया।

विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान इस मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। भूपेश बघेल ने इसकी सीबीआई जांच मांगी। मंत्री टंकराम वर्मा ने गड़बड़ी मानते हुए ईओडब्ल्यू को जांच के निर्देश दिए थे।

केस 1: "जिन्हें रिश्तेदार बताया, हम एक-दूसरे को जानते तक नहीं"

नाम: अमित सिन्हा

स्थिति: चयनित अभ्यर्थी, राजस्व निरीक्षक परीक्षा 2024

मैं इस परीक्षा में शामिल हुआ और मेरा चयन हुआ। लेकिन आरटीआई से मिले दस्तावेजों में मुझे लोकनाथ सिन्हा और रविन्द्र कुमार का रिश्तेदार बताया गया है, जबकि सच्चाई यह है कि हम एक-दूसरे को जानते तक नहीं।

सिर्फ इसलिए कि हमारे पिता का नाम एक जैसा है और इसी आधार पर हमारी बैठक व्यवस्था पास-पास थी, हमें रिश्तेदार घोषित कर दिया गया।

हकीकत ये है कि- मैं जनरल कायस्थ वर्ग से हूं, लोकनाथ सिन्हा ओबीसी वर्ग से हैं,

रविन्द्र कुमार एसटी वर्ग से हैं और बस्तर से आते हैं।

हम तीनों का कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। हैरानी की बात यह है कि जांच समिति ने हमसे न कोई संपर्क किया, न ही कोई बयान लिया, और न यह परखा कि हम रिश्तेदार हैं भी या नहीं।

केस 2: "रोल नंबर पास था, पर बैठने की जगह और नंबर अलग"

नाम: जितेन्द्र ध्रुव

पद: पटवारी, बिलासपुर

संबंधित अभ्यर्थी: भाई निमेश ध्रुव (पटवारी, बेमेतरा)

मैं और मेरा भाई निमेश दोनों ही इस परीक्षा में शामिल हुए। रोल नंबर पिता के नाम के आधार पर अलॉट हुआ, जिससे हमारे रोल नंबर पास-पास आए। लेकिन परीक्षा केंद्र में बैठने की व्यवस्था अलग थी।

मैं अंतिम पंक्ति में बैठा था, मेरा भाई दूसरी लाइन की पहली पंक्ति में।

ये दो अभ्यर्थी है जिन्हें विभागीय परीक्षा में रिश्तेदार बताकर गड़बड़ी की आशंका जताई गई है। इसी तरह कांकेर जिले की एक महिला पटवारी को भी एक अन्य अभ्यर्थी का रिश्तेदार बताया गया है, लेकिन उन्होंने भी इस रिश्तेदारी से इनकार किया है।

इन मामलों से यह स्पष्ट होता है कि जिन अभ्यर्थियों को रिश्तेदार बताकर गड़बड़ी की आशंका जताई गई, उनकी न तो ठीक से जांच हुई और न ही पक्ष सुना गया। इससे न केवल परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए हैं, बल्कि चयनित अभ्यर्थियों का भविष्य भी अधर में लटक गया है।

परीक्षा में 22 या 13 नहीं, 72 रिश्तेदार शामिल थे

जब विभागीय परीक्षा से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की गई, तो सामने आया कि 2600 से ज्यादा परीक्षार्थियों में कम से कम 72 अभ्यर्थी आपस में रिश्तेदार थे।

इन नामों और संबंधों की जानकारी चयनित पटवारियों ने ही एकत्र की है। हालांकि इनमें से सिर्फ 13 अभ्यर्थियों का ही अंतिम चयन हुआ, लेकिन शिकायतों में यह प्रमुख मुद्दा बना कि परीक्षा में बड़ी संख्या में परिवारजनों या करीबी रिश्तेदारों को सुनियोजित तरीके से बैठाया गया।

इसके अलावा, कई ऐसे मामले भी सामने आए जहां एक ही परिवार के उम्मीदवारों के अंक अलग-अलग स्थानों पर बैठने के बावजूद काफी करीब या समान थे, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठे।

मामले की शुरुआत कहां से हुई?

07 जनवरी 2024 राजस्व निरीक्षक के लिए विभागीय परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 2600 से ज्यादा पटवारियों ने हिस्सा लिया। 29 फरवरी 2024 को परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें 216 पटवारियों का चयन प्रशिक्षण के लिए हुआ।

इसके बाद राजस्व पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष भागवत कश्यप ने परीक्षा में रिश्तेदारों के चयन और अन्य अनियमितताओं की शिकायत करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की। साथ ही संघ ने मंत्री को ज्ञापन सौंपा, विभाग ने एक जांच कमेटी गठित की, जिसने कुछ शिकायतों को सही और कुछ को निराधार माना।

हालांकि, जहां जांच कमेटी ने 22 चयनितों पर सवाल उठाए, वहीं विधानसभा में यह संख्या 13 बताई गई। इधर, हाईकोर्ट ने चयनितों की ट्रेनिंग शुरू करने के निर्देश दिए, लेकिन शासन ने मामला गृह विभाग को जांच के लिए भेज दिया।

इस बीच कई अभ्यर्थी कोर्ट चले गए। आखिर में यह मामला तीसरी बार ईओडब्ल्यू/एसीबी को सौंपा गया, ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जा सके।

साल 2024 में आयोजित राजस्व निरीक्षक (आरआई) विभागीय परीक्षा को लेकर एक और तकनीकी सवाल उठ खड़ा हुआ है। दरअसल, इस परीक्षा में वही पुराने ओएमआर शीट फॉर्मेट का इस्तेमाल किया गया जो 2018 की भर्ती परीक्षाओं में उपयोग की गई थी। इस ओएमआर शीट में परीक्षार्थियों को अपना मोबाइल नंबर भरना होता था, जो आमतौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में गोपनीयता के मानकों के खिलाफ माना जाता है। हालांकि, कई अभ्यर्थियों का कहना है कि यह विभागीय पदोन्नति परीक्षा थी, ऐसे में विभाग के पास पहले से सभी उम्मीदवारों का डेटा बेस मौजूद था, और मोबाइल नंबर जैसी जानकारी पहले से विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज थी।

बावजूद इसके, ओएमआर के पुराने प्रारूप का प्रयोग परीक्षा की पारदर्शिता और गोपनीयता को लेकर प्रश्न खड़े करता है।

डॉक्टर के घर लाखों की चोरी

गुमला, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक डॉक्टर के बंद घर को निशाना बनाते हुए करीब 5 लाख रुपए की चोरी को अंजाम दिया। घटना रविवार रात की है, जब घर के मालिक मुकेश कुमार अपनी पत्नी के साथ रांची गए हुए थे। जानकारी के अनुसार, मुकेश कुमार मूल रूप से बेड़ो प्रखंड के दौलेंचा गांव के रहने वाले हैं। भरनो में मकान बनाकर रहते हैं। वह दौलेंचा में एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं। उनके पिता स्वर्गीय देवेंद्र प्रसाद भरनो क्षेत्र के प्रसिद्ध मलेरिया डॉक्टर थे।

रविवार को मुकेश अपनी पत्नी के साथ रांची एक डॉक्टर से परामर्श लेने गए थे। इसी बीच चोरों ने उनके घर को निशाना बना लिया। चोर पीछे की दीवार फांदकर घर के परिसर में घुसे और मेन गेट का ताला तोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने बक्से, अलमारी और ट्रंक के ताले तोड़कर पूरे घर में सामान बिखेर दिया।

चोर घर से करीब 2 लाख रुपए नगद और लगभग 3 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने ले गए। चोरों ने मुकेश की बेटी की मिट्टी की गुल्लक भी तोड़ डाली और उसमें रखे सिक्के और रुपए भी ले उड़े।

सोमवार सुबह जब मुकेश और उनकी पत्नी घर लौटे तो दरवाजे का ताला टूटा मिला और भीतर सारा सामान बिखरा पड़ा था।

बहू ने प्रेमी संग मिलकर ससुर को करंट लगाकर मार-डाला

हादसा दिखाने जख्म में हल्दी-गुलाल लगाया, बालोद में हारमोनियम सिखाने घर आने पर चिढ़ता था बुजुर्ग

बालोद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बहू ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर ससुर की करंट लगाकर हत्या कर दी। बहू का प्रेमी हारमोनियम सिखाने के बहाने अक्सर रात में उसके घर आता था। ससुर को इस पर आपत्ति थी और वह इसका विरोध करता था। जिसके चलते यह वारदात हुई। मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ेनाडीह का है। दरअसल, खड़ेनाडीह की रहने वाली गीता निर्मलकर (30) गांव की सेवा मंडली में भजन गाने जाती थी। जहां उसकी मुलाकात पड़ोसी गांव के संगीतकार लेखराम निषाद (45) से हुई। लेखराम उसे हारमोनियम सिखाता था। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। जबकि महिला के पति गौकरण निर्मलकर को कोई आपत्ति नहीं थी।

गीता के ससुर मनोहर निर्मलकर (63) को इस दोस्ती पर एतराज था। लेखराम हारमोनियम सिखाने घर आता तो बुजुर्ग गाली-गलौज पर उतर आता था। इसी बात से तंग आकर गीता और लेखराम ने 29 जून रविवार को हत्या की साजिश रची। 16 जुलाई बुधवार की रात 12 बजे सोते हुए ससुर को करंट देकर मार डाला। 17 जुलाई गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे हत्या के बाद सब कुछ सामान्य दिखाने की कोशिश की गई। शातिर बहू गीता ने ग्रामीणों को बताया कि, ससुर रात में शराब पीकर साइकिल से गिर गए थे और सुबह उनकी मौत हो गई। मोहल्ले की महिलाएं जब कफन लेकर घर पहुंचीं तो हल्दी लगे शरीर को देखकर पूछा तो बहू ने जवाब दिया कि गिरने से चोटें आई थीं।

इसलिए हल्दी लगाई है। लेकिन जब शव श्मशान पहुंचा और चिता पर लिटाने से पहले कपड़ा हटाया गया तो गहरे घावों को देखकर ग्रामीणों को शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

इजराइल के सीरिया पर हमले से ट्रम्प नाराज

रिपोर्ट में दावा- व्हाइट बोला- नेतन्याहू पागल हो गए, बच्चों जैसी हरकतें कर रहे

वॉशिंगटन, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल के सीरिया पर हमले से ट्रम्प नाराज हैं। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस, इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बर्ताव पर नाखुशी जाहिर की है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने नेतन्याहू को 'पागल' और 'ऐसा बच्चा जो सही व्यवहार नहीं करता' तक कह दिया है।

व्हाइट हाउस का मानना है कि नेतन्याहू बेकाबू हो गए हैं और इस तरह काम कर रहे हैं, जैसे उनके पीछे कोई राजनीतिक एजेंडा हो। एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक्सियोस को बताया कि 'बीबी (नेतन्याहू) पागलों जैसी हरकतें कर रहे हैं। वह हर जगह बम गिरा रहे हैं। इससे ट्रम्प की शांति कायम करने की कोशिशें कमजोर हो रही हैं।'

इजराइल ने सीरिया के ड्रूज (शिया) बहुल शहर स्वेदा में सीरियाई सेना के टैंकों पर हमला किया था, क्योंकि वहां स्थानीय सरकार पर नागरिकों की हत्या के आरोप लगे थे। इसके बाद इजराइल ने बुधवार को राजधानी दमिश्क पर भी हमला किया और कई इमारतों को निशाना बनाया।

इससे पहले गाजा में इजराइली टैंक की बमबारी में एकमात्र कैथोलिक चर्च पर हमला हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई थी। इजराइली सेना ने इसे 'गलती' बताया, लेकिन अमेरिकी प्रशासन में इससे गुस्सा फैल गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, हर दिन कुछ नया हो रहा है। ये सब क्या बकवास है?

रिपोर्ट में कहा गया है कि सीरिया पर इजराइली हमला ट्रम्प प्रशासन के लिए पूरी तरह 'चौंकाने वाला' था। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि गाजा के चर्च पर हुए हमले के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू को फोन कर जवाब मांगा।

हालांकि राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस चर्च हमले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया, लेकिन उन्होंने नेतन्याहू को फोन किया और नाराजगी जताई। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को इस हमले पर माफी मांगनी चाहिए, जिसके बाद नेतन्याहू ने एक बयान जारी किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि इस घटना पर ट्रम्प खुश नहीं हैं। सीरिया पर हमला व्हाइट हाउस के लिए इसलिए भी समस्या बन गया क्योंकि ट्रम्प उस देश में शांति लाना चाहते हैं और वहां पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका की बड़ी भूमिका की घोषणा भी कर चुके हैं।

इजराइल ने नहीं मानी यूएस की बात, सीरिया पर हमला किया

अमेरिका के विशेष दूत टॉम बैरक ने इजराइल से 15 जुलाई को कहा था कि वह सीरिया पर हमले रोक दे ताकि बातचीत के लिए जगह बन सके।

इजराइल ने तब यह बात मान ली लेकिन अगले ही दिन उसने फिर से सीरिया पर हमला कर दिया। इस दौरान इजराइल ने दमिश्क में सैन्य मुख्यालय और राष्ट्रपति भवन के पास की इमारतों को निशाना बनाया।

इजराइल ने तब कहा कि वह सीरिया में ड्रूज समुदाय के समर्थन में हमले कर रहा है। ड्रूज एक अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय है, जिनका एक बड़ा हिस्सा इजराइल में रहता है और सेना में भी सेवा करता है।

एक सीनियर इजराइली अधिकारी ने बताया कि अमेरिका चाहता है कि सीरिया की नई सरकार स्थिर बनी रहे, लेकिन वह यह समझ नहीं पा रहा है कि इजराइल बार-बार वहां हमले क्यों कर रहा है।

ट्रम्प ने ओबामा की गिरफ्तारी का एआई वीडियो शेयर किया

एफबीआई ने कॉलर पकड़कर गिराया, हथकड़ी लगाई, पास में बैठे मुस्कुराते दिखे प्रेसिडेंट

वॉशिंगटन, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की गिरफ्तारी का एआई से बना वीडियो पोस्ट किया है। इस वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि बराक ओबामा को एफबीआई एजेंट व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में गिरफ्तार कर रहे हैं।

वीडियो में ओबामा को ट्रम्प के पास बैठे दिखाया गया है। इसके बाद 3 एजेंट्स आते हैं। एजेंट्स ओबामा का कॉलर पकड़कर उन्हें धक्का देकर नीचे गिरा देते हैं और उनके हाथों में हथकड़ियां लगाते हैं।

पास में ही बैठे ट्रम्प यह सब देखकर मुस्कुरा रहे हैं। वीडियो के अंत में ओबामा जेल की पोशाक में एक सेल के अंदर नजर आते हैं। वीडियो की शुरुआत ओबामा के एक पुराने बयान से होती है, जिसमें वे कहते हैं, 'कोई भी, खासकर राष्ट्रपति भी कानून से ऊपर नहीं है। इसके बाद कई डेमोक्रेटिक नेताओं की क्लिप जोड़ी गई है, जिनमें जो बाइडेन भी शामिल हैं, जो दोहराते हैं – 'कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।' इस वीडियो को लेकर ट्रम्प की ओर से कोई सफाई नहीं दी गई है कि यह वीडियो फर्जी है। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक दृश्य है।

इस वीडियो की वजह से ट्रम्प की खूब आलोचना हो रही है। कई लोगों ने इसे 'उकसाने वाला' बताया और कहा कि एक राष्ट्रपति का इस तरह के फर्जी वीडियो शेयर करना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है।

कुछ का यह भी कहना है कि यह एपस्टीन केस से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

ट्रम्प ने कुछ हफ्ते पहले ही ओबामा पर प्रशासन पर 2016 के चुनाव में उनके खिलाफ चुनावी धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इससे पहले अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने भी ट्रम्प पर 2016 के चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया।

गबार्ड ने कहा कि ओबामा और उनके प्रशासन के कई सीनियर अधिकारियों ने मिलकर एक देशद्रोही साजिश रची थी। इनका मकसद यह साबित करना था कि ट्रम्प की 2016 की राष्ट्रपति चुनाव में जीत रूस की मदद से हुई थी। चुनाव में ट्रम्प की जीत के बाद ओबामा और उनके शीर्ष अधिकारियों ने 'तख्तापलट की योजना' बनाई, जो एक साल तक चली। इन अधिकारियों ने झूठी खुफिया जानकारी तैयार की और उसे इस तरह पेश किया जैसे रूस ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित किया हो।

2016 के चुनाव से पहले जो खुफिया जानकारी थी, वो चुनाव के बाद अचानक बदल गई।

पहले कहा जा रहा था कि रूस चुनाव में हस्तक्षेप नहीं कर रहा, लेकिन चुनाव के बाद उल्टे दावे किए जाने लगे।

इस साजिश में जो भी लोग शामिल थे, चाहे वे कितने भी ताकतवर क्यों न हों, उन पर जांच होनी चाहिए और कानून के मुताबिक कार्रवाई की जानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो अमेरिका के लोकतंत्र में जनता का भरोसा खत्म हो जाएगा, जो देश के भविष्य के लिए खतरनाक होगा।

गबार्ड ने कहा कि इस साजिश का हिस्सा वह मशहूर 'रिपोर्ट' भी थी, जिसे एक ब्रिटिश खुफिया विश्लेषक क्रिस्टोफर स्टील ने तैयार किया था।

अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी करने वाले 4 गिरफ्तार

पाकिस्तान से मंगवाए, फ्रांस से मिला टारगेट, 4 पिस्तौल और 10 कारतूस बरामद

अमृतसर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने आज तरनतारन के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के पास से दो ग्लॉक पिस्तौल, दो स्टार पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनिंदर सिंह के नेतृत्व में राजासांसी डीएसपी इंद्रजीत सिंह की टीम ने यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपियों में स्वराज, अर्शदीप सिंह, गुलाब सिंह और गौरव शामिल हैं। चारों आरोपी तरन तारन के रहने वाले हैं और तस्करी में एक्टिव हैं। इनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक एक्टिवा स्कूटर भी जब्त की गई है।

डीएसपी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि आरोपी वॉट्सऐप के जरिए पाकिस्तान और फ्रांस के हथियार तस्करों से सीधा संपर्क रखते थे। फ्रांस में रह रहे डेरा बाबा नानक निवासी 'गोपी' के निर्देश पर ये लोग तस्करी कर रहे थे। हथियारों की खेप पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत भेजी जा रही थी, जिसके बाद इसे आरोपी आगे सप्लाई करते थे।

लोपोके पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया जा रहा है।

पुलिस आरोपियों के अन्य संबंधों की जांच कर रही है। जांच में जिनकी भी संलिप्तता सामने आएगी, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम

167 अरब डॉलर लागत, चीन का ब्रह्मपुत्र पर बन रहा बांध क्यों है खास

बीजिंग, 21 जुलाई (एजेंसियां)। चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने का काम शुरू कर दिया है। चीन की ओर से शनिवार को इसका आधिकारिक ऐलान किया गया है। चीन यह बांध भारत के अरुणाचल प्रदेश के पास तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर बना रहा है। चीन के इस प्रोजेक्ट की लागत 167.8 अरब अमेरिकी डॉलर है। चीन की अरबों डॉलर की इस परियोजना ने निचले देशों खासतौर से भारत और बांग्लादेश में चिंता बढ़ी है। इस बांध के बारे में 10 बड़ी बातें हम आपको बता रहे हैं।

चीन का ब्रह्मपुत्र पर बनने वाला यह बांध दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम होगा। इस परियोजना में पांच जलविद्युत स्टेशन शामिल होंगे। इनकी कुल लागत 1.2 ट्रिलियन युआन (167.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर) खर्च होंगे। फिलहाल चीन में यांग्त्जी नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम 22.5 गीगावाट क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।

ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाले इस बांध से हर साल 300 अरब किलोवाट घंटे बिजली का उत्पादन होगा। यहां बनने वाली बिजली मुख्य रूप से तिब्बत के बाहर सप्लाई की जाएगी। हालांकि इसका कुछ हिस्सा स्थानीय खपत की जरूरतों के लिए भी दिया जा सकता है। चीन का दावा है कि इससे तिब्बत में रोजगार के हजारों मौके बनेंगे। चीन का यह बांध वहां बन रहा है, जहां ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में बहने के लिए तीव्र यूटर्न लेती है। ऐसे में यह बांध नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करने का जोखिम पैदा करता है। भारत और बांग्लादेश की नदी के जल प्रवाह, पारिस्थितिक स्थिरता और क्षेत्रीय भूराजनीति पर प्रभाव के लिए चिंता है।

चीन अपने नए ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में इस परियोजना के महत्व पर जोर दे रहा है। चीन ने भारत और बांग्लादेश की चिंता को खारिज किया है। हालांकि एक्सपर्ट का मानना है कि यह बांध कृषि उत्पादकता (चावल और जूट की फसल के लिए) और पूर्वी हिमालय जैसे जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट को प्रभावित कर सकता है।

ब्रह्मपुत्र कई देशों में बहने वाली नदी है। सका बेसिन चीन (50.5%), भारत (33.3%), बांग्लादेश (8.1%) और भूटान (7.8%) में 5,80,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। भारत में इसका क्षेत्रफल 1,94,413 वर्ग किलोमीटर है। इसमें अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के क्षेत्र शामिल हैं। ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत की कैलाश पर्वतमाला में मानसरोवर झील के पूर्व में स्थित चेमायुंगडुंग ग्लेशियर से निकलती है।

बलूचिस्तान में ऑनर किलिंग का वीडियो वायरल

पुलिस ने 11 संदिग्धों को गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान पुलिस ने ऑनर किलिंग के एक मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई ऑनर किलिंग का वीडियो वायरल होने के बाद की है, जिसमें बलूचिस्तान में एक घर में दंपति की ऑनर किलिंग मामले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद घटना को लेकर लोगों में गुस्सा और नाराजगी देखी जा रही है।

नागरिक संगठन, धार्मिक विद्वानों और राजनेताओं ने इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग की। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोमवार को बताया कि इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और ये लोग ऑनर किलिंग के मामले में संदिग्ध आरोपी हैं। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद ने बताया कि मामले की जांच चल ही है और घटना में शामिल जो सभी लोगों की पहचान कर ली गई है। साथ ही यह भी पता चल गया है कि घटना कब घटी और किसने घटना का वीडियो जारी किया।

वीडियो में दिख रहा है कि हथियारबंद लोगों का एक समूह एक दंपति की निर्मम हत्या कर रहा है। दंपति की पहचान अभी नहीं हो सकी है। वीडियो में दिख रहे लोग बराहुई भाषा में बात कर रहे थे। गौरतलब है कि पाकिस्तान में अभी भी ऑनर किलिंग की घटनाएं सामने आती रहती हैं और हर साल ऐसे मामले रिपोर्ट किए जाते हैं। मानवाधिकार आयोग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, उस साल पाकिस्तान में कम से कम 405 ऑनर किलिंग की घटनाएं हुईं।

आयरन डोम की जगह लेगा इजरायल का लेजर वेपन

हमास हो या ईरान ताकत जान दुश्मन के उड़ जाएंगे होश, जल्द होगा तैनात

तेल अवीव, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल ने इसी साल मई के आखिर और जून की शुरुआत में अपने एक नए और खतरनाक हथियार के बारे में जानकारी दी थी, जो हवाई मार्ग से आने वाले दुश्मन के लिए काल साबित होगा। आईडीएफ और राफेल ने बताया था कि उन्होंने हवाई रक्षा के लिए तीन लेजर हथियार विकसित किया है, जिसे आयरन बीम, आयरन बीम एम और लाइट बीम नाम दिया है। इनमें से एक प्लेटफॉर्म का हिजबुल्लाह के ड्रोन हमले के खिलाफ सफल इस्तेमाल भी हो चुका है। उस दौरान बताया गया था कि लेजर प्लेटफॉर्म को 2025 के अंत तक पूरी तरह से तैनात किए जाएगा। इसका मतलब है कि ऐसा होने में केवल 4 महीने बाकी रह गए हैं। इस हथियार को इजरायल की सुरक्षा को पूरी तरह बदलने वाला बताया जा रहा है।

आयरन डोम के मुकाबले काफी सस्ता

इजरायल का सबसे चर्चित एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम है, जो छोटी दूरी के रॉकेट, मिसाइल या ड्रोन के खिलाफ काम करता है। लेकिन यह काफी महंगा है। आयरन डोम इंटरसेप्टरकी वर्तमान लागत इजरायल को 40,000 डॉलर से 100,000 डॉलर तक है। वहीं, गाजा में लड़ रहे हमास ने अपने सस्ते रॉकेटों पर 300 से 800 डॉलर तक खर्च किए थे। इसके मुकाबले आयरन बीम, आयरन बीम एम (मोबाइल) और लाइट बीम की कीमत लगभग शून्य है। हर बार यह कई मायनों में बिजली के एक छोटे से विस्फोट से रोशनी करने के बराबर है।

ये लेजर हथियार मिसाइलों और रॉकेट को उनके रास्ते में बहुत तेजी से और पहले ही मार गिरा सकते हैं, क्योंकि लेजर प्रकाश की गति से चलता है। इस तरह ये आयरन डोम के रक्षात्मक शॉट की तुलना में व्यापक रक्षा कवरेज प्रदान करने के लिए एक साथ कई लेजर बीम भी दाग सकते हैं। खतरनाक रॉकेट या ड्रोन को उनके प्रक्षेप पथ में मार गिराने का यह बदलाव घरेलू मोर्चे पर भी असाधारण रूप से जीवन बदल सकता है। अब तक दुश्मन के रॉकेट फायर होने के बाद आईडीएफ को कई इलाकों में चेतावनी सायरन बजाना पड़ता था ताकि अगर रॉकेट किसी रिहायशी इलाके में सफलतापूर्व गिर जाए तो नागरिकों को सुरक्षित कमरों और बम आश्रयों तक पहुंचने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

मनाडो जा रहे इंडोनेशियाई जहाज में लगी आग पर पाया गया काबू

बचाव दलों ने 568 यात्रियों को बचाया

मनाडो, 21 जुलाई (एजेंसियां)। यात्रियों को लेकर मनाडो जा रहे इंडोनेशियाई जहाज में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। इसके अलावा बचाव दलों ने 568 यात्रियों को बचा लिया है। जबकि तीन यात्रियों की मौत हो गई। रविवार को उत्तरी सुलावेसी में तालिस द्वीप के पास इंडोनेशियाई जहाज में आग लग गई थी। इस दौरान कुछ यात्री बचने के लिए समुद्र में भी कूद गए थे।

मनाडो नौसेना बेस के प्रमुख प्रथम एडमिरल फ्रैंकी पासुना सिहोम्बिंग ने कहा कि जहाज केएम बार्सिलोना 5 में रविवार दोपहर के समय आग लग गई, मनाडो की ओर जा रहा था। यह जहाज सुलावेसी के तालिस द्वीप जिले में मेलोंगुआने बंदरगाह से आगे बढ़ चुका था। अचानक जहाज के पिछले हिस्से में आग लग गई। जहाज में सवार यात्री जान बचाने के लिए समुद्र में कूदने लगे।

सिहोम्बिंग ने बताया कि बचाव अभियान में एक तटरक्षक जहाज, छह बचाव पोत और कई नावें लगाई गईं। बचावकर्मियों ने कई लोगों को समुद्र से निकालकर पास के द्वीपों पर पहुंचाया और स्थानीय मछुआरों ने भी कुछ जीवित बचे लोगों को लाइफ जैकेट पहनकर बचाया, जो लहरों के बीच फंसे थे।

सिहोम्बिंग ने बताया कि जहाज के पिछले हिस्से में लगी आग एक घंटे के भीतर बुझा दी गई। जहाज की सूची में शुरुआत में केवल 280 यात्री और 15 चालक दल के सदस्य दर्ज थे, लेकिन बचाव दल ने 568 जीवित बचे लोगों को बचा लिया। एक गर्भवती महिला सहित तीन शव बरामद किए गए हैं। खोज और बचाव अभियान जारी है, हालांकि अभी तक किसी के लापता होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

अधिकारियों ने पहले कहा था कि हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है, लेकिन बचाव एजेंसी ने सोमवार को यह संख्या तीन कर दी। जिन दो यात्रियों को पहले मृत बताया गया था, उनको अस्पताल में बचा लिया गया। इसमें एक दो महीने का बच्चा भी शामिल था, जिसके फेफड़ों में समुद्र का पानी भर गया था।

सिहोम्बिंग ने बताया कि जहाज में यात्रियों की संख्या का विवरण सूची से अलग होना आम बात है। यह दुर्घटनाओं को बढ़ावा दे सकता है और खोज एवं बचाव कार्यों को कठिन बना सकता है। जहाज की क्षमता 600 लोगों की है। इंडोनेशिया में 17000 से अधिक द्वीपसमूह हैं, यहां यात्रा का एक आम साधन नौकाएं हैं।

इजराइली पीएम नेतन्याहू को फूड प्वाइजनिंग

3 दिन वर्क फ्रॉम होम करेंगे

यरूशलम, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फूड पॉइजनिंग और शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन की वजह से तबीयत खराब हो गई है। पीएमओ ने इसकी जानकारी दी। इसमें बताया गया है कि पीएम की हालत अब स्थिर है। नेतन्याहू अब 3 दिन घर पर रहकर ही आराम करेंगे। इस दौरान वे वर्क फ्रॉम होम यानी कि घर से ही अपना कामकाज संभालेंगे। नेतन्याहू रविवार सुबह होने वाली अपनी साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंचे थे। इसके बाद से ही उनके स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठने लगे। पीएमओ ने बताया कि नेतन्याहू की शनिवार रात ही तबीयत खराब लगने लगी थी। इसके बाद डॉक्टर ने उनके घर पर पहुंचकर जांच की। डॉक्टरों ने बताया कि नेतन्याहू को खाने की वजह से आंतों में सूजन हो गई थी। इसी के कारण डिहाइड्रेशन हुआ। नेतन्याहू को फिलहाल नसों के जरिए तरल पदार्थ यानी ड्रिप दी जा रही है। नेतन्याहू के स्वास्थ्य को लेकर इससे पहले भी कई बार खबरें आ चुकी हैं। साल 2023 में उन्हें एक बार दिल की धड़कन रुकने की समस्या हुई थी, जिसके बाद उन्हें पेस मेकर लगाया गया था। दिसंबर 2023 में मूत्र मार्ग में संक्रमण के बाद नेतन्याहू की प्रोस्टेट की सर्जरी हुई थी।

पन्नू बोला-अमेरिका में 15 अगस्त को खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालेंगे

इसके 2 दिन बाद जनमत संग्रह करेंगे, तिरंगा जलाने की धमकी दी

अमृतसर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी करके 15 अगस्त को अमेरिका खालिस्तान फ्रीडम रैली निकालने का ऐलान किया है। रैली अमेरिकी की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के बाहर निकाली जाएगी। इसके दो दिन बाद यहीं खालिस्तान के समर्थन में जनमत संग्रह किया जाएगा। वीडियो में पन्नू ने तिरंगा जलाने की भी धमकी देते हुए कहा- तुमने पाकिस्तान पर हमला किया और वो बच गया। हम हिंदुस्तान को तबाह कर देंगे।

कहा- 15 अगस्त सिख पंथ और पंजाब की आजादी का दिन नहीं

वीडियो की शुरुआत में पन्नू कहता दिख रहा है कि 15 अगस्त सिख पंथ और पंजाब की आजादी का दिन नहीं है। 1950 का संविधान सिख धर्म को हिंदू धर्म का हिस्सा बताता है।

जून 1984 गोल्डन टेंपल पर हमले के बाद ये तिरंगा श्री अकाल तख्त साहिब पर चढ़ाया गया था। उस दिन लाइन खींच दी गई थी। एक तरफ हिंदुस्तानी और हिंदूवादी थे और दूसरी तरफ थे पंजाब और सिख।

बोला- तिरंगे के नीचे दिल्ली में नरसंहार हुआ

वीडियो में पन्नू ने आगे कहा- इसी तिरंगे के नीचे दिल्ली में नरसंहार हुआ है। 30 हजार सिख शहीद किए गए। नरसंहार के बाद विधवा कॉलोनी सिर्फ सिख पंथ की है। ये कलंक हमारे माथे पर है। उस कलंक को मिटाने के लिए ये तिरंगा और हिंदुस्तान दुनिया के नक्शे से मिटाना पड़ेगा। 1984 से 1995 तक पंजाब में खून की होली खेली है। सारा पंजाब नरसंहार की भेंट किया।

भारत में जनमत संग्रह करने की धमकी दे चुका

करीब 6 महीने पहले गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी किया था। इसमें उसने भारत में खालिस्तान यानी अलग देश के लिए जनमत संग्रह शुरू करने की बात कही थी। इससे पहले वह अमेरिका, कनाडा, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप सहित अन्य देशों में सिखों के लिए अलग देश की मांग को लेकर खालिस्तान जनमत संग्रह करा रहा था।

एसएफजे टीम नाम के अकाउंट से रेफरेंडम पर वोटिंग के लिए क्यूआर कोड शेयर किया था। साथ ही वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराने का प्रोसेस भी बताया था। संगठन की तरफ से फॉर्म भी डाले गए थे, जिसमें सिख और दूसरे धर्मों के लोग भी वोट कर सकते थे। हालांकि, पोस्ट आने के 10 घंटे के बाद ही अकाउंट को भारत में बैन कर दिया गया था।

अमेरिका में भारतीय डॉक्टर पर यौन शोषण का आरोप

वॉशिंगटन, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतीय मूल के एक डॉक्टर पर यौन शोषण और मेडिकल फ्रॉड के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के न्यू जर्सी में 51 साल के डॉ. रितेश कालरा नशे की लत से जूझ रहे मरीजों से अवैध दवाइयों के बदले यौन संबंध बनाने की मांग करता था।

कालरा ने अपने फेयर लॉन क्लिनिक को 'पिल मिल' के रूप में ऑपरेट किया, जहां वह बिना मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन के ऑक्सीकोडोन जैसी पावरफुल ओपिओइड (नशीली दवाई) देता रहा। डॉक्टर के खिलाफ 5 आरोप दर्ज किए गए हैं, जिनमें तीन अवैध दवा वितरण और दो धोखाधड़ी के हैं। गुरुवार को एक मजिस्ट्रेट जज के सामने पेश होने के बाद उसे घर में नजरबंदी में रखा गया है। कालरा को 86 लाख का बॉन्ड भरने की शर्त पर रिहा किया जाएगा। उसे मेडिकल प्रैक्टिस करने और दवाइयां लिखने से भी रोक दिया गया है। कालरा के खिलाफ कई महिला मरीजों ने अश्लील रूप से छूने और दवाइयों के बदले संबंध बनाने की मांग करने की शिकायत की है। आरोप है कि डॉक्टर ने अपॉइंटमेंट के दौरान मरीज के साथ क्लिनिक के अंदर ही जबरन संबंध बनाया। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, कालरा बिना किसी मेडिकल जरूरत के लत लगाने के लिए नशीली दवाई लिखता था।

निकाय चुनाव को लेकर तस्वीर साफ

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

सीकर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर में भाजपा की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचे यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम एक राज्य एक चुनाव के तहत दिसंबर 2025 में निकाय चुनाव करवाने को दृढ़ संकल्पित है।

बता दें कि अभी निकायों का सीमांकन व पुनर्गठन कार्य जारी है, जो जुलाई के अंत तक खत्म हो जाएगा। इसके बाद अगस्त में मतदाता सूची अपडेट होगी। हालांकि, पहले माना जा रहा था कि निकाय चुनाव अक्टूबर-नवंबर में हो सकते है। लेकिन, अब मंत्री ने साफ कर दिया है कि इसी साल दिसंबर महीने में निकाय चुनाव कराए जाएंगे।

कांग्रेस पर साधा निशाना

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मास्टर प्लान के मामले में पिछली कांग्रेस सरकार को जमकर निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय शिक्षानगरी का मास्टर प्लान बना था। हमारी सरकार आने पर कई लोगों ने कई मार्ग को छोटा व बड़ा करने शिकायत दी थी। इस पर हमने सिर्फ इस तरह की गड़बड़ी को ठीक करके मास्टर प्लान जारी करने का काम किया है। पिछली कांग्रेस सरकार के समय मास्टर प्लान में काफी पाप हुए है।

20 से ज्यादा नगरीय निकायों की रैंकिंग सुधरी

मंत्री खर्रा ने कहा कि 20 से 50 हजार की आबादी की श्रेणी में डूंगरपुर लगातार पूरे देश में चौथे स्थान पर आया है। इसके अतिरिक्त जयपुर हेरिटेज, जयपुर ग्रेटर, कोटा, उदयपुर सहित 20 से ज्यादा नगरीय निकाय ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले साल की तुलना में इस साल अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। इसके चलते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुझे अवॉर्ड प्रदान किया गया था।

लोगों में स्वच्छता के प्रति आई जागरूकता

उन्होंने कहा कि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत का जो नारा दिया था उसके बाद से लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई है। डूंगरपुर और नगर निगम ग्रेटर ने सफाई के मामले में जो काम किया है, इसके लिए मैं सफाईकर्मियों, पार्षदों और अधिकारियों को धन्यवाद देता हूं।

स्वच्छता में मान बढ़ाने पर मंत्री का सम्मान

राजस्थान को स्वच्छता पुरस्कार दिलाने पर भाजपा की ओर से शनिवार को सम्मान समारोह हुआ। जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में यूडीएच मंत्री खर्रा को भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों सहित समाजों के प्रतिनिधियों ने किया।

गर्ल्स स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

3500 बच्चों की जान सांसत में

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में बम धमाकों की धमकी का सिलसिला जारी है। विद्याधर नगर स्थित माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद स्कूल को खाली करा लिया गया। पुलिस, बम निरोधक दस्ता और एटीएस कमांडो ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। छात्राओं को मॉक ड्रिल बताकर सुरक्षित निकाला गया।

ईमेल के जरिए बम धमाकों की धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। जयपुर में पिछले दो महीनों में एक दर्जन से ज्यादा बार बम ब्लास्ट की धमकियां मिल चुकी हैं। कभी एयरपोर्ट, कभी स्टेडियम, कभी स्कूल तो कभी हॉस्पिटल। पुलिस ने अब तक एक मामले में युवती की गिरफ्तारी की है। बाकी मामलों में धमकी देने वालों का पता नहीं लगाया जा सका है। आज सोमवार 21 जुलाई को एक बार फिर बम धमाके की धमकी मिली है। विद्याधर नगर स्थित माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल प्रशासन की ईमेल आईडी पर धमकी भरा ईमेल आया है।

स्कूल कराया गया खाली

सुबह स्कूल खोलने के बाद जब प्रशासन के कर्मचारियों ने ऑफिशियल ईमेल आईडी खोली तो वहां धमकी भरा ईमेल आया हुआ था। ईमेल में लिखा था कि स्कूल परिसर में कुछ देर बाद बम धमाका होने वाला है। स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम के साथ बम निरोधक दस्ता, एटीएस के कमांडो और अग्निशमन की गाड़ियां भी मौके पर पहुंची। एहतियात के तौर पर स्कूली छात्राओं को स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन चलाया गया। करीब दो घंटे तक तलाशी अभियान चला। तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

स्कूल परिसर से जब छात्राओं को बाहर निकाला जा रहा था। तब छात्राओं का सवाल था कि क्या हो गया। इस पर स्कूल प्रशासन ने छात्राओं को बताया कि स्कूल में मॉकड्रिल हो रही है। यानी बम धमाके की धमकी मिलने के बाद बचाव के जो उपाय किए जाते हैं, उनका परीक्षण हो रहा है। छात्राओं के परिजनों को भी कॉल करके बुलाया और बच्चों को घर ले जाने के लिए कहा। एडिशनल डीसीपी बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि स्कूल प्रशासन की तरफ से छात्राओं और परिजनों को मॉक ड्रिल के बारे में इसलिए कहा गया ताकि उनमें घबराहट या हड़बड़ी ना फैले।

छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

पुलिस ने बरसाई लाठियां; हिरासत में कई छात्रनेता

जोधपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय के बाहर सोमवार को एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने फीस वृद्धि के खिलाफ, छात्रसंघ चुनाव की बहाली और छात्र हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय के मुख्य गेट को बंद कर जमकर नारेबाजी की।

इसके बाद बढ़ते तनाव के बीच पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बता दें, यह प्रदर्शन एनएसयूआई छात्र नेता पारस गुर्जर की अगुवाई में किया गया। इस दौरान पुलिस ने छात्र नेता एमएल चौधरी सहित अन्य छात्रों को हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने फीस वृद्धि को तत्काल वापस लेने, छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और अन्य छात्र हितों से जुड़ी मांगों को उठाया।

छात्रसंघ चुनावों की बहाली की मांग

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा हाल ही में की गई फीस वृद्धि से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों पर भारी बोझ पड़ रहा है। इसके अलावा लंबे समय से रुके हुए छात्रसंघ चुनावों को बहाल करने की मांग भी जोर पकड़ रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुई तो वे पूरे राजस्थान में व्यापक आंदोलन छेड़ेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन पर लगे ये आरोप

दरअसल, प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्य गेट को बंद कर धरना दिया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह छात्रों की समस्याओं के प्रति उदासीन है और उनकी जायज मांगों को अनसुना कर रहा है।

प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण होने के बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की और इस दौरान छात्र नेता एमएल चौधरी को हिरासत में ले लिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। प्रदर्शनकारी छात्र धरने पर डटे हुए हैं और अपनी मांगों पर अड़े हैं।

'इससे आपकी विश्वसनीयता कम होती है'

राहुल गांधी को नसीहत देकर गजेंद्र सिंह शेखावत ने घेरा

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)।ॉ लोकसभा में मानसून सत्र को लेकर सियासत लगातार गर्माती जा रही है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावात ने जमकर निशाना साधा है। उन्होंने राहुल गांधी के संविधान की प्रति जेब में रखने को लेकर उन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि संविधान की एक प्रति जेब में रखना और साथ ही संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करना और उनकी पवित्रता को कम करना विरोधाभासी है। उन्होंने राहुल गांधी पर बड़ा हमला करते हुए गए कि वह जिस तरह की अनुचित टिप्पणियां करते हैं। इससे उनकी विश्वसनीयता कम होती है।

हत्या की गई थी, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने पद की चाहत में देश के सभी मूल स्तंभों को ध्वस्त कर आपातकाल लागू किया था। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों का हनन किया गया था। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले जयप्रकाश नारायण की गिरफ्तारी के बाद, प्रभाष जोशी ने सशक्त और विचारोत्तेजक लेख लिखे, जिन्होंने देश को जागृत किया और लोकतंत्र की बहाली के लिए लोगों को एकजुट किया था।

लोकसभा में मानसून सत्र को जमकर सियासी हलचल मची हुई। इस बीच कांग्रेस और बीजेपी में जमकर बयानबाजी हो रही है। संसद के आगामी मानसून सत्र को लेकर शेखावत ने कहा कि मेरा मानना है कि देश के सामने कई महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मुद्दे हैं, जिन पर खुली चर्चा और संवाद होना चाहिए, संसद संवाद का प्लेटफार्म है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इसका इस्तेमाल रचनात्मक विचार-विमर्श के लिए किया जाएगा, ना कि इसे व्यवधान या अराजकता का मंच बनाया जाएगा।

सीएम की कुर्सी पर 'बाबा' को देखने की इच्छा

भरी सभा में बीजेपी सांसद का कार्यकर्ताओं की धड़कनें बढ़ाने वाला बयान

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कुर्सी से हटाने के षड्यंत्र का दावा किया था। हालांकि बाद में इस बयान पर उनकी सफाई भी सामने आई लेकिन एक बार फिर सीएम की कुर्सी को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। राजस्थान में किरोड़ीलाल समर्थक और कार्यकर्ताओं के बीच इस बयान के बाद हलचल मच गई है। वजह बना है दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी का एक बयान, जो उन्होंने राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की मौजूदगी में दिया। बिधूड़ी ने खुले मंच से कहा, 'बाबा, इच्छा है कि राजस्थान की बड़ी कुर्सी पर आपको बैठे देखें।' इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिस पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

जब सांसद ने ये बात कही तो किरोड़ी लाल मीणा ने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। वहीं कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने तालियों से उनका समर्थन किया। मंच पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी मौजूद थे, जो ये सुनकर मुस्कुरा उठे।

यह बयान दिल्ली के मसूदाबाद, नजफगढ़-द्वारका रोड पर आयोजित आदिवासी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान के वार्षिक समारोह में दिया गया। मंच पर किरोड़ी लाल मीणा, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, पश्चिमी दिल्ली सांसद कमलजीत शेहरावत, मटियाला विधायक संदीप सेहरावत, नजफगढ़ विधायक नीलम कृष्ण पहलवान समेत कई बीजेपी नेता मौजूद थे।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, 'मेरी उम्र 76 साल हो गई है। अब सबकी और मेरी भी यही इच्छा है कि बाबा राजस्थान की सबसे बड़ी कुर्सी पर बैठे।' उनके इस इशारे ने राजनीतिक हलचल को और तेज कर दिया है। सांसद के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का माहौल बना दिया है। समर्थकों ने किरोड़ी लाल मीणा के पक्ष में नारेबाजी भी की। वहीं, यह भी कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीति में इसके कई मायने निकाले जा सकते हैं।

चलती ट्रेन में चढ़ते समय हुई 21 साल की नर्सिंग छात्रा की मौत

दोस्त के साथ आ रही थी जयपुर

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दरअसल मृतक छात्रा अमृता नायर जयपुर के धावास की रहने वाली थी। वह बेंगलुरु के इंस्टीट्यूट में सेकेंड ईयर की छात्रा थी और अपनी दोस्त के साथ ट्रेन से घर लौट रही थी। ट्रेन जब बैतूल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी थी तब अमृता पानी की बोतल लेने नीचे उत्तरी और इसी दौरान ट्रेन चल पड़ी। उसने दौड़कर ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की लेकिन उसका हाथ छूट गया और वह संतुलन खो बैठी। जिस कारण प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच नीचे गिर गई। यात्रियों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन बचा नहीं पाए।

ट्रेन में सफर करते समय ये रखें ध्यान

ट्रेन में सफर करते समय यात्रियों को अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए। चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने की कोशिश बिल्कुल नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकता है। हमेशा ट्रेन के पूरी तरह रुकने के बाद ही चढ़ें या उतरें। प्लेटफॉर्म पर जल्दीबाज़ी करने से बचें और सामान की चिंता में खुद की सुरक्षा को न भूलें। सफर के दौरान ज़रूरी चीज़ें, जैसे पानी की बोतल या खाना, पहले से रख लें ताकि स्टेशन पर उतरने की ज़रूरत न पड़े। अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए रेलवे के निर्देशों का पालन करना बेहद जरूरी है।

जयपुर को मिला "विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 2025" में स्थान, टॉप 5 वैश्विक पर्यटन शहरों में शामिल

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर ने वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका यात्रा + आराम द्वारा जारी विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 2025 की सूची में जयपुर को विश्व के शीर्ष पांच पर्यटन शहरों में शामिल किया गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने प्रदेशवासियों को बधाई दी और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और डबल इंजन सरकार के समर्पित प्रयासों का परिणाम बताया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, "यह भारत के लिए गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की पर्यटन क्षेत्र को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की नीति, और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए गए सतत प्रयासों का ही परिणाम है कि जयपुर ने यह उपलब्धि हासिल की है।" उन्होंने कहा कि जयपुर की सांस्कृतिक समृद्धता, ऐतिहासिक धरोहर, और लोक कला ने सदैव दुनियाभर के सैलानियों को आकर्षित किया है। अब इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता से राज्य का पर्यटन और भी अधिक प्रोत्साहित होगा। दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि "राज्य सरकार पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसका ही परिणाम है कि राजस्थान अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर रहा है।"

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी और कहा, "यह सम्मान हर उस व्यक्ति की मेहनत का फल है जो राजस्थान की परंपरा, मेहमाननवाजी और विरासत को दुनिया के सामने गर्व से प्रस्तुत करता है।" उन्होंने आशा जताई कि आने वाले समय में जयपुर और राजस्थान विश्व पर्यटन मानचित्र पर और भी ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे।

फरार हो गई दुल्हन, फिर फ़ोन करके बोली 'और पैसे दो वरना फंसा दूंगी'

दूल्हे ने केस दर्ज कराया

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटखवड़ा क्षेत्र से एक लूटेरी दुल्हन का मामला सामने आया है, जिसमें 42 वर्षीय दूल्हा शादी के महज 13 दिन बाद धोखाधड़ी का शिकार हो गया। दरअसल शादी के बाद दुल्हन अपने साथ लाखों रुपए की नकदी और सोने के आभूषण लेकर फरार हो गई। जिसके बाद में दूल्हे से पैसों की डिमांड करने लगी और नहीं देने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देती रही। दूल्हे ने कोटखवड़ा थाने में एक केस दर्ज कराई, जिसमें बताया कि 'वह एक जानकार रामजीलाल के माध्यम से दिल्ली से आई लड़की प्रीति से मिला था। रामजीलाल ने कहा था कि वह लड़की गरीब परिवार से है और उससे कोई भी शादी के लिए तैयार नहीं है। रिश्ता तय करवाने तय करवाने की एवज में रामजीलाल ने दूल्हे से 3.60 लाख रुपए नकद लिए। जिसके बाद शादी हुई और दुल्हन अपने ससुराल में रहने लगा गई। जिसके 13 दिन बाद यानी 18 जुलाई को सुबह दुल्हन के माता-पिता समेत कई लोग पहुंचे और पैसों की मांग करने लगे।

ट्रॉले के पाहिए के नीचे आकर मामा-भांजे की मौत, चेहरा तक नहीं पहचान पाए लोग

अलवर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर शहर के सदर थाना क्षेत्र में दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में मामा-भांजे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना दोपहर की है जब ककराली गांव से तुलेड़ा जा रहे बाइक सवार मामा-भांजे को कटोरी वाला पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार कंटेनर ने कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों के सिर ट्रॉले के अगले पहिए के नीचे आ गए और उनका चेहरा तक पहचानना मुश्किल हो गया। मृतकों की पहचान मामा मालिक (19) पुत्र सलीम निवासी ककराली और भांजे मंजलिस (14) पुत्र शेर मोहम्मद निवासी तुलेड़ा के रूप में हुई है। तुलेड़ा के सरपंच बबल यादव ने बताया कि मालिक 12 वी कक्षा पास करने के बाद दो साल से मदरसा दारुल उलूम इस्लामिया जोधपुर से मोलवियत की पढ़ाई कर रहा था और अविवाहित था। वह छह भाइयों में पांचवे नम्बर पर था और उसके पिता सलीम जयपुर जिले के दूदू सावरदा मदरसे में मौलवी है। दूसरा मृतक मजलिस गांव तुलेड़ा की सरकारी स्कूल में कक्षा ग्यारवी में पढ़ता है।मजलिस के एक छोटा भाई भाई भी है। मृतक मलिक ही ट्रेन से जोधपुर से अलवर आयस था। उसके साथ पढ़ने वाले दो और छात्र भी आये थे जो छठी मील ओर किथूर के रहने वाले है। रेलवे स्टेशन से मलिक सीधे अपनी बहन के घर तुलेड़ा गया था जहां पर उसने मलिक ने किसी की बाइक मांगी और भांजे मजलिस को साथ लेकर दोनों साथियों को छोड़ने छठी मील गया।

शिक्षा विभाग का बड़ा आदेश, साढ़े चार हजार सरप्लस शिक्षकों की होगी अपने स्कूल से विदाई

बांसवाड़ा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा विभाग का बड़ा आदेश शिक्षा विभाग के खेल भी निराले हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशालय ने बांसवाड़ा जिले सहित प्रदेश के 3737 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से करीब साढ़े चार हजार से अधिक शिक्षकों को अधिशेष की श्रेणी में डाल दिया है। अब ये शिक्षक चालू सत्र में नई स्कूलों के दरवाजे खटखटाएंगे। इन अधिशेष शिक्षकों के लिए निदेशक ने टाइम फ्रेम भी जारी कर दिया है। ऐसे में अगले चार-पांच दिन में ही इनकी पुरानी स्कूल से विदाई हो जाएगी। तय शिड्यूल अनुसार 22 जुलाई को शिक्षाधिकारी आदेश जारी करेंगे और 24 को शिक्षकों को नई स्कूल में जाना होगा।

इन महात्मा गांधी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए 25 अगस्त को चयन परीक्षा हुई थी। इसके परिणाम जारी करने के साथ ही कुछ दिनों पूर्व ही तृतीय श्रेणी शिक्षकों से लेकर प्राचार्य तक के कुल 11 हजार 576 शिक्षकों को एक जुलाई को पदस्थापन दिया था। नवपदस्थापित शिक्षकों के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व में कार्यरत यहां अचयनित शिक्षक अधिशेष हो गए हैं।

बांसवाड़ा 45, चित्तौड़गढ़ 90, डूंगरपुर 68, राजसमंद 54, सलूम्बर 20, उदयपुर 98।

अधिशेष शिक्षकों का समायोजन रिक्तियों के क्रम में उसी राजस्व ग्राम में किया जाएगा। उसी राजस्व ग्राम में पद रिक्त नहीं होने पर ग्राम पंचायत के अन्य विद्यालय या ब्लॉक या जिले में पदस्थापित किया जाएगा। यथासंभव निकट के ब्लॉक के विद्यालय में समायोजन होगा। शहरी क्षेत्र के अधिशेष कार्मिकों का समायोजन शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र के अधिशेष कार्मिकों का समायोजन ग्रामीण क्षेत्र में ही होगा।

यदि अधिशेष कार्मिकों के समायोजन के लिए ग्रामीण क्षेत्र में एक भी पद रिक्त नहीं रहता है, तो ग्रामीण क्षेत्र के कार्मिक को ग्रामीण क्षेत्र में पद रिक्त होने तक अस्थाई रूप से शहरी क्षेत्र में लगाया जा सकेगा।

शहरी क्षेत्र में भी एक भी पद रिक्त नहीं होने पर शहरी क्षेत्र के कार्मिक को ग्रामीण क्षेत्र में लगाया जाएगा।

प्रदर्शन में पुलिस पर पथराव, जयपुर-आगरा हाईवे जाम, धारा 144 लागू

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के जामडोली थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या ने सोमवार सुबह शहर के हालात को अशांत कर दिया। मृतक युवक विपिन की हत्या से गुस्साए लोगों ने जयपुर-आगरा हाईवे को पूरी तरह जाम कर दिया और जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन देखते ही देखते उग्र रूप ले बैठा, जिससे क्षेत्र में भारी तनाव फैल गया।

हाईवे पर जमा हुई भीड़ ने पुलिस की समझाइश को अनसुना कर दिया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब लोगों ने दुकानों पर पथराव शुरू कर दिया और धक्का-मुक्की के हालात बन गए। पथराव में कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है।

हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस प्रशासन ने बड़े पैमाने पर बल तैनात किया और बल प्रयोग करते हुए सड़क को खाली कराया। हालांकि अभी भी तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। प्रदर्शन कर रहे लोगों की चार मुख्य मांगें हैं, जिन्हें लेकर उन्होंने सड़क से हटने से इनकार कर दिया। इनमें मृतक के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, जामडोली थानाधिकारी का निलंबन और हत्या की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने की मांगें शामिल हैं। हाईवे पर धरने पर बैठी विपिन की बहन को जब पुलिस हटाने की कोशिश कर रही थी, तो वह बार-बार बेसुध हो जाती थी। आंखों में आंसू और आवाज में दर्द समेटे उसका एक ही वाक्य हर किसी को झकझोर रहा था कि मुझे मेरा भाई चाहिए, मुझे न्याय चाहिए...। भीड़ में कई लोग विपिन की बहन को सांत्वना देते रहे, लेकिन उसका शोक और आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा था।

सीपी ने श्री अक्कना मदन्ना मंदिर में घट्टम जुलूस को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद, सी.वी. आनंद, अपनी पत्नी ललिता आनंद के साथ श्री अक्कना मदन्ना मंदिर गए और घट्टम जुलूस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर, आयुक्त ने घट्टम जुलूस में भाग लेने पर अपनी अपार प्रसन्नता व्यक्त की और मंदिर प्रबंधन तथा घट्टम जुलूस के आयोजकों के प्रति आभार और शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। आयुक्त ने श्री अक्कना मदन्ना मंदिर के 350 साल के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 1675 में कुतुब शाही शासन के दौरान, यहाँ 10 वर्षों तक पूजा-अर्चना की जाती थी। अक्कना और मदन्ना की मृत्यु के बाद, पूजा-अर्चना रोक दी गई थी। हालाँकि, भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया और पूजा-अर्चना और उत्सव फिर से शुरू हो गए। इतिहास में देवी महाकाली से सभी को प्लेग, बीमारियों और बाढ़ से बचाने की प्रार्थना की जाती थी और उन्होंने हमेशा सभी की रक्षा की। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले एक महीने से बोनालू उत्सव भव्य रूप से मनाया जा रहा है, जिसमें मंत्री पोन्नम प्रभाकर और कोंडा सुरेखा विशेष रुचि ले रहे हैं और इस वर्ष इसे अभूतपूर्व पैमाने पर आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था के बारे में, पुलिस आयुक्त ने बताया कि भगदड़ को रोकने के लिए मंदिर और घट्टम जुलूस मार्ग पर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों के समन्वय से व्यवस्था की गई है। उन्होंने आगे बताया कि छेड़छाड़, जेबकतरे और चेन स्नैचिंग को रोकने के लिए शी टीम और क्राइम टीम तैनात की गई हैं। आयुक्त ने बोनालू उत्सव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए हैदराबाद के सभी अधिकारियों को धन्यवाद दिया। घट्टम जुलूस हरिबावली स्थित अक्कना मदन्ना मंदिर से शुरू होकर गौलीगुड़ा, लाल दरवाजा और शाहअली बंडा होते हुए नयापुल पर समाप्त होता है। कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान, (अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था), डी. जोएल डेविस, (संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात), के. अपूर्वा राव, (डीसीपी विशेष शाखा), स्नेहा मेहरा, आईपीएस (डीसीपी दक्षिण क्षेत्र), रक्षिता कृष्ण मूर्ति, (डीसीपी सीएआर मुख्यालय), वेंकटेश्वरलू, (डीसीपी यातायात) और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया

स्वास्थ्य को वजह बताया; संसद सत्र के बीच इस्तीफा देने वाले पहले उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जगदीप धनखड़ ने उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों को इस्तीफे की वजह बताया है। वे 74 साल के हैं। धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

राष्ट्रपति को पत्र में उन्होंने लिखा- "स्वास्थ्य की प्राथमिकता और डॉक्टरी सलाह का पालन करते हुए मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं।" पत्र में उन्होंने राष्ट्रपति को उनके सहयोग और सौहार्दपूर्ण संबंधों के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल को भी सहयोग के लिए आभार जताया।

2022 में जगदीप धनखड़ ने 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। 6 अगस्त 2022 को हुए उप राष्ट्रपति के चुनाव में धनखड़ ने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया था। धनखड़ को कुल 725 में से 528 वोट मिले थे, जबकि अल्वा को 182 वोट मिले थे।

इस समय संसद का मानसून सत्र चल रहा है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होते हैं। सत्र के बीच में पद से इस्तीफा देने वाले धनखड़ पहले उपराष्ट्रपति हैं।

शांति स्थापना में जनसंपर्क प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका

जनसंपर्क राज्य सम्मेलन में समाज में समरसता का आह्वान

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वक्ताओं ने शांतिपूर्ण विकास का आह्वान तभी किया जब समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एकता और विश्वास बढ़े। उन्होंने जाति और धर्म से ऊपर उठकर सामाजिक एकता बढ़ाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की और उन्हें सराहनीय बताया। रविवार को बीबीनगर के निकट ब्रह्माकुमारीज़ साइलेंस रिट्रीट सेंटर में जनसंपर्क पर एक राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में तेलुगु राज्यों और दोनों शहरों से बड़ी संख्या में जनसंपर्क प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ग्लोबल पब्लिक रिलेशंस फ़ोरम और ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में "शांति और सद्भाव के लिए जनसंपर्क" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जब देशों के बीच, समाज के विभिन्न वर्गों के बीच और परिवार के व्यक्तियों के बीच विश्वास की कमी होती है, तो अशांति पैदा होती है। ऐसे समय में, यदि आध्यात्मिकता के माध्यम से सकारात्मकता बढ़ाई जाए, तो शांति और सद्भावना का वातावरण बनेगा। पाठक ने कहा कि जब जनसंपर्क प्रतिनिधियों में नैतिकता और विश्वास होगा, तो वे अपने पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त कर पाएँगे।

ब्रह्माकुमारी मीडिया विंग की उपाध्यक्ष बी. के. सरला, जिन्होंने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया, ने कहा कि यदि जनसंपर्क प्रतिनिधि अपने पेशे में आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों को शामिल करें, तो समाज में एकता, सद्भावना और शांति बढ़ेगी।

उन्होंने सुझाव दिया कि ब्रह्माकुमारी पूरे विश्व में राजयोग प्रशिक्षण के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से शांति-निर्माण सेवाएँ प्रदान कर रही हैं, और सभी को इनका लाभ उठाना चाहिए।

संपादक वाई. बाबजी ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि वर्तमान युग में जहाँ तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण मानवीय संबंध कम होते जा रहे हैं, ऐसे में जन-संपर्क प्रतिनिधियों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे समाज में व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच शांति को बढ़ावा दें।

भारतीय प्रेस परिषद के पूर्व सदस्य उप्पल लक्ष्मण ने युद्धग्रस्त देशों में भी शांति को बढ़ावा देने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का प्रशिक्षण मीडिया और जन-संपर्क क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत मददगार है, जो लगातार दबाव में रहते हैं।

मार्शल कलाकार शाश्वत कुमार को दुर्लभ अंतरराष्ट्रीय सम्मान

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मार्शल आर्ट विशेषज्ञ हंशी शाश्वत कुमार के लिए यह गर्व का क्षण था, जिन्हें जर्मनी के काबुडो कराटे फेडरेशन और काबुडो मार्शल आर्ट्स इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष प्रोफेसर सोके हंशी डॉ. थान विंटर-लुओंग से विश्व मार्शल आर्ट्स पायनियर पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार मार्शल आर्ट के वैश्विक विकास और प्रचार में उनके योगदान, विशेष रूप से सेनकोकाई कराटे प्रणाली में उनके कार्य के लिए प्रदान किया गया। 36 वर्षीय इस खिलाड़ी को लगातार दसवें साल इंटरनेशनल हॉल ऑफ़ फ़ेम में भी शामिल किया गया। यह सम्मान वैश्विक मार्शल आर्ट संगठनों के एक गठबंधन द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स ड्रैगन टाइगर थिच थान टैम स्कूल एंड फेडरेशन, काउंसिल ऑफ़ प्रोफ़ेसर एंड इंटरनेशनल सीनियर ग्रैंडमास्टर्स, यूनिवर्सल मार्शल आर्ट्स ब्रदरहुड, मार्सल यूनिवर्सिटी मार्शल आर्ट्स और जापान की एकेडमी ऑफ़ मार्शल आर्ट्स साइंस शामिल हैं।

एक शाम गौ माता और शिव भोले नाथ के नाम भजन संध्या

मेडचल,21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यल्मपेट विलेज स्थित श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर व नदीशाला में रविवार को एक शाम गौ माता व नंदीशाला के नाम भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि हैदराबाद के उद्योगपति गोपाल बल्देव के साथ सर्वसमाज अध्यक्ष व सचिव ,कार्यकारणी पदाधिकारियों गौशालाओं के प्रतिनिधियों व अनेक गो भक्तों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राजस्थान के भजन गायक कन्हैयालाल वैष्णव एण्ड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी। गौशाला के प्रमुख ने दानदाताओं एवं अतिथियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर रविवार प्रातःकाल 9 बजे से मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद की ओर से श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर परिसर में वृक्षारोपण किया गया और शाम भजन संध्या में श्री रामदेव सेवा समिति ने नंदीशाला हेतु एक बड़ा शेड बनाने का संकल्प लिया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 148 वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट जगदगिरीगुट्टा के सहयोग से 148 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर जगदगिरीगुट्टा स्थित श्री सालासर हनुमान मंदिर में संपन्न हुआ। जिसका 187 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी। जिसमें डॉ. शशिधर, डॉ ध्रुव, नर्सिंग स्टाफ स्वप्ना, मीनाक्षी और अथिरा गौतम (2डी इको) मोहन (बीएमडी) विपणन विभाग सहायक प्रबंधक उदय कुमार ने सहयोग दिया।

एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की गई जिसमें 91 लोगों को चश्मे तथा 18 रोगियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु व्यवस्था की गई। शिविर में साधुराम नेत्र चिकित्सालय के ऑप्टोमेट्रिस्ट अजीत, भगवान, विजयलक्ष्मी, भास्कर, नरसिंह ने सहयोग दिया।

सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल डॉ. निखिल ने दी। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर डॉ. मीता बजाज तथा एसएनआर डेंटल के डॉ नवनीत राज. डॉ एस निखिल राज ने सेवा प्रदान की।

शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल. विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया,दीपक गुप्ता स्थानीय भागीदार श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट जगतगिरिगुट्टा, प्रहलाद गोयल, जगदीश सोंथालिया, नवीन तुलस्यान, पवन सोंथालिया, अजय सोंथालिया श्याम सुंदर अग्रवाल, आशीष अग्रवाल,अरुण तुलस्यान, राम किशोर टिबरेवाल, मुकेश सिंह, शंकर सिंह, रामलाल भाटी, प्रभु दयाल मीडिया,स्वयंसेवक निर्मला केडिया, अनिता अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, सुनैना नरसया, वीरेश बी (सन फार्मा), अग्र महिला मंच, दीपा गर्ग, अंजू गोयल, वन्दना अग्रवाल, समाज सेवी गोपाल सिंह, पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्य ने सहयोग दिया।

चिंता और तनाव भगाएं, हर परिस्थिति का आनंद उठाएं

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोचकर निर्णय लेना चिंतन है, पर केवल सोचते रहना चिंता है। मस्तिष्क में चलने वाले अनिर्णयात्मक चिंतन का परिणाम है चिंता। उक्त उद्गार हैं राष्ट्र-संत श्री ललित प्रभ जी महाराज के। वे यहां एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित कैसे जिएं चिंता और तनाव मुक्त जीवन विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि बचपन में पढ़ाई की चिंता, परीक्षा दें तो परिणाम की चिंता, युवक को करियर की चिंता, करियर बन जाए तो शादी की चिंता, शादी के बाद बच्चों की चिंता, बच्चे हो जाए तो उन्हें पालने की चिंता, बूढ़े हो गए तो बीमारी की चिंता और मर गए तो स्वर्ग में जाएंगे या नर्क में इसकी चिंता। अगर स्वर्ग में चले गए तो तुम जाना ही चाहते थे और नर्क में चले भी गए तो भाई किस बात की चिंता करते हो तुम्हारे अनेक दोस्त पहले से गए हुए हैं उनके साथ गप्पे मारते रहना और जिंदगी काटते रहना।

उन्होंने कहा कि चिंता समस्याओं का समाधान नहीं, वरन् खुद सबसे बड़ी समस्या है। चिंता न केवल बीमार करती है, वरन् सौ अन्य रोगों को भी पैदा कर देती है। चिंता तो चिता से भी बदतर है, क्योंकि चिता को इंसान को एक बार वह भी मरने के बाद जलाती है, पर चिंता इंसान को पल-प्रतिपल जलाती रहती है। व्यक्ति चिंता की बजाय चिंतन करे और हर परिस्थिति का आनंद उठाए। उन्होंने कहा कि जीवन में न तो सम्पन्नता सदा शाश्वत रहती है न ही सुंदरता। यहाँ अमीर गरीब हो जाते हैं और गरीब अमीर बन जाते हैं। रूप ढल जाता है और पद एक दिन छूट जाता है। इसलिए जीवन में कुछ मिल जाए तो गुमान न करें और चला जाए तो गिला न करें।

संतश्री ने कहा कि चिंता से चेहरे की चमक नष्ट हो जाती है, दिमाग और हड्डियाँ कमजोर हो जाती हैं। चिंता व्यक्ति की सुख की रोटी और चैन की नींद भी छीन लेती है। उन्होंने कहा कि चिंता करने की बजाय यह सोचें कि ईश्वर जो करता है अच्छा करता है और वह वही करता है जो होना होता है। अनहोनी को किया नहीं जा सकता और होनी को टाला नहीं जा सकता।

संतश्री ने कहा कि दिमाग में बेवजह की सिरपच्चियाँ मत पालिए। ज्यादा छातीकूटा मत कीजिए। बेटे-बहुओं को ज्यादा टोकाटोकी-रोकारोकी मत कीजिए नहीं तो आप उन्हें भारभूत लगने लगेंगे। उन्हें जिम्मेदारी सौंपिए और मुक्त हो जाइए। उन्होंने कहा कि बड़े छोटों की गलतियों को नजरअदांज करें और छोटे बड़ों की डाँट को सहजता से लें। इस तरह व्यक्ति चिंता की होली जलाए और खुशहाली के फूल खिलाए ताकि घर का वातावरण स्वर्ग सरीखा हो जाए।

जानवर खेती नहीं करते फिर भी इंसानों के लिए धान बाद में आता है और ईश्वर उससे पहले जानवरों के लिए घास की व्यवस्था करता है। वह जिसे चोंच देता है उसे चुग्गा भी देता है इसलिए भगवान से मांगने या शिकायत करने की बजाय उसने जो दिया है उसके लिए साधुवाद दीजिए और उसकी व्यवस्थाओं में भरोसा कीजिए। किसी व्यक्ति, वस्तु या बात को लेकर भयग्रस्त और चिंताग्रस्त मत होइए। मौत जीवन में दो बार नहीं आती है और समय से पहले आना उसके भाग्य में भी लिखा हुआ नहीं है। आज तक किसी के लिए आठवां वार पैदा नहीं हुआ, जाना तो सातों वारों में से ही एक दिन है फिर किस बात का भय! चाह और चिंता का चोलीदामन का साथ है इसलिए इच्छाओं के मकडजाल से बचिए और भविष्य के ख्वाबों व अतीत की कल्पनाओं की बजाय वर्तमान में जीने की कोशिश कीजिए। अन्य टिप्स में संतप्रवर ने सहजता से जीवन जीने, हर समय व्यस्त और हर हाल में मस्त रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर जी महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई।

नुमाइशी मैदान में 9 दिन से लगातार चल रही है सामूहिक तप और आराधना इसके अंतर्गत 375 आराधक श्रद्धालु अरिहंत पद की आराधना और साधना कर रहे हैं। इसके अंतर्गत राष्ट्रसंतों के द्वारा प्रवचन के बाद सामूहिक देव वंदन, चैत्य वंदन, अरिहंत पद का जाप, मेडिटेशन, गुणों की आराधना करवाई गई। इसके बाद प्रवचन पंडाल के पीछे सामूहिक एकासना खोला गया। शाम को 7 बजे पंडाल के बाहर कॉलेज भवन में गुरुजनों के द्वारा प्रतिक्रमण की आराधना करवाई गई।

भैंसा के पास बाइक दुर्घटना में सेवानिवृत्त सेना जवान की मौत

निर्मल, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा मंडल के देगाम गांव के निकट सोमवार तड़के एक दोपहिया वाहन के पुल से फिसल जाने से एक सेवानिवृत्त सेना जवान की मौके पर ही मौत हो गई तथा उसकी बेटी घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि कुभीर मंडल केंद्र निवासी डोन्थुला गणेश (43) पुल पार करते समय वाहन से नियंत्रण खो बैठे, जिससे उनकी मौत हो गई। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी तुरंत मौत हो गई। उनकी बेटी निखिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे भैंसा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। गणेश अपनी बेटी को छोड़ने के लिए बसर रेलवे स्टेशन जा रहे थे, क्योंकि वह हैदराबाद लौट रही थी, जहां वह अपनी शिक्षा प्राप्त कर रही है। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

सुश्री मधुबाला कल्लूरी ने मिधानि के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुश्री मधुबाला कल्लूरी ने 21 जुलाई, 2025 से मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) के निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने से पहले, वह महाप्रबंधक (वित्त) के रूप में कार्यरत थीं।

सुश्री मधुबाला आंध्र विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर हैं और इंस्टीट्यूट कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की फेलो सदस्य हैं। वह 1993 में मिधानी में लेखा अधिकारी के रूप में शामिल हुईं और 32 वर्षों से अधिक के करियर में, लेखांकन, लागत निर्धारण, वित्तीय प्रबंधन, बजट, परियोजनाओं, कराधान और लेखा परीक्षा के सभी पहलुओं में अनुभव के साथ विभिन्न क्षमताओं में कंपनी की सेवा की। उन्होंने 31 मई 2020 से 26 अक्टूबर 2020 तक की संक्षिप्त अवधि के लिए मिधानी में मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में भी कार्य किया।

वित्त प्रमुख के रूप में, उन्होंने कंपनी की विभिन्न नीतियों और प्रक्रियाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि कंपनी में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लागू हों। उन्होंने बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

आवारा कुत्ते ने नौ लोगों को काटा

मदनूर, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल केंद्र के साथ विविध गांव में नौ लोगों को कुत्ते के काटने से हालत गंभीर है। पहली घटना रविवार श्याम में एक व्यक्ति को काट कर घायल कर दिया। घायल को स्थानिक सरकारी दवाखाना में उपचार कराया गया। सोमवार के दिन एक आवारा कुत्ते ने आठ लोगों को काटा। सभी को स्थानिक सरकारी दवाखाने में उपचार कराया गया। स्थानिक वैद्यकीय अधिकारी ने बताया कि दो घायल लोगों को बांसवाड़ा दवाखाना में उपचार के लिय भेजा गया नौ लोगों को काटने के बाद कुत्ता एक नाले में बेहोश हो कर गिर पड़ा है।

चुडी बाजार स्थित श्री महाकाली माता मंदिर में आषाढ बोनालु जात्रा में भाग लेते हुए पोतुराजु रामु, संतोष साहु, नरसिंग प्रसाद, अनिल कुमार, सचिन कुमार, नितिन कुमार आदि।

दमरे के चार कर्मचारियों को 'माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

सुरक्षा एवं समयपालन समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान चार कर्मचारियों को जून, 2025 माह के लिए "माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया जाता है जिन्होंने असुरक्षित परिस्थितियों से बचने के लिए अपने कर्तव्य के प्रति सतर्कता और समर्पण दिखाया है। बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया।

सभी छह मंडलों अर्थात सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद मंडल - 01, विजयवाड़ा मंडल - 02 और नांदेड़ मंडल - 01 से संबंधित कर्मचारियों को "महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। ये कर्मचारी पॉइंट्स वुमन, यात्रा टिकट निरीक्षक और ट्रेन प्रबंधक जैसी विभिन्न श्रेणियों से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अत्यंत समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने और सुरक्षित कार्य सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे।

बाद में, महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि मानसून के मद्देनजर अधिकारियों/पर्यवेक्षकों द्वारा विशेष अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने नवनिर्मित आरयूबी और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ट्रैक पेट्रोलिंग को तेज करने के निर्देश दिए ताकि ट्रैक के किनारे पानी के ठहराव/जल निकायों पर नजर रखी जा सके, जिससे भारी बारिश के कारण मिट्टी का कटाव हो सकता है। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सिग्नल से छेड़छाड़ करने जैसी शरारती गतिविधियों से ट्रैक और सिग्नलिंग से संबंधित संपत्तियों की रक्षा के लिए ट्रैक के साथ-साथ सुरक्षा जांच को तेज करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थल पर सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन करने और शॉर्टकट तरीकों से बचने का भी निर्देश दिया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने लेवल क्रॉसिंग (एलसी) पर चर्चा करते हुए डीआरएम को ट्रेनों और सड़क यातायात की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सभी मानवयुक्त नॉन इंटरलॉक्ड एलसी गेटों पर सीसीटीवी उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर

प्रैक्टिस के समय घुटने में चोट लगी, अर्शदीप चौथा टेस्ट नहीं खेलेंगे; भारत सीरीज में 1-2 से पीछे

मैनचेस्टर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। इस सीरीज के तीन टेस्ट के बाद में भारत पहले ही 1-2 से पिछड़ा हुआ है। वहीं, अब झटके पर झटके लग रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और पेस ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट के कारण मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर हो गए हैं। जबकि तेज गेंदबाज आकाश दीप का खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है। उन्हें भी इंजर्ड बताया जा रहा है। ऐसे में बुधवार 23 जुलाई से खेले जाने वाले चौथे टेस्ट से पहले हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सामने प्लेइंग 11 को लेकर बड़े सवाल खड़े होते नजर आ रहे हैं।

नीतीश को जिम में लगी चोट

रिपोर्ट्स की मानें तो जिम करते समय नीतीश कुमार रेड्डी का घुटना चोटिल हो गया है। स्कैन के बाद उनके लिगामेंट डैमेज की पुष्टि हो गई है। ये चोट उन्हें जिम में ट्रेनिंग के दौरान लगी है। पहले से तेज गेंदबाजों की चोट से जूझ रही भारतीय टीम को चौथे टेस्ट से पहले यह किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

अर्शदीप सिंह और आकाश दीप पहले से ही इंजर्ड

वहीं, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के हाथ में नेट प्रेक्टिस के दौरान गेंद पकड़ते समय चोट लग गई थी। उनके हाथ में टांके लगे हैं। जबकि आकाश दीप भी पीठ दर्द से जूझ रहे हैं तीसरे टेस्ट के चौथे दिन उन्होंने पीठ दर्द की शिकायत की थी। उनका खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है। एक साथ तीन तेज गेंदबाजों का चोटिल होना टीम इंडिया के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन सकता है।

शार्दुल ठाकुर की होगी वापसी

बता दें कि अर्शदीप सिंह और आकाश दीप के चोटिल होने के चलते हरियाणा के करनाल के रहने वाले तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, अगर नीतीश रेड्डी चोट के चलते अनुपलब्ध रहते हैं तो उनकी जगह शार्दुल ठाकुर को मौका मिल सकता है, जिन्हें लीड्स टेस्ट में खिलाया गया था और उसके बाद अगले दो मैचों में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया था।

क्रिकेट की दुनिया में हुई 2 नई टीमों की एंट्री

आईसीसी ने कर दिया बड़ा ऐलान

सिंगापुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। 20 जुलाई 2025 को सिंगापुर में आयोजित इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की एनुअल मीटिंग के बाद क्रिकेट की दुनिया के लिए एक ऐतिहासिक खबर सामने आई. आईसीसी ने 2 नई टीमों को एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. इस फैसले के साथ आईसीसी के कुल सदस्यों की संख्या अब 110 हो गई है. यह कदम क्रिकेट को ग्लोबल लेवल पर और ज्यादा लोकप्रिय बनाने और नए क्षेत्रों में इसके विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

इन दो टीमों की हुई एंट्री

तिमोर और जाम्बिया आईसीसी के नए सदस्य बन गए हैं , बोर्ड ने प्रेस रिलीज करके इसका ऐलान किया. तिमोर-लेस्ते क्रिकेट फेडरेशन और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन को औपचारिक रूप से आईसीसी के एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. आईसीसी ने कहा, 'दो नए सदस्य आईसीसी परिवार में शामिल हुए हैं, जिससे कुल सदस्यों की संख्या 110 हो गई, जिसमें तिमोर-लेस्ते क्रिकेट फेडरेशन और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन औपचारिक रूप से आईसीसी एसोसिएट सदस्य बन गए हैं.'

बता दें, जाम्बिया आईसीसी में शामिल होने वाला 22वां अफ्रीकी देश बन गया है. दूसरी ओर तिमोर-लेस्ते अब पूर्वी एशिया प्रशांत क्षेत्र का 10वां सहयोगी सदस्य है, और 22 साल पहले 2003 में फिलीपींस के शामिल होने के बाद यह पहला देश है. तिमोर-लेस्ते में क्रिकेट की शुरुआत हाल के सालों में हुई है, और यह खेल वहां के युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. ऐसे में अब तिमोर-लेस्ते को बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा.

जाम्बिया की हुई वापसी

जाम्बिया क्रिकेट यूनियन की आईसीसी में वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है. जाम्बिया को 2003 में आईसीसी की एसोसिएट सदस्यता मिली थी, लेकिन 2019 में गवर्नेंस और अनुपालन संबंधी मुद्दों के कारण इसकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी.

2021 में जाम्बिया को आईसीसी से निष्कासित कर दिया गया था, लेकिन अब चार साल बाद, जाम्बिया ने अपनी प्रशासनिक और संगठनात्मक कमियों को दूर करते हुए फिर से एसोसिएट सदस्यता हासिल की है। यह जाम्बिया के लिए क्रिकेट के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है.

फिडे विमेन वर्ल्ड कप

कोनेरू हंपी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला; वैशाली को हार मिली

बटुमी, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने चीन की अंतरराष्ट्रीय मास्टर युक्सिन सोंग को चित करके फिडे महिला शतरंज विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सफेद मोहरों से पहला गेम जीतने के बाद हम्पी अंतिम चार में पहुंचने से केवल एक ड्रॉ दूर थीं और उन्होंने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ दूसरे गेम में कड़े मुकाबले में ड्रॉ के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

चौथा स्थान पक्का होने के साथ हम्पी को शीर्ष तीन में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे जिससे उन्हें अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह भी मिल जाएगी जिसके लिए शीर्ष तीन खिलाड़ी क्वालिफाई करेंगी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी हरिका और हमवतन अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा जिसका मतलब है कि दोनों सोमवार को होने वाले टाई-ब्रेक में भिड़ेंगी।

ग्रैंडमास्टर आर वैशाली पूर्व विश्व महिला चैंपियन चीन की झोंगयी टैन के खिलाफ हार गईं जबकि उन्होंने पहला गेम ड्रॉ खेला था। टैन के अलावा चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त टिंगजी लेई भी जॉर्जिया की नाना द्ज़ाग्निद्ज़े को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

एशिया कप हॉकी: पाकिस्तान टीम भारत नहीं आएगी

सुरक्षा को लेकर चिंता जताई, भारत भी पाकिस्तान में चैंपियंस ट्राफी खेलने नहीं गया था

खेल डेस्क, , 21 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने खेल की वैश्विक नियामक संस्था एफआईएच को सूचित किया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए अपनी टीम को भारत भेजना मुश्किल होगा।

पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा कि उन्होंने एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) को पत्र लिखकर टीम को भारत भेजने को लेकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है।

उन्होंने कहा, ''हमने उन्हें सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है। हमने उन्हें बता दिया है कि हमारे खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने के इच्छुक नहीं हैं।''

एशिया कप विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब इस प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है।

उन्होंने कहा, ''हमने उनसे पूछा है कि हमें बताएं कि क्या गारंटी है कि हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे।''

पाकिस्तान सरकार ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन हाल ही में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत नहीं जाएगी।

श्रीहरि नटराज का जलवा

100 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय बेहतर कर सेमीफाइनल में पहुंचे

बर्लिन, 21 जुलाई (एजेंसियां)। तैराक श्रीहरि नटराज ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी स्पर्धा में 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' बेहतर करते हुए 49.46 सेकेंड का समय निकाला और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। नटराज ने ग्वांग्झू एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता वीरधवल खाड़े के 2008 में बनाए गए 49.47 सेकेंड के समय से बेहतर प्रदर्शन किया।

सेमीफाइनल में पहुंचे नटराज

नटराज ने हीट नंबर 6 रेस जीती और कुल मिलाकर 12वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। शुक्रवार को नटराज ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में दो बार अपने ही 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' को बेहतर किया था। तैराकी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय केवल राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में ही बनाए जाते हैं। अन्य प्रतियोगिताओं में बनाए गए समय को 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय' या 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रदर्शन' माना जाता है।

रिलॉन्च होगा चैंपियंस लीग टी20, क्या खत्म हो जाएगा टेस्ट क्रिकेट?

आईसीसी बड़े बदलाव की तैयारी में

खेल डेस्क, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले केवल 12 देश हैं. टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता धीरे-धीरे कम होती जा रही है. ऐसे में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल इस प्रारूप में बड़े बदलाव की तैयारी में है. इसके लिए एक समिति का गठन किया गया है और समिति इस साल के अंत तक अपना रिपोर्ट दे सकती है. आईसीसी टेस्ट से और अधिक राजस्व जुटाना चाहता है और इसी वजह से ये बदलाव करने की तैयारी की जा रही है.

1877 में टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत के बाद से अब तक सिर्फ 12 टीमों को टेस्ट दर्जा मिला है. अफगानिस्तान को 2018 में टेस्ट क्रिकेट का दर्जा मिला था, जो अब तक की आखिरी टीम रही है. सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, सिंगापुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के वार्षिक सम्मेलन में प्रमुख सदस्य देशों के जोरदार समर्थन के बाद, अगले साल सितंबर की शुरुआत में पुरुषों की चैंपियंस लीग टी20 को फिर से शुरू किया जाएगा. टेस्ट क्रिकेट के भविष्य पर भी चर्चा हो रही है, जिसमें दो-डिवीजन प्रारूप शुरू करने पर विचार किया जा रहा है. बंद दरवाजों के पीछे हुई इस चर्चा से वाकिफ सूत्रों के अनुसार, आईसीसी ने अब 2027 से शुरू होने वाले वैश्विक क्रिकेट कैलेंडर पर नये सिरे से काम करने के लिए एक कार्य समूह का गठन किया है. टेस्ट क्रिकेट के ढांचे पर कोई भी फैसला साल खत्म होने से पहले लिया जा सकता है.

इस साल के अंत तक होगा फैसला

इस बात की चर्चा जोरों पर है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले देशों की संख्या सीमित की जा सकती है. केवल कुछ ही देश पारंपरिक प्रारूप से राजस्व अर्जित कर पाते हैं और कई अन्य देशों के पास मजबूत टेस्ट टीमें बनाने के लिए बुनियादी ढांचे और प्रणालियों का अभाव है. आईसीसी के कैलेंडर वर्किंग ग्रुप में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रमुख रिचर्ड गोल्ड और आईसीसी के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता शामिल हैं. इस समूह द्वारा इस साल के अंत से पहले जय शाह की अध्यक्षता वाले आईसीसी बोर्ड के समक्ष अंतरिम निष्कर्ष पेश करने की उम्मीद है.

संजोग गुप्ता को मिली बड़ी जिम्मेदारी

संजोग गुप्ता वैश्विक खिलाड़ियों के निकाय द्वारा संकलित क्रिकेट कैलेंडर पर हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में शामिल थे. उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह भी कहा है कि आने वाले वर्षों में खेले जाने वाले टेस्ट और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की मात्रा अंततः बाजार की मांग पर ही निर्भर करेगी. सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, गुप्ता ने 2023 में लॉर्ड्स में एमसीसी के वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्ट्स पैनल पर कहा, 'आपको कठिन विकल्प चुनने होंगे. आपको यह देखना है कि प्रशंसक क्या चाहते हैं, इसके बहुत स्पष्ट संकेत हैं. खेल किस दिशा में जा रहा है, यह बताने के लिए पर्याप्त आंकड़े मौजूद हैं.'

टेस्ट क्रिकेट में होगा पैसों का दबदबा

उन्होंने कहा, 'यदि आप ऐसे उत्पाद परोसते रहेंगे जिसे कोई नहीं चाहता, तो एक तो उस उत्पाद को नुकसान होता रहेगा और दूसरा – उस उत्पाद के आसपास का पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होता रहेगा. ब्लैकबेरी किसी समय गायब हो गया था. यह एक ऐसा उपकरण था जो हम सभी के पास था. यह एक ऐसा उपकरण था जिसे हम सभी इस्तेमाल करने की फिराक में रहते थे, फिर यह गायब हो गया और इसकी जगह दूसरे उत्पाद ने ले ली.' इस उदाहरण के साथ संजोग गुप्ता ने टेस्ट क्रिकेट में होने वाले बड़े बदलाव के संकेत दे दिए हैं. अब यह देखना बाकी है कि उन बदलावों का टेस्ट क्रिकेट पर क्या असर पड़ता है.

2014 में बंद हो गई थी टी20 चैंपियंस लीग

टी-20 चैंपियंस लीग, जो 2008 में शुरू हुई थी, 2014 तक चली. अंततः इसे बंद कर दिया गया, जब प्रसारण अधिकारों के लिए 1 बिलियन डॉलर का भारी भुगतान करने वाले ईएसपीएन स्टार ने इससे हटने का निर्णय लिया. उस समय, इस लीग में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी थी. दिलचस्प बात यह है कि उस सौदे से प्राप्त प्रसारण राजस्व ने बिग बैश लीग के शुरुआती वर्षों के वित्तपोषण में भी मदद की, जो तब से ऑस्ट्रेलिया में एक बड़ी व्यावसायिक सफलता बन गई है. उन शुरुआती दिनों से, वैश्विक टी20 परिदृश्य में व्यापक बदलाव आया है. आज, कई शीर्ष खिलाड़ी साल भर में कई लीगों में भाग लेते हैं, कभी-कभी तो चार या पांच अलग-अलग लीगों में भी. यह चैंपियंस लीग की व्यवस्था और टीम चयन के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करेगा.

युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के उसिक बने हैवीवेट चैंपियन

डुबोइस को नॉकआउट कर जीता खिताब

लंदन, 21 जुलाई (एजेंसियां)। युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के 38 वर्षीय पेशेवर मुक्केबाज ओलेक्जेंडर उसिक ने वेम्बली स्टेडियम में ब्रिटेन के डैनियल डुबोइस को पांचवें राउंड में नॉकआउट कर दोबारा निर्विवाद विश्व हैवीवेट चैंपियन का खिताब हासिल किया। उसिक ने डुबोइस को एक जोरदार बाएं हुक से हराया, जिससे वह विश्व मुक्केबाजी संघ, परिषद और संगठन के बेल्ट्स बरकरार रखने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ बेल्ट भी वापस जीतने में सफल रहे। उसिक ने पिछले साल फ्यूरी को दो बार हराकर निर्विवाद हैवीवेट चैंपियन का खिताब जीता था। एजेंसी

मोहम्मद अली के रिकॉर्ड की बराबरी

उसिक अब दो बार खिताब जीतने वाले लीजेंड मोहम्मद अली और फ्लोएड पैटरसन के बाद तीसरे खिलाड़ी बन गए। उसिक ने कहा, मैंने साढ़े तीन महीने तैयारी की और इस दौरान परिवार और अपनी पत्नी को नहीं देखा। मैं घर वापस जाना चाहता हूं। यूट्यूबर जैक पॉल ने उन्हें एमएमए फाइट का नियौता दिया है।

निशांत की लगातार तीसरी जीत

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज निशांत देव ने अमेरिकी मुक्केबाज लक्वान इवांस को हराया। 24 वर्षीय निशांत ने मुकाबले के छठे राउंड में 1:58 मिनट पर टेक्निकल नॉकआउट से जीत हासिल की।

यह उनकी लगातार तीसरी जीत रही। 2023 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता निशांत ने इवांस पर लगातार प्रहार किए, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया।

भारत-पाकिस्तान मैच रद्द होने के बाद शाहिद अफरीदी भड़कने लगे

इस्लामाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। शाहिद अफरीदी ने भारत-पाकिस्तान के बीच डब्ल्यूसीएल 2025 में रद्द पर हुए मुकाबले पर रिएक्ट किया है. उनके रिएक्शन से साफ जाहिर होता है कि भारत के खेलने से इनकार करने से उनकी दिल को कहीं ना कहीं आघात पहुंचा है.

शाहिद अफरीदी तो भड़कने लग गए. चाहकर भी वो अपनी भड़ास को कैमरे पर नहीं दबा सके. ऐसा लग रहा है जैसे उनके दिल पर गहरी चोट लगी है. क्या ये भारतीय खिलाड़ियों करे उस फैसले का असर है, जिसके चलते 20 जुलाई को वर्ल्ड चैंपियनशिप लीग 2025 में होने वाला भारत-पाकिस्तान मैच रद्द हो गया. लगता तो ऐसा ही है. शायद शाहिद अफरीदी के लिए हजम करना मुश्किल हो रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों ने उनके साथ, पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया. तभी तो उनके मुंह से डब्ल्यूसीएल में खेल रही टीम इंडिया चैंपियंस के खिलाड़ियों के लिए आलोचनाएं निकल रही हैं.

ऐसी खबर थी कि डब्ल्यूसीएल 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से हरभजन सिंह, इरफान पठान, युसूफ पठान, शिखर धवन, सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे इंडिया चैंपियंस के खिलाड़ियों ने नाम वापस ले लिया था. मतलब उन्होंने खेलने से मना कर दिया था. अब 15 में 5-6 खिलाड़ी अगर खेलेंगे ही नहीं तो प्लेइंग इलेवन बनेगी कैसे? नतीजतन, आयोजकों को मैच को रद्द करना पड़ गया. अब जैसे हर एक्शन का रिएक्शन होता है, ठीक वैसे ही भारत-पाकिस्तान मैच रद्द होने के बाद इस पर पाकिस्तान चैंपियंस के कप्तान शाहिद अफरीदी ने भी रिएक्ट किया. शाहिद अफरीदी ने लास्ट मिनट पर मैच के रद्द होने की निंदा की. इस दौरान उन्होंने जो कहा उससे यही लगा कि उन्हें इस बात का गहरा धक्का लगा है कि भारतीय खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया. शाहिद अफरीदी ने कहा कि हम डब्ल्यूसीएल में क्रिकेट खेलने आए हैं. भारत को अगर हमारे खिलाफ नहीं ही खेलना था तो उसे यहां आने से पहले मना करना था. लेकिन, भारतीय खिलाड़ी ना सिर्फ आए, बल्कि प्रैक्टिस भी की और फिर अचानक से खेलने से मना कर दिया. अफरीदी ने आगे अपना वो राग भी अलापा, जिसे वो अक्सर अलापते हैं. उन्होंने कहा कि क्रिकेट को राजनीति से दूर रखना चाहिए.

भारत को क्यों नहीं मिली डब्ल्यूसीएल फाइनल की मेजबानी?

5 वजहों से आईसीसी ने दिया बीसीसीआई को 'धोखा'!

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत 2019 में हुई थी और अब तक इसकी तीन साइकिल देखने को मिली है। तीनों के फाइनल मैच इंग्लैंड में हुए हैं। अब आईसीसी ने ऐलान किया है कि 2027, 2029 और 2031 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का आयोजन भी इंग्लैंड में ही होगा। बीसीसीआई दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट बोर्ड है और इसी वजह से उनके पास पावर है। कई फैंस उम्मीद लगा रहे थे कि फाइनल का फाइनल भारत में भी आने वाले सालों में देखने को मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। बीसीसीआई के साथ आईसीसी ने एक तरह से धोखा कर दिया है। इंग्लैंड में डब्ल्यूटीसी फाइनल करने के 5 बड़े कारण हैं।

1. जून महीने में डब्ल्यूटीसी फाइनल की विंडो होती है

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए आईसीसी ने जून महीने को चुना है। पिछले तीनों डब्ल्यूटीसी फाइनल जून में ही हुए हैं और आगे भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलेगा। भारत में जून में खूब गर्मी होती है और इसी वजह से टेस्ट क्रिकेट जैसा लंबा प्रारूप खेलने में खिलाड़ियों को बहुत दिक्कत होती है। इसी कारण इंग्लैंड में फाइनल रखा गया है।

2. भारत में टेस्ट क्रिकेट का क्रेज मिला-जुला है

भारत में क्रिकेट को बहुत पसंद किया जाता है। टेस्ट क्रिकेट का काफी महत्व है और प्रशंसक इसे देखना पसंद करते हैं। हालांकि, टी20 और वनडे के मुकाबले टेस्ट की लोकप्रियता थोड़ी कम है। इसी वजह से जब भारत में टेस्ट मैच होते हैं, तो स्टेडियम में आए दर्शकों की संख्या कम होती है। सीमित ओवरों के खेल को देखने के लिए ज्यादा लोग आते हैं। दूसरी ओर इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट को बहुत प्रतिष्ठा दी जाती है।

3. पाकिस्तान डब्ल्यूटीसी फाइनल में गया, तो खेलना तय नहीं

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पाकिस्तान का अब तक प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। हालांकि, संभव है कि आगे जाकर पाकिस्तान अपने खेलने के तरीके में सुधार कर सकता है। अगर भारत में डब्ल्यूटीसी फाइनल आयोजित होता है और पाकिस्तान फाइनल में जाता है, तो फिर उनका यहां आकर खेलना तय नहीं होगा। आईसीसी बाद में जगह बदलने का जोखिम नहीं उठाना चाहती होगी।

4. भारत की गैरमौजूदगी में फ्लॉप रह सकता है

भारत में जब भी आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान अन्य देशों के मैच होते हैं, तो दर्शकों की संख्या बेहद कम होती है। अगर भारत फाइनल में नहीं पहुंच पाया और अन्य टीमों का मैच होता है, तो फिर यह फ्लॉप साबित हो सकता है। विदेशी खिलाड़ियों के लिए भारतीय पिच को समझना भी मुश्किल होगा। यह चीज डब्ल्यूटीसी जैसे लंबे टूर्नामेंट का फाइनल खराब कर सकती है।

5. इंग्लैंड है आईसीसी की पहली पसंद

इंग्लैंड में अधिकतम आईसीसी टूर्नामेंट का आयोजन होता है। 2013 और 2017 का चैंपियंस ट्रॉफी वहां देखने को मिला था। इसके अलावा 2019 वर्ल्ड कप भी इंग्लैंड में हुआ था। पिछले डब्ल्यूटीसी के फाइनल का आयोजन इंग्लिश की सरजमीं पर ही हुआ था। इसी वजह से आईसीसी की पहली पसंद इंग्लैंड है और उन्होंने वहां पर ही टूर्नामेंट के आने वाले मैच बुक करने का फैसला किया।

आदिवासी और जनजातीय चिंताओं के बाद तेलंगाना सरकार ने सरकारी आदेश 49 को स्थगित रखा

मंत्री कोंडा सुरेखा, जुपल्ली कृष्ण राव और सीतक्का ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को रिपोर्ट सौंपी

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री, कोंडा सुरेखा ने आज स्पष्ट किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार ने सोमवार को कई जनजातीय क्षेत्रों के जनजातीय समुदायों और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई चिंताओं का सम्मान करते हुए सरकारी आदेश (GO) 49 को स्थगित रखने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देश पर कार्य करते हुए, वन विभाग ने आधिकारिक तौर पर सरकारी आदेश (GO) 49 के कार्यान्वयन को स्थगित करने के आदेश जारी कर दिए हैं। यह निर्णय सभी प्रमुख हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा और जन चिंताओं, विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों से, की गहन समीक्षा के बाद लिया गया है। राज्य के वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने आदिलाबाद ज़िले के प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पंचायत राज मंत्री सीतक्का के साथ मिलकर स्थिति की व्यापक समीक्षा की और अपने निष्कर्ष और सिफ़ारिशें मुख्यमंत्री को सौंपीं। इसके बाद, मुख्यमंत्री ने वन विभाग को अगली सूचना तक सरकारी आदेश (GO) को रोके रखने का निर्देश दिया। इससे पहले, 30 जून को, वन विभाग ने GO 49 जारी किया था, जिसका उद्देश्य कुमुरंभीम - आसिफाबाद ज़िले के कई वन क्षेत्रों - जिनमें आसिफाबाद, केरामेरी, रेबेना, तिरयानी, कागजनगर, सिरपुर, करजेली, बेजूर और पेंचिकलपेट शामिल हैं - के 1.49 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को विस्तारित कव्वाल टाइगर कॉरिडोर के हिस्से के रूप में कोमरमभीम टाइगर कंज़र्वेशन रिज़र्व में परिवर्तित करना था। हालाँकि, 330 से ज़्यादा गाँव प्रभावित होने के कारण, कई आदिवासी निवासियों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने संभावित विस्थापन और अपने वन अधिकारों पर प्रतिबंधों को लेकर गंभीर चिंताएँ व्यक्त कीं। त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, राज्य सरकार ने स्थिति का व्यापक समाधान करने के लिए ज़िला कलेक्टर से एक अतिरिक्त रिपोर्ट माँगी है।आदिवासी कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा: "कांग्रेस सरकार जनता की सरकार है। हम ऐसा कोई भी निर्णय नहीं लेंगे जिससे आदिवासियों और जनजातीय समुदायों के अधिकारों या आजीविका को नुकसान पहुँचे। स्थानीय लोगों की चिंताओं को सुना गया है और उसके अनुसार कार्रवाई की गई है। प्रत्येक नागरिक - विशेषकर हमारे आदिवासी भाइयों और बहनों - का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।" कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार समावेशी विकास को प्राथमिकता दे रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि संरक्षण के प्रयास स्वदेशी समुदायों के अधिकारों और कल्याण के साथ-साथ चलें।

29 जुलाई को गरुड़ पंचमी

तिरुमला, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 29 जुलाई को शुभ गरुड़ पंचमी के उपलक्ष्य में, तिरुमला में शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक गरुड़ सेवा का आयोजन किया जाएगा। श्री मलयप्पा स्वामी इस दिन चार माडा मार्गों पर शक्तिशाली गरुड़ वाहनम पर अपने भक्तों को आशीर्वाद देंगे।

हरीश राव ने सरकार से गुरुकुलों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता हरीश राव ने आज राज्य के गुरुकुलों में लगातार हो रही फ़ूड पॉइज़निंग की घटनाओं के लिए राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 48 घंटों के भीतर संगारेड्डी ज़िले के नागल गिद्दा मॉडल स्कूल, नागर कर्नूल ज़िले के पेड्डा कोठापल्ली गुरुकुल स्कूल, जगित्याला ग्रामीण मंडल के लक्ष्मीपुर गाँव के गुरुकुल स्कूल और भद्राद्री कोठागुडेम ज़िले के भद्राचलम गुरुकुल कॉलेज में फ़ूड पॉइज़निंग की घटनाएँ हुईं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि 48 घंटों के भीतर हुई ये फ़ूड पॉइज़निंग की घटनाएँ कांग्रेस पार्टी के अक्षम शासन का प्रमाण हैं। हरीश राव ने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जो हमेशा विपक्षी दलों पर निशाना साधते रहते हैं, गुरुकुलों की दिन-ब-दिन बिगड़ती स्थिति को नहीं देख पा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री का दिमाग़ नहीं पिघल रहा जब फ़ूड पॉइज़निंग की घटनाओं के कारण दर्जनों छात्र अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के नंबर मिटाने के उद्देश्य से गुरुकुल व्यवस्था को तोड़ने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि संकीर्ण मानसिकता से उन गुरुकुलों की प्रतिष्ठा को धूमिल करना एक बुरा विचार है जहाँ दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चे पढ़ते हैं। उन्होंने रेवंत रेड्डी, जिन्होंने खुद राज्य के गुरुकुलों की निगरानी करने की बात कही थी, से पूछा, "शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में आप क्या कर रहे हैं?" हरीश राव ने सवाल किया। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस पार्टी के 20 महीने के शासन में सांप के काटने, आत्महत्या और फ़ूड पॉइज़निंग की घटनाओं के कारण 100 से ज़्यादा गुरुकुल छात्रों की जान क्यों चली गई। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री का दिल पिघलाने के लिए और कितनी जानें जाएँगी? उन्होंने राज्य सरकार से सरकारी स्कूलों और गुरुकुलों की समस्याओं पर प्रतिक्रिया देने और उनका समाधान करने की माँग की।

एचसीए घोटाले के पीछे केटीआर और कविता का हाथ : गुरुवा रेड्डी

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना क्रिकेट संघ (टीसीए) के सचिव गुरुवा रेड्डी ने पूर्व मंत्री केटीआर और बीआरएस पार्टी की एमएलसी कविता पर हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) में हुई अनियमितताओं में शामिल होने का आरोप लगाया है। उन्होंने पिछले दस वर्षों की राज्य क्रिकेट व्यवस्था की आलोचना की और कहा कि कई क्रिकेटरों को मान्यता से वंचित रखा गया है। आज यहाँ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, गुरुवा रेड्डी ने कहा, "केटीआर और कविता के साथ-साथ एचसीए के चुनाव अधिकारी संपत कुमार की तुरंत जाँच होनी चाहिए। उनके गलत फैसलों के कारण ग्रामीण क्रिकेटरों के साथ अन्याय हुआ है। ग्रीष्मकालीन शिविर निःशुल्क आयोजित किए जाने चाहिए, लेकिन संघ ने इनके लिए पैसे लिए। हमारे पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए सबूत हैं। वह सारा पैसा कहाँ गया? तेलंगाना के क्रिकेटर अवसरों का इंतज़ार कर रहे हैं। हम एचसीए में हुई अनियमितताओं का ब्यौरा सीआईडी और ईडी को सौंपेंगे। एचसीए की कार्यकारी समिति को भंग कर दिया जाना चाहिए।" रेड्डी ने राज्य सरकार से एचसीए चुनाव मामले में हस्तक्षेप करने की माँग की। उन्होंने आश्चर्य जताया कि वर्तमान एचसीए अध्यक्ष जगनमोहन राव, जिनका क्रिकेट से कोई संबंध नहीं है, अध्यक्ष कैसे बन गए? उन्होंने दावा किया कि जगनमोहन राव को एचसीए अध्यक्ष चुने जाने के पीछे केटीआर और कविता दोनों का हाथ था। रेड्डी ने पूछा कि आईएएस और आईपीएस अधिकारी नियमों के विरुद्ध मतदान कैसे करते हैं? , "आईपीएस अधिकारी सज्जनार ने भी चुनाव में भाग लिया था। 155 निष्क्रिय क्रिकेट संघों के चुनाव कैसे हो सकते हैं? चुनाव तुरंत रद्द किए जाने चाहिए और क्लबों का पूर्ण पुनर्गठन किया जाना चाहिए।" उन्होंने खुलासा किया कि बीसीसीआई आईपीएल टूर्नामेंट के आयोजन के लिए हर साल एचसीए को 100 करोड़ रुपये तक देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक लगभग 170 करोड़ रुपये का गबन हो चुका है।

कांग्रेस पार्टी के नेता देश और तेलंगाना की जनता को गुमराह कर रहे हैं : रामचंदर राव

नई दिल्ली, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद यह मेरी पहली दिल्ली यात्रा है। मैं पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से आशीर्वाद और राज्य में पार्टी को मज़बूत करने के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने का अनुरोध कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि काआज मैंने सुनील बंसल, अरविंद मेनन और नितिन गडकरी से मुलाकात की। कल मैं संसद में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मिलूँगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता देश और तेलंगाना की जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर, जहाँ संसद में कई मुद्दों पर चर्चा हो रही है, वहीं मुख्य विपक्षी नेता गायब हैं। ऐसे लोगों का भाजपा की आलोचना करना हास्यास्पद है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पिछले 19 महीनों में कुल 46 बार दिल्ली आ चुके हैं। इस दौरान, राहुल गांधी और अन्य प्रमुख कांग्रेस नेताओं ने उन्हें एक बार भी मिलने का समय नहीं दिया। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्रियों ने उन्हें मिलने का समय दिया। राहुल गांधी को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिलने की अनुमति न देना तेलंगाना की जनता का अपमान है। कांग्रेस सरकार द्वारा पिछड़े वर्गों के लिए 42% आरक्षण के लिए केंद्र को दोष देना अनुचित है।

नेताओं को अपनी भाषा के चुनाव पर आत्मचिंतन करना चाहिए : गुत्ता

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में राजनेताओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा पर चिंता व्यक्त करते हुए, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि राजनीति में भाषा का स्तर पूरी तरह से गिर गया है और हर नेता को आत्मचिंतन करने की सख्त ज़रूरत है सोमवार को नलगोंडा स्थित अपने कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए, सुखेंद्र रेड्डी ने न केवल राजनीतिक भाषा के मुद्दे पर, बल्कि मुफ्त योजनाओं, भ्रष्टाचार, बनकाचारला परियोजना और सागर लेफ्ट नहर जैसे विभिन्न विषयों पर भी बात की। उन्होंने देश भर में बढ़ती भ्रष्टाचार की समस्या पर प्रकाश डाला और चुनावी खर्च के अपर्याप्त नियमन को इसका कारण बताया। विधान परिषद के अध्यक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग दोनों से इस मुद्दे पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। सुखेंद्र रेड्डी ने चेतावनी दी कि बनकाचारला परियोजना तेलंगाना के लिए हानिकारक हो सकती है और उन्होंने सरकार से इस मामले पर ध्यान देने का आह्वान किया। विधान पार्षद कविता और तीनमार मल्लन्ना से जुड़ी घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि वह सदन के सदस्यों पर ही अपने आचरण का निर्णय लेने का दायित्व छोड़ते हैं और उनसे आग्रह किया कि वे इस पर विचार करें कि क्या ऐसा व्यवहार-व्यक्तिगत हमले करना-उचित है।

सीएलएटी-2026 की तिथि घोषित

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ (कंसोर्टियम) की कार्यकारी समिति और शासी निकाय ने रविवार को आयोजित अपनी बैठकों में कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) 2026 को रविवार, 7 दिसंबर 2025 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित करने का निर्णय लिया। सीएलएटी 2026 के लिए आवेदन करने हेतु पोर्टल 1 अगस्त, 2025 से कार्यात्मक हो जाएगा और सीएलएटी 2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर, 2025 तक ऐसा ही रहेगा। सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पाठ्यक्रम, आवेदन और परामर्श प्रक्रिया के बारे में आगे की जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी।

सरकार जाति-आधारित व्यवसायों को नष्ट करने की योजना बना रही है : वी. श्रीनिवास गौड़

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने आज आरोप लगाया कि जाति-आधारित व्यवसायों की रक्षा का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार अब उन्हें नष्ट करने पर तुली है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार किसी भी जातिगत पेशे पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही है।सोमवार को हैदराबाद स्थित तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार शराब माफिया के दबाव में आकर ताड़ी निकालने वालों के पेशे पर प्रतिबंध लगाने की साजिश रच रही है। गौड़ ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ताड़ी निकालने वालों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है, जैसे कि पाँच एकड़ ज़मीन का आवंटन, ताड़ के पेड़ से गिरकर मरने या घायल होने वाले ताड़ी निकालने वालों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देना। गौड़ ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार यह खबर लीक कर रही है कि वह आउटर रिंग रोड के भीतर ताड़ी की बिक्री और ताड़ी यौगिकों के संचालन पर प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने दावा किया कि सरकार का यह प्रस्तावित कदम शराब कंपनियों और डिस्टिलरी को फायदा पहुँचाने के लिए है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री एनटीआर के शासनकाल में अविभाजित आंध्र प्रदेश में शराब की बिक्री पर सामान्य प्रतिबंध के दौरान भी ताड़ी और नीरा पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया था। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "ताड़ी और नीरा दोनों में औषधीय गुण होते हैं। नीरा निजी व्यक्तियों को सौंप दिया गया। सरकार इस तरह से काम कर रही है जिससे जातिगत पेशे का अपमान हो रहा है। सरकार राज्य में ड्रग्स और गांजे पर प्रतिबंध लगाने में क्यों विफल हो रही है? सरकार मिलावटी दूध रोकने पर ध्यान क्यों नहीं दे रही है? राज्य में दवा कंपनियों को अंधाधुंध अनुमति दी जा रही है। अन्य राज्यों में प्रतिबंधित बियर तेलंगाना में बेची जा रही है। अगर ताड़ी यौगिक बंद कर दिए गए, तो राज्य सरकार बेकाबू हो जाएगी।"

मुख्यमंत्री की परियोजना को नारायणपेट में झेलना पड़ रहा विरोध

नारायणपेट, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की प्रिय पहल नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना से प्रभावित किसानों ने सोमवार को अपने परिवारों के साथ अपने घरों के सामने प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। मकथल निर्वाचन क्षेत्र के उत्कूर और आसपास के गांवों के किसानों ने हाथों में तख्तियां लेकर मांग की कि पशुपालन मंत्री वी. श्रीहरि, जो इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनकी चिंताओं को राज्य सरकार के समक्ष उठाएं। वे भूमि मुआवजा दरों को अंतिम रूप देने के लिए एक आयोग के गठन, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन और प्रत्येक विस्थापित परिवार के लिए एक सरकारी नौकरी की मांग कर रहे हैं।

किसानों ने आरोप लगाया कि अधिकारी 14 लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवज़ा दे रहे हैं, जबकि बाज़ार में इसकी क़ीमत 50 से 70 लाख रुपये प्रति एकड़ के बीच है। उन्होंने पुलिस और राजस्व अधिकारियों पर खेती रोकने और ज़बरदस्ती ज़मीन अधिग्रहण करने का भी आरोप लगाया। प्रभावितों में से कई छोटे और सीमांत किसान हैं जिनके पास सिर्फ़ एक या दो एकड़ ज़मीन है। उन्होंने पर्याप्त मुआवज़ा न मिलने पर अपनी आजीविका का एकमात्र स्रोत छिन जाने का डर जताया है। बिना भुगतान के एकतरफा भूमि अधिग्रहण से नाराज़ किसानों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जाता, वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने मंत्री से हस्तक्षेप करने और उनके साथ खड़े होने का आग्रह किया।

वीएच ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने की मांग की

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने केंद्र की भाजपा सरकार को चुनौती देते हुए कहा है कि अगर वे सचमुच प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए आरक्षण का समर्थन करना चाहिए और 50 प्रतिशत की सीमा हटा देनी चाहिए। सोमवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, उन्होंने पिछड़ा वर्ग के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार के लिए भाजपा नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने कहा, "जब तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दो पिछड़ा वर्ग उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, तो अंततः यह पद खुले वर्ग के एक उम्मीदवार को दे दिया गया।" हनुमंत राव ने इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्हें वे पिछड़ा वर्ग के प्रति पक्षपाती मानते हैं, पिछड़ा वर्ग विधेयक का समर्थन करेंगे। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे काम पूरे किए हैं जो बीआरएस के कार्यकाल में संभव नहीं थे। वीएच ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रेवंत रेड्डी के प्रभावी समन्वय के कारण ही केंद्र सरकार ने वे उपलब्धियाँ हासिल की हैं जो केसीआर दस वर्षों में हासिल नहीं कर पाए। वी हनुमंत राव ने यह भी आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करेगी।

जीओ 49 के कारण पूर्ववर्ती आदिलाबाद में बंद

आदिवासी समूहों ने की वापसी की मांग

आदिलाबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम संरक्षण रिजर्व के निर्माण को अधिसूचित करने वाले सरकारी आदेश (जीओ) 49 के विरोध में सोमवार को पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में सुबह से शाम तक बंद रहा। आदिवासी अधिकार संगठन, टुडुम देब्बा के आह्वान पर व्यावसायिक प्रतिष्ठान, स्कूल, सिनेमाघर और पेट्रोल पंप बंद रहे। टीएसआरटीसी की बसें आदिलाबाद, निर्मल, कुमराम भीम आसिफाबाद और मंचेरियल जिलों के डिपो तक ही सीमित रहीं। टुडुम देब्बा के कार्यकर्ताओं ने डिपो के सामने धरना दिया और बसों का संचालन रोक दिया। ड्राइवर और कंडक्टर पुलिस सुरक्षा में डिपो पर मौजूद रहे। चारों जिलों के सभी प्रमुख व्यावसायिक केंद्र वीरान रहे।

सीपीआई और सीपीएम ने बंद का समर्थन किया और राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश की निंदा की। पार्टी नेताओं ने इसे वापस लेने की मांग की और आरोप लगाया कि इस रिजर्व के कारण कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के 339 गांवों के आदिवासी विस्थापित हो जाएँगे। उन्होंने सरकार पर आदिवासियों की ज़मीन हड़पने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

30 मई को जारी सरकारी आदेश संख्या 49 ने कवल बाघ अभयारण्य के गलियारे को कुमराम भीम बाघ संरक्षण अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया, जो 1,492 वर्ग किलोमीटर (1,49,288 हेक्टेयर) वन क्षेत्र को कवर करता है। यह अभयारण्य 78 वन खंडों में फैला है, मुख्यतः कदंब, बेज्जुर और गरलापेट मंडलों में, जहाँ हाल के वर्षों में बाघों के लगातार देखे जाने की सूचना मिली है।

तुदुम देब्बा और कई अन्य आदिवासी अधिकार संगठनों ने शुरू से ही इस आदेश का विरोध किया है। संगठन ने 5 जुलाई को एक आंदोलन शुरू किया और जनमत जुटाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। इसने यह भी घोषणा की कि संरक्षण रिजर्व के खिलाफ प्रस्तावों की प्रतियां 14 जुलाई को स्थानीय वन रेंज अधिकारियों और मंडल राजस्व अधिकारियों को सौंपी जाएंगी।

आरटीसी बसों में अधिकतर महिलाओं को होती है असुविधा

सुरक्षा उपकरणों की जानकारी नहीं: रिपोर्ट

हैदराबाद, 21 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की बसों में यात्रा करने वाली अधिकांश महिला यात्रियों ने अपनी यात्रा के दौरान असुविधा का अनुभव होने की बात कही है और इनमें से काफी संख्या में महिलाएं या तो ऐप या हेल्पलाइन जैसे सुरक्षा उपकरणों के बारे में अनजान थीं या उन्होंने कभी उनका उपयोग ही नहीं किया था। ईथेम्स बिजनेस स्कूल के युवा शोधकर्ताओं के एक समूह द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन में बेहतर सहायता प्रणाली, जागरूकता और साझा यात्री जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया गया। टीजीएसआरटीसी प्रतिदिन 9,000 से अधिक बसों का संचालन करती है, जो तेलंगाना में 40 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान करती हैं, जिनमें से एक महत्वपूर्ण अनुपात महिलाएं हैं।

हालाँकि, यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ भीड़भाड़, आराम और सुरक्षा की चुनौतियाँ भी बढ़ती हैं। ईथेम्स द्वारा किए गए इस अध्ययन का उद्देश्य सभी के लिए यात्रा की गरिमा में सुधार लाने के व्यावहारिक और कार्यान्वयन योग्य सुझावों पर प्रकाश डालकर मौजूदा प्रयासों में सकारात्मक योगदान देना है। यह अध्ययन 43 दिनों तक चला और इसमें 480 महिला यात्रियों का सर्वेक्षण किया गया तथा हैदराबाद में बस मार्गों पर 20 से अधिक साक्षात्कार लिए गए। सर्वेक्षण में शामिल 52 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने असुविधा का अनुभव होने की बात कही, जबकि केवल 23 प्रतिशत ही एप या हेल्पलाइन जैसे सुरक्षा उपकरणों के बारे में जानते थे या उनका उपयोग करते थे। प्रमुख चिंताओं में भीड़भाड़, कम प्रशिक्षित कर्मचारी और शिकायतों की सीमित दृश्यता शामिल थी। छात्र शोधकर्ताओं ने सार्वजनिक परिवहन को अधिक सम्मानजनक और उत्तरदायी बनाने के लिए मौजूदा प्रणाली में सुधार का प्रस्ताव रखा।

सुरक्षित, समावेशी यात्रा के लिए सिफारिशों में आरटीसी कर्मचारियों के लिए लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण, बसों और टर्मिनलों में क्यूआर-कोड-आधारित शिकायत प्रणाली, प्रमुख बस स्टॉप पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छ शौचालय, व्यस्त समय के दौरान केवल महिलाओं के लिए बसें, और साथी यात्रियों को सशक्त बनाने के लिए दर्शक प्रशिक्षण और सादे कपड़ों और वर्दीधारी कर्मचारियों के साथ सहयोगात्मक पुलिसिंग शामिल हैं। टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार ने कहा कि आरटीसी महिला सुरक्षा और सम्मान को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम ईथेम्स अध्ययन की सराहना करते हैं, और इसके कई सुझावों पर पहले से ही काम चल रहा है, जैसे बसों की संख्या बढ़ाना, चालक दल का प्रशिक्षण, सुरक्षा हेल्पलाइन, सीसीटीवी, बस ट्रैकिंग ऐप्स और शी टीम्स के साथ सहयोग। निरंतर सुधार हमारी प्राथमिकता बनी हुई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.